हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, बुधवार, 06 अगस्त, 2025
वर्ष : 13, **अंक** : 78,
मूल्य : 3 रुपए

आंसुओं की धुंध में ओझल हुए गुरूजी

अलविदा गुरुजी... पंचतत्व में विलीन हुए दिशोम गुरु, राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

अंतिम संस्कार में शामिल हुए देश के दिग्गज नेता

गुरुजी के अंतिम संस्कार में देश के दिग्गज नेता शामिल हुए. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे रांची एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से नेमरा पहुंचे. इसके अलावा केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, अन्नपूर्णा देवी, टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन और सांसद पप्पू यादव के अलावा अर्जुन मुंडा, सुदेश महतो, डीजीपी अनुराग गुप्ता सहित झारखंड के मंत्री-विधायक से लेकर कई गणमान्य लोग शामिल हुए.

रांची: झारखंड के पुरोधा दिशोम गुरू शिबू सोरेन पंचतत्व में विलिन हो गए. राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया. बसंत सोरेन ने पिता शिबू सोरेन को मुखाग्नि दी. दिशोम गुरु की अंतिम विदाई में हर किसी की आंखे नम थीं. शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर को मंगलवार को विधानसभा में अंतिम दर्शन के बाद उनके पैतृक गांव नेमरा ले जाया गया. उनके अंतिम दीदार के लिए रांची से नेमरा तक लोगों ने बेसब्री से इंतजार किया. गुरुजी के चाहने वाले सुबह से ही सड़क के किनारे मौजूद थे. नेमरा में अपने दिशोम गुरु को अंतिम विदाई देते वक्त सभी की आंखे छलक गईं. इन नम आंखों को सहसा विश्वास ही नहीं हो रहा था कि गुरूजी हमारे बीच नहीं है. अंतिम यात्रा के दौरान गांव की मिट्टी खुद भींग गई. सन्नाटे में लग रहा था हर घर, हर दीवार और हर पेड़ मानो रो रहा हो. लोकसभा में भी शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी गई.

अंतिम यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

नेमरा में गुरुजी को अंतिम विदाई देने के लिए जन सैलाब उमड़ पड़ा. नेमरा पहुंचने के बाद अंतिम विदाई से पहले पारंपरिक रीति रिवाजों को पूरा किया गया. गुरुजी की अंतिम यात्रा के समय नेमरा गांव की गलियां भी पूरी कहानी बयां कर रही थीं. वहां के ग्रामीणों ने फूल बरसाकर उन्हें अंतिम विदाई दी. पूरे गांव में शिबू सोरेन अमर रहे का नारा गूंजता रहा. बारिश के बीच भी उनके चाहने वाले डटे रहे. गुरुजी के सम्मान में झुकी हुई आंखें सबकुछ बयां कर रही थीं. सभी हाथ जोड़े खड़े रहे. किसी के पास शब्द नहीं थे. सिर्फ भाव झलक रहे थे. झारखंड की आत्मा पगडंडियों से होकर विदा हुई. आंसुओं की धुंध में गुरु जी ओझल होते हुए दिख रहे थे.

विधानसभा में पहुंचे कई दिग्गज नेता

इसी क्रम में विधानसभा परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई है. जहां मोरहाबादी आवास से गुरुजी का पार्थिव शरीर यहां लाया गया. विधानसभा परिसर में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने श्रद्धासुमन अर्पित किए. वहीं अंतिम विदाई के रूप में प्रशासन की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. इसके बाद विधानसभा में दो मिनट का मौन रखा गया. विधानसभा में गुरुजी को नमन किया गया. स्पीकर रबीन्द्र नाथ महतो, केन्द्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, मंत्री इरफान अंसारी, मंत्री दीपिका पांडे, मंत्री योगेंद्र प्रसाद, मंत्री सुदिव्य कुमार ने श्रद्धासुमन अर्पित की. मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने भी गुरुजी को अंतिम विदाई दी. इसके साथ ही बड़ी संख्या में विधानसभा सचिवालय के कर्मी अधिकारी मौजूद रहे. विधानसभा परिसर में श्रद्धांजलि सभा के आयोजन के सीएम हेमंत सोरेन गुरुजी के पार्थिव शरीर को लेकर अपने पैतृक गांव नेमरा के लिए रवाना हुए. रामगढ़ के नेमरा में पूरे रीति-रिवाज से उनका अंतिम संस्कार किया गया.

हमने अपना गुरू, पिता और जीवनदाता खोया हैः सीता सोरेन

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की बड़ी बहु ने एक भावुक संदेश पोस्ट किया है. लिखा है बाबा के चरणों में श्रद्धांजलि. बाबा सिर्फ हमारे घर के मुखिया नहीं थे... वे हमारे जीवन के प्रकाश थे. हमारे अपने, हमारे मार्गदर्शक, और हमारे सबसे बड़े सहारे. आज जब वो हमारे बीच नहीं हैं, तो ऐसा लग रहा है जैसे एक पूरा युग समाप्त हो गया हो. उनके बिना ये घर वैसा नहीं रहेगा. उनकी हंसी, उनका स्नेह, उनकी डांट तक, सब कुछ अब यादों में रह गया है. झारखंड ने एक महान सपूत खोया है, लेकिन हमने अपना गुरू, अपना पिता, अपना जीवनदाता खोया है. बाबा, आपने जो मूल्य हमें सिखाए, जो परंपराएं आपने शुरू की और जो सम्मान आपने कमाया हम उसे संजोकर रखेंगे. आपकी विरासत को आगे ले जाना अब हमारा धर्म है. आपकी बड़ी बहू होने के नाते मेरा सिर गर्व से ऊंचा है, लेकिन दिल आज टूट गया है.

'दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दें भारत रत्न' हेमंत सोरेन के मंत्री ने केंद्र से की मांग

झारखंड के स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि पूर्व सीएम और राज्यसभा सांसद रहे दिवंगत शिबू सोरेन को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए. शिबू सोरेन सिर्फ राजनेता नहीं, बल्कि एक आंदोलनकारी, जननायक और करोड़ों आदिवासियों की आवाज रहे हैं. उनका जीवन जल, जंगल और जमीन की लड़ाई को समर्पित रहा. उन्होंने आदिवासी समाज को संगठित कर उनके हक-हकूक की रक्षा की और झारखंड गठन में अहम भूमिका निभायी. झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के स्तंभ रहे हैं. वर्षों संघर्ष कर झारखंड अलग राज्य की मांग को मुकाम तक पहुंचाया. उन्होंने संसाधनों पर आदिवासियों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया. जल, जंगल और जमीन की रक्षा को अपना मिशन बनाया.

उत्तराखंड के धराली में बादल फटा, पूरा गांव जमींदोजः पहाड़ से पानी और मलबा आया, 34 सेकेंड में घर-होटल मलबे में दबे; 4 की मौत, 50 लापता

उत्तरकाशीः उत्तराखंड के धराली में बादल फटने से खीर गंगा गांव बह गया है। घटना मंगलवार दोपहर 1.45 बजे की है। घटना के कई वीडियो और फोटोज सामने आए हैं। इनमें दिख रहा है कि पहाड़ी से बारिश का पानी और मलबा आया और 34 सेकेंड में पूरा गांव बहा ले गया। उत्तरकाशी के डीएम प्रशांत आर्या ने बताया कि अब तक 4 लोगों की मौत की खबर मिली है। 50 से ज्यादा लोग लापता हैं। कई लोगों के दबे होने की खबर है। धरावी गांव देहरादून से 218 किमी और गंगोत्री धाम से 10 किमी दूर है। रेस्क्यू टीम एसडीआरएफ, एनडीआरएफ के साथ आर्मी भी मौके पर पहुंच गई है।

पानी का सैलाब देख लोग चीखने लगे

पानी का सैलाब गांव की तरफ आते ही लोगों में चीख पुकार मच गई। कई होटलों में पानी और मलबा घुस गया है। धराली बाजार पूरी तरह तबाह हो गया है। कई होटल दुकानें ध्वस्त हो चुकी हैं। यहां पिछले 2 दिनों से भारी बारिश हो रही है। सीएम धामी ने कहा कि हम हालातों पर नजर बनाए हुए हैं।

एसडीआरएफ कमांडेंट ने कहा- बारिश की वजह से रेस्क्यू में दिक्कत आ रही

भास्कर रिपोर्ट्स वैभव पलनीटकर ने धराली घटना को लेकर एसडीआरएफ कमांडेंट अर्पण यदुवंशी से बातचीत की। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। लगातार बारिश हो रही है। इसकी वजह से रेस्क्यू में दिक्कत आ रही है। बाढ़ के पानी के साथ काफी तादाद में मलबा आ गया है। भारतीय सेना, एसडीआरएफ, आईटीबीपी और पुलिस की टीमें साथ मिलकर समन्वय के साथ काम कर रही हैं। एसडीआरएफ कमांडेंट ने यह भी बताया कि धराली काफी भूगर्भीय चुनौती वाली जगह है। वहां राहत बचाव का काम करना बहुत मुश्किल टास्क है। मौसम अभी सबसे बड़ी चुनौती हुआ है, लगातार बारिश हो रही है। रात में बहुत ठंड हो जाती है। इसकी वजह से रेस्क्यू चुनौतीपूर्ण है।

पीएम मोदी बोले- सीएम धामी से हालात की जानकारी ली

धराली के हादसे को लेकर पीएम मोदी ने उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी से बात की है। उन्होंने X पर लिखा- उत्तरकाशी के धराली में हुई इस त्रासदी से प्रभावित लोगों के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी जी से बात कर मैंने हालात की जानकारी ली है। राज्य सरकार की निगरानी में राहत और बचाव की टीमें हरसंभव प्रयास में जुटी हैं।

सेना ने 20 लोगों को बचाया

भारतीय सेना ने बताया कि आज दोपहर लगभग 1:45 बजे, हर्षिल स्थित भारतीय सेना शिविर से लगभग 4 किलोमीटर दूर, धराली गांव के पास बादल फटने से लैंडस्लाइड हुआ। सेना ने 150 कर्मियों को तैनात किया जो 10 मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंच गए और तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया। अब तक 15-20 लोगों को सफलतापूर्वक निकाला जा चुका है, और घायलों को हर्षिल स्थित भारतीय सेना के चिकित्सा केंद्र ले जाया गया। सर्च और रेस्क्यू का काम चल रहा है। फंसे हुए लोगों का पता लगाने और उन्हें निकालने के लिए सभी संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है। स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधनः बिहार सहित 4 राज्यों के राज्यपाल रहे

नई दिल्लीः जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने दोपहर 1:12 बजे अंतिम सांस ली। सत्यपाल मलिक लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। 11 मई को हालत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे जम्मू-कश्मीर, बिहार, गोवा और मेघालय के राज्यपाल रहे। 2018 में ओडिशा के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला। सत्यपाल 23 अगस्त 2018 से 30 अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे। इन्हीं के कार्यकाल के दौरान ही आज ही के दिन 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को हटाया गया था। सीबीआई ने 22 मई को सत्यपाल मलिक समेत 5 लोगों के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के किरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें करीब 2,200 करोड़ रुपए के सिविल वर्क्स कॉन्ट्रैक्ट में गड़बड़ी का आरोप है। सीबीआई ने इसी मामले को लेकर 22 फरवरी 2024 को सत्यपाल मलिक के ठिकाने

पर छापा मारा था। साथ ही दिल्ली में 29 अन्य ठिकानों पर भी रेड की थी।

सत्यपाल मलिक ने 17 अक्टूबर 2021 को राजस्थान के झुंझुनूं में एक कार्यक्रम में कहा था कि उन्हें जम्मू-कश्मीर का राज्यपाल रहते करोड़ों की रिश्वत ऑफर हुई थी। उस दौरान उनके पास दो फाइलें आई थीं। इनमें एक बड़े उद्योगपति और दूसरी महबूबा मुफ्ती और भाजपा की गठबंधन सरकार में मंत्री रहे एक व्यक्ति की थी।

संक्षिप्त खबरें...

चाईबासा के अधिवक्ताओं ने दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

चाईबासा : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर मंगलवार को जिला बार एसोसिएशन प्रांगण में शोकसभा हुई. जिले के अधिवक्ताओं ने गुरुजी को श्रद्धांजली दी. बार एसोसिएशन के महासचिव फादर अगस्तीन कुल्लू व अधिवक्ता राजाराम गुप्ता ने शिबू सोरेन के निधन को राज्य के लिए अपूरणीय क्षति बताया. कहा कि गुरुजी हमारे राज्य के पथ प्रदर्शक थे. झारखंड राज्य निर्माण में उनकी अहम भूमिका थी. अधिवक्ताओं ने गुरुजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया. उनकी आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई. मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता निरंजन प्रसाद साव, सतीश चंद्र महतो, एसोसिएशन के उपाध्यक्ष कैसर परवेज, किशोर महतो, गौरांग महतो, सरफराज खान, आशीष सिन्हा, सत्यव्रत ज्योतिषी, अरुण प्रजापति, नीमचंद राम, राजेश नाग, अली हैदर, बैद्यनाथ आयकत, अभिषेक राय समेत अन्य अधिवक्ता मौजूद थे.

बारिश के वजह से गिरा खपरैल मिट्टी का मकान

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के ग्राम हेठली डेबो निवासी तुलेश्वर सिंह पिता माघे सिंह का खपरैल मिट्टी का मकान सोमवार की रात को गिर गया। घटना के वक्त घर में मौजूद लोगों को कोई नुक़सान नहीं पहुंचा है।आपको बता दे कि पिछले 15-20 दिनों से हो रही मूसलधार बारिश के चलते मकान की दीवार का नींव पानी से भर जाने के कारण दीवार गिला हो जाने से भरभरा कर गिर गई। घटना के बाद गृहस्वामी तुलेश्वर सिंह के समक्ष विकट स्थिति उत्पन्न हो गई है।उन्होंने स्थानीय मुखिया एवं प्रशासन से आवास देने की मांग किया है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में झामुमो केंद्रीय सदस्य यासीन खान हुए शामिल

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में झामुमो केंद्रीय सदस्य यासीन खान शामिल हुए। यासीन खान ने नेमरा गांव स्थित उनके आवास पर शिबू सोरेन को नम आंखों से पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। यासीन खान ने कहा कि यह क्षण मेरे लिए अत्यन्त मर्माहत कर देने वाला है दिशोम गुरु के निधन से झारखंड ने अपना सबसे मजबूत स्वर और एक सच्चे मार्गदर्शक को खो दिया है। गुरु जी के आदर्शों और सिद्धांतों को अपनाकर सशक्त झारखंड निर्माण बनाने का संकल्प लेने की जरूरत है।

सारठ में 9 लाभुकों को मिला पीएम जीवन ज्योति योजना का लाभ

देवघरः देवघर जिले के सारठ के 9 लाभुकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना का लाभ दिया गया. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सारठ शाखा ने सोमवार को लाभुकों को दो-दो लाख रुपए का चेक सौंपा. इस मौके पर शाखा प्रबंधक ने लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि ग्राहकों को बेहतर सेवा देना बैंक का कर्तव्य है. लाभुकों में गोविंद पंडित, आशा दिव्या, पाटन बीवी, महादेव राणा, असलम मिर्जा, रतन मिर्धा, अनीशा कुमारी, शुभम कुमार राणा, मैनेजर मंडल व शाहिदा खातून शामिल हैं. समारोह में बैंक के फील्ड ऑफिसर कृष्ण मोहन दीपक, अकाउंटेंट धीरज क्रांति खा, बैंक कर्मी विजय कुमार, नवनीत कुमार, संजय कुमार, सीएसपी संचालक संजय मंडल, जीतेंद्र प्रसाद, राहुल सिंह, अनिल कुमार मंडल, कंचन कुमार, मोहन महरा, जटाशंकर झा आदि मौजूद थे.

तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर कार्यशाला का आयोजन

धनबाद : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) धनबाद जिला कार्यालय में मंगलवार को आगामी तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रामीण जिलाध्यक्ष और महानगर जिलाध्यक्ष ने संयुक्त रूप से की. जबकि संचालन महानगर महामंत्री मानस प्रसून ने किया.

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी और भाजपा जिला प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने कहा कि तिरंगा यात्रा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि यह देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और जनभागीदारी का प्रतीक है. उन्होंने इसे जन-आंदोलन का रूप देने और हर घर में तिरंगा फहराने के लिए लोगों को प्रेरित करने की अपील की.

बैठक में यात्रा के रूट, समय और प्रतिभागियों की संख्या पर भी विस्तार से चर्चा की गई. पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने और यात्रा को शांतिपूर्ण तथा अनुशासित ढंग से सम्पन्न कराने की जिम्मेदारी दी गई.

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

बैठक की शुरुआत में सभी पदाधिकारियों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) के केंद्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया. उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई. कार्यशाला में जिला उपाध्यक्ष राम प्रसाद महतो, मोहन कुंभकार, राजेश चौधरी, जिला महामंत्री मनोज मिश्रा, निताई रजवार, जिला मंत्री प्रकाश बाउरी, आशीष मुखर्जी, संजय महतो, मोर्चा जिला अध्यक्ष पोरेश दास, मनीष साव, समीर साव, वरिष्ठ नेता धरणीधर मंडल, विकास महतो, युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष नित्यानंद मंडल, अरविंद सिन्हा, रंजीत सिंह, बृहस्पति पासवान, बीरची सिंह, विश्वजीत मुखर्जी, तालेश्वर शाह, सुजीत चंद्रा, सुजीत चौधरी, तिलक मंडल, गोपाल भारती और आनंद रविदास सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

चाईबासाः शोकसभा में गुरुजी को दी गई श्रद्धांजलि

चाईबासाः दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से पूरा पश्चिमी सिंहभूम जिला मर्माहत है. चाईबासा, चक्रधरपुर, मनोहरपुर समेत अन्य जगहों पर मंगलवार को शोकसभा आयोजित कर गुरुजी को श्रद्धांजली दी गई. चाईबासा के कांग्रेस भवन में शोकसभा में दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर दास ने की. उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि आदिवासी चेतना के संवाहक थे. उन्होंने जीवन भर झारखंडी समाज और उसकी अस्मिता की रक्षा के लिए संघर्ष किया.

मौके पर कांग्रेस जिला महासचिव लियोनार्ड बोदरा, अशोक बारीक, जानबी कुदादा, नगर अध्यक्ष मो.सलीम, प्रखंड अध्यक्ष सिकुर गोप, पुरुषोत्तम दास पान, रवि कच्छप, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रीतम बांकिरा, नगर अध्यक्ष राहुल दास, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अनीष गोप, अजीत कांडेयांग, संतोष सिन्हा, जुम्बल सुंडी, राजेन्द्र कच्छप, ललित कर्ण, सुभाष राम तुरी, बिट्टू सिंह, मो. शहजादा, परमोहन नायक, विक्रमादित्य सुंडी, आलोक मजुमदार, दीपक सामल, सुशील दास आदि मौजूद थे.

ग्राम युवा संगठन कांडतरी के बैनर तले कांवरिया संघ हुए सम्मानित

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। श्रावण के अंतिम सोमवारी में बुढ़वा महादेव प्राचीन शिव मंदिर में रजरप्पा के भैरवी नदी से पैदल जल यात्रा, झांकी व जुलूस का मूल्यांकन ग्राम युवा संगठन कांडतरी के बैनर तले किया गया। कुल 13 कांवरिया संघ अपने झांकी एवं जुलूस के साथ भाग लिए। जिनमें शिव कांवरिया संघ महुदी हरिजन मुहल्ला, शिव हनुमान पूजा समिति तलशवार, नव युवक कांवरिया संघ शिवडीह, शिव कांवरिया संघ कांडतरी, विजेता युवा क्लब कांवरिया संघ कोयलंग परेवातरी, शिव युवा कांवरिया संघ महुदी, नव युवक कांवरिया संघ नापोकलां, नव युवक कांवरिया संघ राउतपारा, शिव शक्ति कांवरिया संघ सोनपुरा, जागृति युवा क्लब डोकाटांड़, नव युवक कांवरिया संघ विश्रामपुर और तीर्थ शिवा कांवरिया संघ हरली शामिल है। हरली एवं विश्रामपुर कांवरिया संघ के द्वारा रोड शो झांकी प्रस्तुत किया गया। जिसमें अनुशासन पालन करने को लेकर विश्रामपुर को प्रथम स्थान दिया गया। सभी प्रतिभागी कांवरिया संघ को अतिथि पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर, रंजीत चौबे, ग्राम युवा संगठन कांडतरी के अध्यक्ष प्रभाकर कुमार निराला एवं ग्राम अध्यक्ष के हाथों शील्ड देकर सम्मानित किया गया। सभी कांवरिया संघ के हौसला को बढ़ाते हुए उप प्रमुख वचनदेव कुमार ने कहा कि इस बार अंतिम सोमवारी जलाभिषेक को लेकर शिव भक्तों के बीच एक अलग उत्साह देखने को मिला। मौके पर मुख्य रूप से प्रमुख फुलवा देवी, उपप्रमुख सह कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक बचनदेव कुमार, पूर्व पंसस उपेन्द्र कु प्रसाद, रंजीत चौबे, प्रभारी मुखिया राजदेव महतो, सुरेश महतो, कुशवाहा समाज के प्रखंड अध्यक्ष सोहन लाल मेहता, लालदेव महतो, यमुना कुमार, हरिहर महतो, प्रमोद कुमार उर्फ पिंटू, दिनेश कुमार, पूर्व पंसस बासमती कुमारी, गिन्नी वर्मा, रेखा कुमारी, प्रभाकर कुमार निराला, सचिव सुबेन्द्र कुमार, कोषाध्यक्ष चितरंजन कुमार, उपाध्यक्ष विकास राम, उपसचिव अनिल कुमार राज, संगठन मंत्री रंजन कुमार, मुख्य सहयोगी लक्ष्मण कुमार, नंदकिशोर कुमार, रामविलास कुमार, विनेश कुमार, पप्पू कुमार, गोविन्द कुमार, आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

धनबाद सदर अस्पताल में महिला का हुआ हिस्टेरेक्टोमी का सफल ऑपरेशन

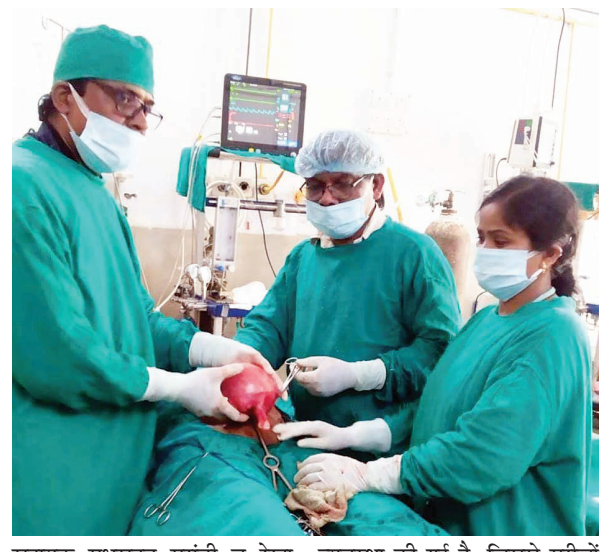

धनबादः सदर अस्पताल, धनबाद में मंगलवार को एक महिला विंध्यवासिनी देवी का हिस्टेरेक्टोमी (गांठ सहित गर्भाशय निकालने) का ऑपरेशन किया गया. ऑपरेशन सफल रहा. अब महिला की स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है. मोतीनगर (कार्मिक नगर) निवासी विंध्यवासिनी देवी के गर्भाशय में बड़ी गांठ थी. इसके चलते उन्हें अत्यधिक रक्तस्राव की समस्या थी. उन्होंने सदर अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ व अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. संजीव कुमार से संपर्क किया. डॉ. संजीव कुमार ने जांच के बाद ऑपरेशन की सलाह दी. कहा कि ऑपरेशन सदर अस्पताल में हो जाएगा.

डॉक्टरों ने पहले इलाज कर महिला के शरीर में खून की कमी को दूर किया. इसके बाद हिस्टेरेक्टोमी का ऑपरेशन किया गया. ऑपरेशन टीम में डॉ. संजीव कुमार के साथ एनेस्थीसिया की डॉ. स्वेता गुंजन, सहायक मधुसूदन मरांडी व रेखा महतो शामिल थे. डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि डीसी आदित्य रंजन के प्रयास से सदर अस्पताल की सुविधाएं काफी बेहतर हुई हैं. यहां नए और आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था की गई है, जिससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल रहा है. वर्तमान में सदर अस्पताल में प्रतिदिन 650 से अधिक मरीज जिले के विभिन्न क्षेत्रों से इलाज के लिए पहुंच रहे हैं.

शिबू सोरेन के निधन पर बुद्धिजीवी मंच ने किया शोक सभा का आयोजन

रामगढ़ : झारखंड निर्माता और आदिवासी समाज के नेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर रामगढ़ जिले के बरकाकाना में बुद्धिजीवी मंच की ओर से शोक सभा का आयोजन किया गया. नया नगर स्थित सीसीएल को-ऑपरेटिव मार्केट परिसर में लोगों ने उनकी तस्वीर पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की और एक मिनट का मौन रखा.

शिबू सोरेन आदिवासी समाज की ताकत थे : प्रदीप करमाली

शिबू सोरेन को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के बाद शोक सभा का आयोजन हुआ, जिसकी अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष प्रदीप करमाली ने की और संचालन डॉ. शाहनवाज खान ने किया. प्रदीप करमाली ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड की राजनीति में शिबू सोरेन आदिवासी और मूलवासी के अधिकारों की बुलंद आवाज थे. उन्होंने आदिवासियों और मूलवासियों को एकजुट कर मान सम्मान बढ़ाने का काम किया है.

झारखंड आंदोलन के गांधी थे शिबू सोरेनः डॉ. शाहनवाज

वहीं डॉ शाहनवाज खान ने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड राज्य निर्माण आंदोलन के नायक थे. जिस तरह महात्मा गांधी ने देश को आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाई, उसी तरह शिबू सोरेन ने झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाने में बड़ा योगदान दिया. उनका जीवन पूरी तरह झारखंड और यहां के लोगों के अधिकारों के लिए समर्पित था.

शोक सभा में कई समाजसेवी और नेता शामिल

इस अवसर पर बुद्धिजीवी मंच के सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक दलों से जुड़े लोग और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे. प्रमुख लोगों में अवधेश गुप्ता, सुशील कुमार, मोहम्मद सलीम, गिरी शंकर महतो, फरीदा खातून, रविंद्र मुंडा, सुरेश शर्मा, पवन महतो, राजकुमार महतो, जितेंद्र दास, वरुण कुमार और भगवान सिंह सहित कई लोग शामिल थे.

तलसवार से सांसद तीर्थ दर्शन यात्रा का आठवां जत्था हुआ रवाना

बड़कागांव(हजारीबाग)। लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल के द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम सांसद तीर्थ दर्शन यात्रा के तहत बड़कागांव प्रखंड के उरीमारी मंडल अंतर्गत तलसवार पंचायत से 65 तीर्थ यात्रियों का जत्था मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह ,मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो,एवम मण्डल सांसद प्रतिनिधि महेंद्र महतो, के नेतृत्व में सादे समारोह में रवाना किया गया। हलांकि दिशोम गुरु सह पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन के कारण विशेष कार्यक्रम को स्थगित कर सादे समारोह में रवाना किया गया।वहीं तीर्थ यात्रियों को अंग वस्त्र,फल व पूजन सामग्री देकर सम्मान पूर्वक प्रस्थान किया गया।मौके पर मुख्य रूप से लोकसभा सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा ,विधानसभा सांसद प्रतिनिधि पुनम साहु, विधानसभा सांसद मिडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, मुखिया गीता देवी,जुगनू सिंह,उरीमारी मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, मण्डल सांसद प्रतिनिधि महेंद्र महतो,मुखिया संघ अध्यक्ष सह मंडल सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, खोखा सिंह, केदार महतो, बेचन साव, प्रतिनिधि पूर्व मुखिया भिखन महतो, अशोक कुमार ,बालेश्वर कुमार, श्रीकांत निराला, ज्ञान चंद, महेंद्र सिंह, किशोर राणा, भागीरथ ठाकुर, रवि दांगी, केदार महतो, संजय साव, त्रिवेणी महतो, सचिदानंद पांडेय, अकल मुंडा, दिनेश करमाली, विजय यादव,सुमन गिरी, अशोक साव, भुपाल स्वर्णकार, राजु कुमार रंजन, लालदेव महतो समेत सैकड़ों कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

शिव मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा धूमधाम और भव्य समारोह के साथ संपन्न

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव प्रखंड के सिकरी राजबागी स्थित एमडीओ कॉलोनी में त्रिवेणी सैनिक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड के सौजन्य से नव निर्मित भव्य शिव मंदिर में पांच दिवसीय महायज्ञ के साथ शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा भव्य समारोह के साथ संपन्न हुआ। यह मंदिर नौ महीने की अथक मेहनत के बाद दक्षिण भारतीय वास्तुकला और तकनीकों से बनकर तैयार हुआ है। 31 जुलाई से 4 अगस्त 2025 तक चले इस धार्मिक आयोजन में त्रिवेणी सैनिक के कर्मचारियों और आसपास के गांवों जैसे सिकरी, चमगढ़ा, पकरी बरवाडीह, जुगरा,लंगातू, बड़कागांव और महटीकरा सहित आस - पास के अनेकों गांवों के हजारों श्रद्धालु इस प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुए। इस महायज्ञ का शुभारंभ 31 जुलाई से भव्य कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ जिसमें 301 के करीब महिलाओं और कन्याओं ने पवित्र जल से भरे कलश लेकर उसे यज्ञशाला में स्थापित किया। इस दौरान ढोल-नगाड़ों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय और पारंपरिक आस्था का केंद्र हो गया।वाराणसी से आये हुए कुल नौ यज्ञ के आचार्यों और मुख्य पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चारण और नियम निष्ठा के साथ अपने यजमानों के संग सभी धार्मिक अनुष्ठान विधिवत संपन्न कराए। एक से तीन अगस्त तक महापूजा-अर्चना और संध्या महा आरती का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।पांच दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन के अंतिम दिन 04 अगस्त को महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की प्रतिमाओं की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में त्रिवेणी सैनिक के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और भारी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

अखिल भारतीय भुइयां संघ ने नए थाना प्रभारी का स्वागत किया

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। अखिल भारतीय भुईयां समाज कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने नये थाना प्रभारी कृष्णा कुमार गुप्ता से औपचारिक मुलाकात की। प्रखण्ड अध्यक्ष प्रभु राम ने कहा कि समाज की कोई भी समस्या आपका सहयोग से मिलजुल करके निपटारा किया जाएगा । साथ मे प्रखण्ड सचिव शंकर कुमार भुईयां, उपाध्यक्ष चन्दर भुईयां मौजूद थे।

बिहार सरकार

न्यायालय, भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, सदर, भागलपुर

प्रेस विज्ञप्ति सं0– 928 / म0नि0, दिनांक– 09.07.2025

चूँ वजरिये इस कोर्ट नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है कि मद्यनिशेध एवं उत्पाद (संशोधित) अधिनियम, 2018 की धारा 56 (ख) (ग) के अन्तर्गत अवैध रूप से देशी / विदेशी शराब का परिवहन व भंडारण करने के आरोप में निम्नलिखित वाहन भिन्न–भिन्न थाना काण्डों / उत्पाद अभियोग में जब्त / सील (Seal) कर अधिहरण प्रस्ताव वरीय पुलिस अधीक्षक, भागलपुर / सहायक आयुक्त, मद्य निशेध, भागलपुर के माध्यम से प्राप्त होने के फलस्वरूप विविध उत्पाद अधिहरण वाद प्रारंभ किया गया। उक्त वादों में जब्त वाहन मालिक को नोटिस निर्गत करने के वादजूद वाहन मालिक के द्वारा कोई दावेदारी प्रस्तुत नहीं किया जा रहा है। उक्त जब्त वाहन अधिहरण योग्य है, जप्त वाहन का विवरण निम्नलिखित है:–

क्र0 सं0	उत्पाद वाद सं0	थाना का नाम	थाना कांड सं0	वाहन का प्रकार	जप्त वाहन एवं भवन / भू–खंड का विवरण	वाहन एवं भवन / भूखंड के स्वामी का नाम एवं पता
01.	04/24-25	सबौर, गोराडीह	थाना कांड सं0–658 / 23, दिनांक–11.12.2023	Splender smart+11 drumself cast Motor Cycle	Registration No-JH15W9914, CHASSIS NO-MBLJAW039KHG10002, ENGINE NO-JA06EUKHG01259	स्नेहलता, पिता–नित्यानंद झा, साकिन–थारी रोड, बजबारी करणीबाग, देवघर (देवघर), 814112
02.	70/23-24	नवगछिया उत्पाद	465 / 23, दिनांक–24.08.2023	Good carrier	Registration No-JH01BX6801, CHASSIS NO-MAT455055F8P31769, ENGINE NO-497SPTC40PUY643007	Mantosh kumar, Father-Late Mahendra singh, At-Sangram chowk kumhar tola, Po+ps-Ranchi, Ranchi, Ranchi, Jharkhand, 834001

अतः एतद् द्वारा सूचित किया जाता है यदि इस जब्त वाहन में किन्हीं व्यक्ति / संस्था का हित निहित हो तो नव संशोधित नियमावली 2022 के आलोक में जब्त वाहन के स्वामी नोटिस गजट प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के अंदर अपना जब्त वाहन का शास्ति (जुर्माना) राशि प्रपत्र IV वाहन हेतु भूमि सुधार उप समाहर्त्ता के न्यायालय, भागलपुर में दाखिल करेंगें। अन्यथा अनुपस्थित होने की स्थिति में समझा जायेगा कि उक्त जब्त वाहन से आपको कोई सरोकार नहीं है। तत्पश्चात् उक्त वाहन को अधिहरण / निलाम कर लिया जायेगा।

इसे सख्त ताकीद समझें।

इसे आज दिनांक– 08.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय के मोहर से जारी किया गया।

उक्त सूचना **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी देखी जा सकती है।

भूमि सुधार उप समाहर्त्ता
सदर, भागलपुर

PR. No. 010585 (Excise) 25-26

नशामुक्त हो जाए बिहार, सुरक्षित रहे घर परिवार।

बिहार सरकार

उत्पाद न्यायालय, वरीय उप समाहर्त्ता–सह–पीठासीन पदाधिकारी, औरंगाबाद
(मद्य निषेध कोर्ट–2)

अति आवश्यक सूचना
प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा निम्नलिखित वादों में वाहन मालिकों को सूचित किया जाता है कि बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम, 2018 के अन्तर्गत उत्पाद विभाग द्वारा अवैध शराब के परिवहन तथा भारा बिक्री के आरोप में आपके वाहन को जप्त कर अधिहरण हेतु समर्पित प्रस्ताव के आलोक में अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में अधिहरण वाद संधारित है।

ज्ञातव्य हो कि बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद (संशोधन) नियमावली, 2022 के नियम 12(क) के तहत वाहन स्वामी से प्रपत्र IV में आवेदन प्राप्त कर कलक्टर या उनके द्वारा प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा बिहार मद्यनिषेध और उत्पाद नियमावली (संशोधित), 2022 के नियम 12(क) एवं बिहार मद्यनिषेध और उत्पाद नियमावली (संशोधित), 2023 के तहत वाहन मालिक से प्रपत्र IV में आवेदन प्राप्त कर कलक्टर या उनके द्वारा प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा आदेशित शास्ति के भुगतान पर जप्त वाहन को छोड़ने का प्रावधान है।

उत्पाद अधिहरण वाद में सुनवाई की तिथि– 13.08.2025 को निर्धारित की गयी है।

अधिहरण हेतु वाहन / भूमि की सूची निम्न प्रकार है :–

क्र0 सं0	उत्पाद अधिहरण वाद संख्या	वाहन स्वामी का पूर्ण पता	थाना काण्ड / उत्पाद वाद सं0	जप्त वाहन / भूमि / सामग्री की विवरणी	सुनवाई की तिथि
1	152 / 25	पूनम कुमारी, पिता– मुनी राम, ग्राम–टोना, भण्डार, थाना–बिश्रामपुर, जिला–पलामू, झारखण्ड, पिन–822124	उत्पाद थाना औरंगाबाद, काण्ड सं0–509 / 2025, दिनांक–12.05.2025	TVS Apachi Motorcycle, निबंधन संख्या– JH03AK5435, चेसीस नं0-MD634BE86P2C19860, ईंजन नं0–AE8CP2819756	13.08.2025
2	161 / 25	राजेन्द्र यादव, पिता–रघुनी यादव, ग्राम–धोबीडीह, पो0–उदयगढ़, थाना–छत्तरपुर, जिला–पलामू, झारखण्ड, पिन–822113	कुटुम्बा थाना, काण्ड सं0–41 / 2024, दिनांक–06.03.2025	हिरो स्पलेण्डर मोटरसाईकिल, निबंधन संख्या– JH03T5971, चेसीस नं0–MBLHAR084JHD77057, ईंजन नं0–HA10AGJHD35161	13.08.2025

अतः आप अथवा वाद से संबंधित कोई अन्य व्यक्ति, जिनका कोई हित निहित हो उपर्युक्त निर्धारित तिथि को न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपना पक्ष प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे अथवा आपके उपस्थित नहीं होने पर एक पक्षीय सुनवाई कर नियमानुसार वाद का निष्पादन कर दिया जाएगा।

उक्त सूचना state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

वरीय उप समाहर्त्ता–सह–पीठासीन पदाधिकारी
उत्पाद न्यायालय नं0–02, औरंगाबाद

PR- 010629 (Excise) 2025-26

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

संक्षिप्त खबरें

बिरला कंजम्पशन फंड ने पूरे किए 20 वर्ष, पीएमपीके वेल्थ में दी जानकारी

संवाददाता रांचीः आदित्य बिरला सन लाइफ म्युचुअल फंड की प्रतिष्ठित योजना बिरला कंजम्पशन फंड ने अपने 20 गौरवपूर्ण वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। यह फंड वर्ष 2005 में लॉन्च हुआ था, जब भारत में उपभोक्ता क्षेत्र तेजी से उभर रहा था। बीते दो दशकों में, फंड ने देश के उपभोक्ता थीम में निवेश कर निवेशकों के लिए बड़े धन का निर्माण किया है। इस अवसर पर मंगलवार को बरियातू रोड स्थित पीएमपीके वेल्थ के कांफ्रेंस हॉल में केक कटिंग करते हुए उत्सव मनाया गया। आदित्य बिरला सुन लाइफ म्युचुअल फंड के क्षेत्रीय प्रबंधक संतोष मिश्रा ने फंड की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि 10,000 मासिक एसआईपी करने वाले निवेशकों का निवेश 20 वर्षों में 1.5 करोड़ से अधिक धन का निर्माण किया है। वहीं, 20 वर्ष पहले एक लाख एक साथ जमा करने वाले निवेशक के 20 लाख 40 हजार रुपए बन गए। जबकि इसी अवधि में बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट ने 3 लाख रुपया, पीपीएफ ने 3.57 लाख रुपया और सोना ने 15 लाख रुपया का धन निवेशकों को बना कर दिया। श्री मिश्रा ने कहा कि बिरला कंजम्पशन फंड भारत की उपभोक्ता क्रांति का गवाह है। आगे भी भारत में ग्रामीण और मध्यम श्रेणी के लोगों का बढ़ता हुआ कंजंप्शन ने रिटेल क्रांति की शुरुआत की है जो आने वाले अनेक दशकों तक चलेगा। इसलिए आने वाले वर्षों में भी निवेशकों को अच्छा मुनाफा मिलने की उम्मीद है। पीएमपीके वेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक देवेश जैन ने कहा कि भारत के लोग अपने भविष्य की कमाई के लिए आस्वस्त हैं और इसलिए वे कर्ज लेकर भी आसानी से खर्च कर रहे हैं। प्रदीप जैन ने बताया कि फंड मैनेजर चंचल खंडेलवाल एवं धवल जोशी कुशलता से इस फंड को मैनेज कर रहे हैं और उन्होंने ज्यादा निवेश भारती एयरटेल, आईटीसी, आइसीआइसीआइ बैंक, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा ऐंड महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति सुजुकी जैसी सुप्रसिद्ध एवं स्थिर कंपनियों में किया है जिसका लाभ निवेशकों को मिल रहा है। कमलेश कुमार ने कहा कि म्युचुअल फंड के निवेश में जोखिम है और भविष्य के लाभ की कोई गारंटी भी नहीं है, फिर भी मैं भारत के आर्थिक भविष्य को लेकर निश्चिंत हूं, इसलिए इक्विटी आधारित म्युचुअल फंड योजनाओं पर मेरा विश्वास बना रहेगा।

पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

संवाददाता रांचीः झारखंड आंदोलन के प्रणेता, आदिवासी अस्मिता के प्रतीक और पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। वे सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि एक सच्चे Tribal Hero थे। उनसे मेरा आत्मीय और पारिवारिक संबंध था, और उन्होंने भी मुझे हमेशा भरपूर स्नेह व आशीर्वाद दिया। गुरुजी ने आदिवासी समाज की आवाज़ को राष्ट्रीय स्तर पर बुलंद किया। उनका जीवन संघर्ष, सेवा और समाज के प्रति समर्पण की मिसाल है। इस वक्त एक परिवार के सदस्य के नाते, मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और समस्त परिजनों को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने दी गुरूजी को अंतिम विदाई, किया भावुक पोस्ट लिखा अंतिम जोहार बाबा

संवाददाता रांचीः मेरे राजनीतिक जीवन के आप सिर्फ अभिभावक न थे, बल्कि संघर्ष के जीवन से लेकर विपरीत परिस्थितियों तक मेरे मार्गदर्शक रहे, जब भी चाहा आपका स्नेह आशीर्वाद और सानिध्य प्राप्त हुआ। बाबूजी के जाने के बाद आपको अपना अभिभावक माना और एक अभिभावक रूपी पिता के रूप में आपने हमेशा स्नेह दिया, आज मन द्रवित हैं, मायूस हैं, दुःखी हैं, एक राजनीतिक शून्यता और नेपध्य के वातावरण के साथ झारखंड के हर कोने कोने से सुनाई दे रही हैं सिर्फ एक आवाज.... गुरूजी अमर रहे। शिबू सोरेन अमर रहे।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूल, राँची के साथ पेमेंट गेटवे की शुरुआत

संवाददाता रांचीः यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, श्यामली शाखा ने प्रदेश के प्रतिष्ठित विद्यालय, दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची के साथ निर्बाध भुगतान प्रक्रिया को करने हेतु एकीकृत पेमेंट गेटवे की सुविधा की शुरुआत की गई । कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्या डॉ जया चौहान, अकाउंटेंट श्री प्रदीप सिंह तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के उप-क्षेत्र प्रमुख श्री विभाष कुमार मिश्रा, शाखा प्रमुख एशलीन कौर, कासा टीम से सुश्री सुमेधा एवं रॉबिन इग्नेशियस लकड़ा, डिजिटल टीम से देबोजीत दत्ता एवं श्यामली शाखा से सुश्री सुप्रिया ने सहयोग प्रदान किया। बैंक द्वारा प्रदत इस सुविधा से विद्यालय के सभी लेन-देन को सुगमता एवं सुरक्षित तरीके से करने में सहयोग मिलेगा।

शिबू सोरेन के निधन पर श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट ने किया शोक सभा का आयोजन

दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की

झारखंड आंदोलन के जननायक, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं देश के वरिष्ठ आदिवासी नेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम सदुरु अपना घर आश्रम, पुंदाग, रांची में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

इस शोक सभा में ट्रस्ट के पदाधिकारियों, आश्रम में निवास कर रहे दिव्यांग, निराश्रित, दीनबंधु एवं सेवा में लगे सेवादारों ने भाग लिया। सभा की शुरुआत दो मिनट के मौन के साथ की गई,जिसमें सभी उपस्थित जनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। वातावरण में एक गहन शोक और श्रद्धा की अनुभूति स्पष्ट देखी गई। शोक सभा में ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल ने कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन के संघर्षमयी जीवन, उनके सामाजिक योगदान, और झारखंड के निर्माण में उनके अद्वितीय नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि गुरुजी न केवल एक राजनेता थे, बल्कि वे झारखंड की आत्मा थे। आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने आजीवन संघर्ष किया।

ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि दिशोम गुरु जी का जीवन त्याग, सेवा और संघर्ष का प्रतीक था। उनका निधन न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने जिस प्रकार से आदिवासी समाज को एकजुट कर मुख्यधारा में लाने का कार्य किया, वह सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। सबों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि गुरुजी के विचारों और सिद्धांतों को आत्मसात कर समाज सेवा के मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

शोकसभा में- मनोज कुमार चौधरी, सज्जन पाड़िया, निर्मल जालान, राजेंद्र अग्रवाल,पुजारी अरविंद पांडे, पूरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, विशाल जालान, पवन पोद्दार, नंदकिशोर चौधरी, मधु जाजोदिया, सुनील पोद्दार, संजय सर्राफ,आशीष कुमार, सुधीर कुमार, पवन कुमार, मुरली कुमार, परमेश्वर प्रसाद, चन्द्रदीप साहु, सुरज कुमार,आशीष कुमार,सत्यम कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरू शिबू शिबू सोरेन के निधन शोक सभा का आयोजन

संवाददाता रांचीः छात्र क्लब ग्रुप एवं विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच की ओर से दैनिक समाचार पत्र आजाद सिपाही के प्रधान संपादक हरिनारायण सिंह एवं झारखंड राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरू के निधन पर रातु रोड मे दो मिनट मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई।

छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा ने कहा हरिनारायण सिंह जीवन भर पत्रकारों एवं पत्रकार के उत्थान के लिए कार्य किए थे।वे अत्यंत व्यावहारिक, पर्यावरण प्रेमी एवं समाजसेवी भी थे।उनके साथ मुझे पौधारोपण एवं समाजसेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ था। वे हमेशा सामाजिक हित मे मार्गदर्शन दिया करते थे।उनका स्नेह एवं आशीर्वाद भी मुझे हमेशा प्राप्त हुआ था। उन्होंने पत्रकारिता जीवन में समाज और राज्य की सेवा पुरी ईमानदारी से किए थे।उनकी यादें हमेशा मेरे मन मे जीवित रहेगी।ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

वही विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश ने कहा झारखंड राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरू शिबू सोरेन जी के निधन से देश मे शोक की लहर दौड़ गई है।

वे झारखंड राज्य के महान नेता एवं सभी समाज के मार्गदर्शक थे।उनके विचार,योगदान और संघर्षों को युगों यूंगो तक स्मरण किया जाएगा। उनकी आत्मा की शांति के लिए हम सभी ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में मुख्यरूप से भारत विभूषण डॉ. राजेंद्र कुमार हाजरा, लायन प्रेम शंकर मिश्रा, लायन अमित कुमार मिश्रा, लायन राजेश केडिया, लायन दीपक कुमार साहू, क्लब के लीगल एडवाइजर अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्यअवधेश कुमार शर्मा, संदीप राणा, पिंटु शर्मा, दीपक राणा कुमार आदि शामिल थे।

हिमालयन कॉन्क्लेव 2025 में जुटे 25 दिग्गज पर्वतारोही

संवाददाता रांचीः रांची के इतिहास में आज का दिन साहस, सेवा और संकल्प का प्रतीक बन गया। Ideate Inspire Ignite (i3) Foundation द्वारा आयोजित 'द हिमालयन कॉन्क्लेव 2025 (Everest Summit 3.0)' के मंच पर देश और दुनिया के 25 से अधिक पर्वतारोहियों ने ना सिर्फ़ अपने अद्वितीय अनुभव साझा किए, बल्कि जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण जैसे ज्वलंत विषयों पर सार्थक संवाद भी किया। i3 फाउंडेशन के संस्थापक राजीव गुप्ता ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा की "पर्वतारोही सिर्फ़ शिखर नहीं छूते, वे चेतना की ऊँचाइयाँ बनाते हैं। हिमालय की बर्फ़ीली चुप्पियों के भीतर वे उस जलवायु संकट की पुकार सुनते हैं, जिसे अब पूरी दुनिया को सुनना चाहिए।" 'द हिमालयन कॉन्क्लेव 2025' केवल एक पर्वतारोहण सम्मेलन नहीं था, बल्कि यह प्रकृति, प्रौद्योगिकी और प्रेरणा का संगम था। इस मंच ने झारखंड को नई पहचान दी – एक राज्य जो अब न केवल खनिजों से समृद्ध है, बल्कि चेतना और साहस से भी भरपूर है।

एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन की सूचना पर देह व्यापार में धकेली गई बच्ची को कराया मुक्त

द्वारका पुलिस ने एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन की सूचना पर जबरन देह व्यापार के दलदल में धकेली गई 16 साल की एक नाबालिग बच्ची को मुक्त कराया। बच्ची ने बताया कि उसे तकरीबन साल भर पहले इस धंधे में धकेल दिया गया जहां उसे हर रात 8 से 10 ग्राहकों को खुश करना पड़ता था। पुलिस ने मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और इस गिरोह में शामिल अन्य संदिग्धों के बारे में तहकीकात जारी है।

पीड़ित बच्ची ने बताया कि दर्द की शिकायत करने पर उसे दर्द निवारक गोलियां दी जाती थीं और फिर ग्राहकों के पास भेज दिया जाता था। इस काम के लिए उसे 500 रुपए दिए जाते थे लेकिन ये पैसे भी उसे कभी-कभार और मांगने पर ही मिलते थे। जब उसने खुद को छोड़ देने की विनती की तो ट्रैफिकिंग गिरोह के सदस्य उसे उसके रिकॉर्ड किए गए वीडियो दिखाकर धमकाते थे कि अगर उसने इस काम से मना करने या भागने की कोशिश की तो इसे सार्वजनिक कर दिया जाएगा। पीड़ित बच्ची को उसकी एक सहेली ने बहला-फुसला कर इस धंधे में धकेला था। सहेली ने बच्ची से कहा था कि वह उसे किसी ऐसे आदमी से मिलवाएगी जो रुपए-पैसे की उसकी सभी समस्याएं चुटकियों में दूर कर देगा। बच्ची ने बताया, "सहेली ने मुझे एक भईया से मिलवाया जिन्होंने मुझे ढेर सारे पैसे कमाने के सब्जबाग दिखाए। तब मुझे समझ में नहीं आया कि मुझे किस दलदल में धकेला जा रहा है। जैसे ही मुझे समझ में आया, मैंने इससे बाहर निकलने की कोशिश की। लेकिन उन लोगों ने चुपके से रिकॉर्ड किए गए वीडियो दिखाकर मुझे मुंह बंद रखने की धमकी दी। बच्ची ने बताया कि उसकी मां की साल भर पहले मौत हो गई थी। वह अपने पिता के साथ रहती है जिन्हें शराब पीने की लत है।

शिबू सोरेन को भारत रत्न मिले : कैलाश यादव

संवाददाता रांचीः प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने 20 वर्ष पूर्व तत्कालीन सीएम देशोम गुरु श्रद्धेय शिबू सोरेन के साथ अपना तस्वीर साझा कर भावुक पल को याद किया है। यादव ने कहा कि गुरुजी झारखंड के धरतीपुत्र माटी के लाल थे जल जंगल जमीन बचाने के लिए जीवंत काल तक संघर्ष त्याग और बलिदान देने वाले योद्धा के तौर पर आवाज उठते रहे। झारखंड के दबे कुचले गरीब वंचित आदिवासी समाज के हक अधिकार के लिए और साहूकारों के अत्याचार के खिलाफ जंगल के गांव से लेकर लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर संसद तक पहुंचाने में कामयाब रहे। झारखंड राज्य निर्माण के लिए वर्षों तक गुरुजी ने जन जन तक आंदोलन कर लोगों को जागरूक एवं एकजुट किया उसके उपरांत एक बड़े आंदोलनकारी जननेता के रूप में उभरे। बिहार से झारखंड राज्य बटवारा के लिए अनेकों आंदोलन किए संथाल और कोल्हान के लोगों को सड़क पर उतार कर चक्का जाम करना रेल रोको आंदोलन कर विधानसभा से लेकर संसद तक ठप करवाते रहे। उन्होंने जनता और लोकतंत्र को बताया कि मौलिक अधिकारों के लिए संघर्ष से बड़ा त्याग कुछ नहीं है अगर लक्ष्य को हासिल करना है तो संघर्ष त्याग बलिदान ही एक मात्र उद्देश्य होना चाहिए।

विदित हो कि राज्य निर्माण वर्ष 2000 से पूर्व जब केंद्र में श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी के नेतृत्व में NDA सरकार थी उस समय BJP /VHP/RSS के नेताओं ने दिल्ली बैठक के दौरान राज्य को वनांचल नाम तय किया था लेकिन गुरुजी शिबू सोरेन ने UPA नेताओं संग वनांचल नाम का जमकर विरोध किया था तत्पश्चात फिर झारखंड नाम पर सहमति बनी थी।

आदिवासी समाज के विकास के लिए अलग राज्य का मांग करने वाले जयपाल सिंह मुंडा, कार्तिक उरांव रामदयाल मुंडा जैसे अनेक बड़े नेताओं ने भी झारखंड नाम से राज्य बनाने की मांग करते रहे थे। लेकिन गुरुजी ने जंगल एवं सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समाज के रहन सहन खान पान के तौर तरीके को ध्यान में रखकर ही गुरुजी ने झारखंड नाम पर प्रस्ताव पास करवाने में सफल रहे तथा एक बड़े कद का राजनेता के रूप में जाने गए थे।

यादव ने कहा कि राजद से गुरुजी शिबू सोरेन का संबंध हमेशा मधुर और घनिष्ठ रहा। राजद अध्यक्ष लालू यादव के साथ गुरुजी धर्मनिरपेक्ष विचारधारा को हमेशा बढ़ावा दिया। उन्होंने कार्यकर्ता जनता जनार्दन को कभी निराश नहीं किया लोगों के दुख पीड़ित अवस्था में हमेशा साथ रहे।

यादव ने कहा कि गुरुजी से मिलने का मुझे बराबर अवसर मिलते रहा उनके जन्मदिन के मौके पर बधाई देने और आशीर्वाद लेने का सौभाग्य प्राप्त होते रहा।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न प्रदान किया जाएः विजय शंकर नायक

संवाददाता रांचीः दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न प्रदान करने, उनके मोराबादी आवास को संग्रहालय बनाने, और झारखंड के शैक्षणिक पाठ्यक्रम में उनके जीवन परिचय को शामिल किया जाय। उपरोक्त बाते राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, झारखंड को अनुरोध पत्र भेजकर केंद्रीय उपाध्यक्ष, आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच विजय शंकर नायक ने कही इन्होने यह भी कहा कि मैं, विजय शंकर नायक, आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष के रूप में, आदिवासी समुदाय और झारखंड के लाखों लोगों की भावनाओं को व्यक्त करते हुए यह पत्र लिख रहा हूँ। यह पत्र झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, और आदिवासी आंदोलन के प्रतीक, दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी के प्रति सम्मान और उनकी विरासत को संरक्षित करने के लिए है। नायक ने आगे कहा कि शिबू सोरेन जी ने अपने जीवनकाल में आदिवासी समुदाय के अधिकारों, सामाजिक न्याय, और झारखंड राज्य के गठन के लिए अतुलनीय संघर्ष किया। उनके योगदान ने न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश में आदिवासी पहचान को सशक्त बनाया।

श्री श्री विश्वविद्यालय परिसर में मेगा आयुर्वेद सम्मेलन 'चरकायतन' सम्पन्न

संवाददाता रांचीः ओड़िशा के कटकस्थित श्री श्री विश्वविद्यालय परिसर में सप्ताहभर चले अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद कार्यक्रम चरकायतन का समापन समारोह भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में लगभग 150 से अधिक विद्यार्थी और प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। इसका मूल उद्देश्य आयुर्वेद के पुनर्जागरण को प्रोत्साहित करना था। दुनिया भर में योग की तरह, चरक संहिता के अनुसरण में आयुर्वेद को कैसे लोकप्रिय बनाया जा सकता है, इस विषय पर देशभर से आए आयुर्वेद विशेषज्ञों ने विस्तृत चर्चा की। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के तत्वावधान में, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ के सहयोग से आयोजित इस चरकायतन सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ की कार्यक्रम निर्देशक डॉ. रिया गोयल ने वर्तमान समय में इसका महत्व और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। विद्यापीठ के आचार्य प्रोफेसर उपेन्द्र दीक्षित और प्रोफेसर संजय काटिमाटी ने चरकायतन आयोजन के संदर्भ को विस्तार से बताया। समापन उत्सव में श्री श्री विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. तेजप्रताप ने आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार हेतु सतत कार्य करने के लिए कर्मिक निर्देशक स्वामी सत्यचैतन्य, कार्यकारी कुलसचिव प्रो. अनिल शर्मा और विभागीय डीन डॉ. प्रदीप पंडा को सम्मानित किया। इसी तरह डिप्टी डीन प्रो. दुर्गाप्रसाद दाश, वैद्य डॉ. उपेन्द्र दीक्षित, प्रोफेसर संजय काटिमाटी, डॉ. क्षीराब्दी, डॉ. अखिलेश कर, डॉ. लोपामुद्रा दास सहित अन्य विशेषज्ञों को भी सम्मानित किया गया। आयोजन समिति की ओर से डॉ. रिया गोयल, डॉ. हिमांशु कौशिक, डॉ. संग्राम भारद्वाज, श्री कुलदीप, डॉ. शिवप्रसाद महांति, डॉ. देवाशीष शतपथी, डॉ. देवीका श्रीनिवासन, डॉ. निखिल कौशिक, डॉ. सोनम अग्रवाल, डॉ. मोनिका तिवारी, प्रोफेसर आर. एन. शतपथी, प्रोफेसर रमाकांत रथ, प्रोफेसर अभय मिश्रा, डॉ. पल्लवी महांत, डॉ. रंजिता, डॉ. देवाशीष दास, डॉ. प्रियांशु त्रिपाठी, डॉ. सत्यसुंदर मित्र, डॉ. अक्षय कुमार, कौशिक कापुरिया, सौरभ बावेजा, गोपसुंदर बेहेरा, प्रीतम दास, देवप्रिय मित्र, आदित्य दलाई, श्यामसुंदर नायक, केदार बेहेरा और आकाश सामंतराय को भी सम्मानित किया गया।

बीआईटी मेसरा में गणितीय नवाचारों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

संवाददाता रांचीः बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (BIT), मेसरा के गणित विभाग द्वारा आगामी 8 से 10 अगस्त 2025 तक "नेशनल सिम्पोज़ियम ऑन मैथमैटिकल इनोवेशंस फॉर इंडस्ट्रियल एडवांसमेंट (NSMIIA 2025)" का आयोजन किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी देशभर के शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, औद्योगिक विशेषज्ञों और छात्रों को एक साझा मंच प्रदान करेगी। संगोष्ठी का उद्देश्य गणित के व्यावहारिक और नवाचारी उपयोगों के माध्यम से औद्योगिक समस्याओं का समाधान खोजना है। कार्यक्रम का केंद्रीय विषय यह है कि कैसे गणितीय मॉडलिंग, डेटा विश्लेषण, ऑप्टिमाइज़ेशन तकनीक, सिग्नल प्रोसेसिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं क्रिप्टोग्राफी जैसी विधियाँ औद्योगिक नवाचार में सहायक बन सकती हैं।

इस संगोष्ठी में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे कि आईआईटी, आईएसआई कोलकाता के साथ-साथ गूगल, थॉमसन रॉयटर्स, आईबीएम अनुसंधान जैसे अग्रणी उद्योगों से जुड़े विशेषज्ञ भी आमंत्रित वक्ता के रूप में शामिल होंगे। संगोष्ठी के अंतर्गत प्रमुख भाषण, तकनीकी सत्र, पैनल चर्चाएँ तथा शोध प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाएंगी।

संगोष्ठी का एक प्रमुख आकर्षण है "MATRIX" — एक छात्र नवाचार प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, जिसमें छात्रगण गणित आधारित औद्योगिक समाधान प्रस्तुत करेंगे। यह मंच युवा प्रतिभाओं को अपने विचारों को व्यावसायिक संदर्भ में व्यक्त करने का अवसर प्रदान करेगा।

इस आयोजन को Academic and Research Fund (ANRF), Jharkhand Science & Technology Innovation Council (JSCTI) एवं Institute Innovation Council (IIC), BIT मेसरा का सहयोग प्राप्त है। यह सहयोग इस बात का परिचायक है कि झारखंड राज्य नवाचार, अनुसंधान और अकादमिक-औद्योगिक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस आयोजन का संचालन डॉ. पायल दास (संयोजक) के नेतृत्व में हो रहा है, जिनका सहयोग डॉ. अनिंदिता बेरा एवं डॉ. पार्थ सारथी माझी (सह-संयोजक) कर रहे हैं। इनकी शैक्षणिक दृष्टि और मार्गदर्शन के अंतर्गत यह आयोजन ज्ञान और नवाचार के संगम का प्रतीक बनने की दिशा में अग्रसर है। सभी संस्थानों के शिक्षकों, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए पंजीकरण खुला है। BIT मेसरा एवं झारखंड के शासकीय वित्त पोषित संस्थानों से जुड़े प्रतिभागियों के लिए पंजीकरण निःशुल्क रहेगा, जिससे व्यापक सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

NSMIIA 2025 एक ऐसा मंच है, जो गणित को केवल अकादमिक विषय न मानते हुए, उसे औद्योगिक और सामाजिक विकास का सक्रिय उपकरण मानता है। यह आयोजन निःसंदेह झारखंड और देश के नवाचार तंत्र को नई दिशा देने का कार्य करेगा।

मेगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

रांचीः मंगलवार को अनुदीप फाउंडेशन, झारखंड द्वारा दिशा, मेगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन बरनवाल टेंट हाउस में किया गया। जिसमें 330 से भी अधिक अनुदीप द्वारा प्रशिक्षित अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में 16 कंपनियों ने work force हेतु साक्षात्कार लिया। जिसमें Tech Mahindra, Interactive AI, Bharat Finance, Genpact, HDFC Ergo, Nimbus, Ayuda, Airtel, Bank of Baroda,Quess corp इत्यादि प्रमुख थे। 202 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार उपरांत, वर्कफोर्स हेतु चयन किया गया। कार्यक्रम का संचालन अनुदीप फाउंडेशन, झारखंड के क्षेत्रीय प्रबंधक संजीव कुमार के दिग्दर्शन में किया गया जिसमें उनके टीम के अन्य सदस्य राकेश कुमार, धर्मवीर प्रसाद, इमरान, विपुल कुमार, शमीम अंसारी, मंगल कुमार, प्रमोद सिंह, खुशबू मिश्रा, अभिलाष कुमार, अक्षय रॉय, अंशु कुमार, प्रिंस मिश्रा, बिंदु कुमारी ,संदीप कुमार,अंगना रॉय, शिशुपाल चौधरी, इत्यादि भी शामिल रहे। कार्यक्रम का सह-संचालन अनुदीप फाउंडेशन, झारखंड के प्लेसमेंट मैनेजर रंजन कुमार सिंह ने किया।

संक्षिप्त खबरें...

एक टी एस पी सी नक्सली एक एके 47 एवं 83 जीवित कारतूस के साथ गिरफ्तार, भेजा गया जेल

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः जिला पुलिस कप्तान सुमीत कुमार अग्रवाल को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पिपरवार थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम खंधार पोस्ट बहेरा पिपरवार में एक व्यक्ति जिसका नाम मनोज तिग्गा उम्र 33 वर्ष पिता लिबनुस तिग्गा के घर में अवैध आग्नेयास्त्र छुपाकर रखा हुआ है जो कि टी एस पी सी उग्रवादी संगठन के सदस्य के द्वारा उसे मुहैया कराये जाने की की सूचना है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं गिरफ्तारी हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी टण्डवा प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया छापामारी दल के द्वारा बीते रात्री को ग्राम खंधार पोस्ट-बहेरा पिपरवार में छापामारी कर मनोज तिग्गा उम्र 33 वर्ष पिता-लिबनुस तिग्गा, ग्राम खंधार पोस्ट बहेरा थाना-पिपरवार जिला चतरा के पास से एके 47 हथियार की 7.62 एम एम का जीवित 83 कारतूस बरामद किया गया इस संदर्भ में पिपरवार थाना कांड सं संख्या 23/2025 दिनांक 05/08/2025 धारा 25(1-ए)/25 (1-बी)a/26/35 आर्म्स एक्ट एवं 17(i) (ii) सी एल ए एक्ट दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया। अग्रेतर कार्रवाई हेतु अनुसंधान एवं छापामारी की जा रही है। ए० के० 47 हथियार की 7.62 एम एम जीवित कारतूस 83 अदद् छापामारी दल के टीम में मुख्य रूप से अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी टण्डवा प्रभात रंजन बरवार, थाना प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक अभय कुमार पुलिस अवर निरीक्षक सुरेन्द्र उपाध्याय सहायक अवर निरीक्षक बसंत कुमार महतो आरक्षी 396 शभु यादव आरक्षी 1074 संतोष यादव व अन्य सशस्त्र बल शामिल थे।

सावन मास की अंतिम सोमवारी पर सहस्त्र शिविलिंग पर जलाभिषेक करने के लिए उमड़ी भीड़

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी (चतरा) पवित्र सावन मास के अंतिम सोमवारी के अवसर पर विभिन्न गांवों के हजारों शिव भक्तों ने कांवर लेकर जिले के प्रसिद्ध इटखोरी अंतर्गत ऐतिहासिक मां भद्रकाली मंदिर परिसर स्थित 1008 सहस्त्र शिवलिंग महादेव मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए पहुंचे। यहां पहुंचकर श्रद्धालुओं द्वारा मां भद्रकाली के मंदिर में माता रानी का पूजा-अर्चना किया गया। श्रावण मास की अंतिम सोमवारी के मौके श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ होने के कारण श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर सहस्त्र शिवलिंग महादेव मंदिर में जलाभिषेक करने के उपरांत माता भद्रकाली की पूजा-अर्चना की। अंतिम सोमवारी को लेकर देर रात से ही आसपास के विभिन्न गांवों से श्रद्धालु डीजे साउण्ड के साथ नाचते गाते कांवर के साथ माता भद्रकाली के दरबार पहुंचे और प्रातः काल ही नदी में डुबकी लगा कर सहस्त्र शिवलिंग का विधि विधान पूर्वक जलाभिषेक किया। श्रवण सोमवारी के मौके पर कई श्रद्धालुओं ने सहस्त्र शिवलिंग महादेव मंदिर में रूद्राभिषेक भी किया। अंतिम सोमवारी पर पितिज, परोरिया, परसौनी, करनी, पथरिया, बेला, मयुरहंड, दैहर एवं चौपारण थाना क्षेत्र से भारी संख्या में श्रद्धालु कांवर लेकर भद्रकाली मंदिर परिसर स्थित सहस्त्र शिवलिंग महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया। इस दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने के साथ सुरक्षा को लेकर इटखोरी थाने की पुलिस एवं मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य गण सक्रिय थे।

केनेलाइट होटल में संस्थापक स्वर्गीय मिथिलेश झा के जन्म दिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में 75 लोगों ने उत्साह पूर्वक किया रक्तदान

जमशेदपुर । मिथिलेश झा मेमोरियल फाउंडेशन एवं रेड क्रॉस सोसाइटी जमशेदपुर के संयुक्त तत्वाधान में केनेलाइट होटल में संस्थापक स्वर्गीय मिथिलेश झा की जन्म दिन के अवसर पर मंगलवार को एक दिवसीय मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । यह आयोजन उनके निधन के उपरान्त लगातार चौथी बार रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन आरक्षी उपाधीक्षक 2, सुनील चौधरी एवं उनकी धर्म पत्नी श्रीमती चौधरी एवं रेड क्रॉस सोसाइटी के मानद सचिव विजय कुमार सिंह तथा केनेलाइट होटल के निदेशक अमलेश झा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर एवं स्वर्गीय मिथिलेश झा के तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया गया । मौके पर उद्घाटनकर्ता उपाधीक्षक सुनील चौधरी ने कहा कि रक्तदान एक महादान है , रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है । रक्तदान से कई लोगों को जीवन दान मिलता है । उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति रक्तदान करते हैं वे अपने आप में पुण्य के भागी होते हैं । इस रक्तदान शिविर में उद्घाटनकर्ता सहित 75 लोगे ने उत्साह पूर्वक रक्तदान किया ।

टाटा स्टील को इंडियन सर्कुलर इकोनॉमी फोरम (ICEF) द्वारा प्रतिष्ठित एसीई (ACE) अवार्ड से सम्मानित किया गया

जमशेदपुर । टाटा स्टील को इंडियन सर्कुलर इकोनॉमी फोरम (ICEF) द्वारा "लार्ज एंटरप्राइज़" श्रेणी में एसीई (ACE) अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान टाटा स्टील के बड़े पैमाने पर औद्योगिक कार्यों में सर्कुलर इकोनॉमी के सिद्धांतों और सस्टेनेबल अभ्यासों को प्रभावशाली ढंग से अपनाने में उसके उत्कृष्ट नेतृत्व का प्रमाण है। आअआआअ131 जुलाई को गुरुग्राम, दिल्ली-एनसीआर में आयोजित समारोह के दौरान टाटा स्टील की ओर से यह पुरस्कार दीपंकर दासगुप्ता, एग्जीक्यूटिव-इन-चार्ज, इंडस्ट्रियल बाय-प्रोडक्ट्स मैनेजमेंट डिवीजन (आईबीएमडी), अमित रंजन, सीओएमएस, आईबीएमडी, अमित कुमार महतो, हेड-मार्केटिंग एंड बिज़नेस डेवलपमेंट, आईबीएमडी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने प्राप्त किया। लौह एवं इस्पात उद्योग में सस्टेनेबल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में योगदान देने के अपने प्रयासों के तहत टाटा स्टील इंडस्ट्रियल बाय प्रोडक्ट्स से मूल्य सृजन में अग्रणी भूमिका निभा रही है। आयरन मेकिंग की पूरी वैल्यू चेन में उत्पन्न होने वाले बाय प्रोडक्ट्स का प्रबंधन एक समर्पित प्रॉफिट सेंटर – इंडस्ट्रियल बाय-प्रोडक्ट मैनेजमेंट डिवीजन (आईबीएमडी) के माध्यम से किया जाता है, जो 'शून्य अपशिष्ट' लक्ष्य के साथ कार्य करता है। यह डिवीजन कंपनी की स्पष्ट रूप से परिभाषित पर्यावरणीय एवं सस्टेनेबिलिटी नीतियों तथा सर्कुलर इकोनॉमी के 3R सिद्धांतों पर आधारित है। टाटा समूह की "आलिंगना" पहल के तहत टाटा स्टील वर्ष 2045 तक नेट ज़ीरो लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। टाटा स्टील को सस्टेनेबल अभ्यासों को बढ़ावा देने और बड़े स्तर पर अपशिष्ट एवं बाय-प्रोडक्ट मैनेजमेंट में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए भी सराहा गया और मान्यता दी गई।

जिला भाजपा द्वारा हर घर तिरंगा तिरंगा यात्रा- 2025 को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा - भारतीय जनता पार्टी चतरा जिला द्वारा हर घर तिरंगा कार्यक्रम की सफलता को लेकर दिनांक 5 अगस्त 2025 मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी चतरा जिला कार्यालय में जिला स्तरीय एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य रूप से जिला भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रीतम ,पिछड़ी जाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव, भाजपा चतरा जिला प्रभारी विनय जायसवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

आयोजित कार्यशाला में भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के सम्मानित पदाधिकारी,सम्मानित प्रदेश कार्य समिति सदस्य,भाजपा चत रा जिला के सम्मानित जिला पदाधिकारी गण, पूर्व जिला अध्यक्ष, मोर्चा प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चा जिला अध्यक्ष,जिला महामंत्री गण, मंडल अध्यक्ष, मंडल टोली के संयोजक,सहसंयोजक सम्मिलित हुए। इस आयोजित कार्यशाला में सर्वसम्मति से हर घर तिरंगा तिरंगा यात्रा 2025 को सफल बनाने का संकल्प लिया गया।

मचिडीह स्कूल में इनर व्हील क्लब जमशेदपुर ईस्ट द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जमशेदपुर । इनर व्हील क्लब ऑफ जमशेदपुर ईस्ट द्वारा पोटका प्रखंड के सरकारी प्राथमिक विद्यालय, मचिडीह में एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों और माताओं को स्वच्छता, सुरक्षा एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक किया गया। हैंडवॉश डेमो, नाखून जांच और "गुड टच–बैड टच" जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. मीना मुखर्जी, श्रीमती संचितादे, पूर्व अध्यक्ष सोनाली महांती और श्रीमती विनिता द्वारा किया गया। लगभग 70 लाभार्थियों को इस कार्यक्रम से लाभ मिला। गांव के प्रतिनिधियों ने इस प्रयास की सराहना की और भविष्य में ऐसे और कार्यक्रमों की अपेक्षा जताई।

भद्रकाली सेवा संस्था ने श्रावण मास की अंतिम सोमवारी के अवसर पर कराया विशाल भंडारा और जागरण

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी (चतरा) पावन श्रावण मास के अंतिम सोमवारी के अवसर पर माँ भद्रकाली सेवा संस्था द्वारा आयोजित विशाल भंडारे और भक्ति जागरण ने श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया। दिनभर चले इस धार्मिक आयोजन में हजारों लोगों ने अपनी सहभागिता निभाई और संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तिरस में सराबोर रहा। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि इसमें चतरा सांसद के सुपुत्र नीतीश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उनके साथ मंच पर विनय कुमार सिंह (सांसद प्रतिनिधि), डॉ. मृत्युंजय सिंह (जिला महामंत्री), देवकुमार सिंह (प्रखंड अध्यक्ष), कमलेश सिंह (युवा मोर्चा अध्यक्ष) समेत कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और भारतीय जनता पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। नीतीश कुमार ने संस्था की निःस्वार्थ सेवा की सराहना करते हुए कहा सावन भर इस संस्था ने श्रद्धालुओं की जिस प्रकार सेवा की है, वह समाज के लिए मिसाल है। ऐसी पहल से लोगों में सकारात्मक संदेश जाता है। इस आयोजन को सफल बनाने में संस्था अध्यक्ष सूरज सिंह, उपाध्यक्ष आदित्य पासवान, कोषाध्यक्ष धीरज चंद्रवंशी, सचिव निर्भय पांडेय सहित पुनीत चौरसिया, दीपक गिरी, कुंदन पासवान, शिवम सिंह, पारस शर्मा, सुजीत सिंह और अभिषेक सिंह का सराहनीय योगदान रहा। बताया गया कि पूरे सावन माह के दौरान संस्था ने कांवरियों के लिए निःशुल्क भोजन, विश्राम आश्रय और प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था की। जिसे स्थानीय लोगों से लेकर दूर-दराज से आए भक्तों ने खूब सराहा। संस्था के कार्यों की लगातार चर्चा हो रही है और स्थानीय युवाओं की यह टोली अपने सेवा भाव के कारण जनमानस में अपनी एक अलग पहचान बना रही है।

ओरमांझी में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पार्थिक शरीर को सैकड़ो लोगों ने दी श्रद्धांजलि

झारखंड के लोग शिबू सोरेन के बलिदान और योगदान को कभी नहीं भूल पाएंगेःरामटहल चौधरी

ओरमांझी(मोहसीन आलम): ओरमांझी के लाल बहादुर शास्त्री चौक के समीप मंगलवार को सैकड़ो लोगों ने पूर्व सांसद रामटहल चौधरी के नेतृत्व में झारखंड के जननायक,झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक,सह पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पार्थिक शरीर को नम आँखो से श्रद्धांजलि दी।रांची से नेमरा गुरु जी के पार्थिक शरीर को ले जाने के क्रम में जैसे ही ओरमांझी ब्लॉक चौक शव गाड़ी पहुंचा तो लोग जोर जोर से नारा लगाते हुए कह रहे थे वीर शिबू सोरेन अमर रहे जब तक चांद सूरज रहेगा तब तक गुरु जी तेरा नाम रहेगा,हर कोई शिबू सोरेन के जाने के गम में दुखी दिख रहे थे,चाहे वह झामुमो के कार्यकर्त्ता हो चाहे कांग्रेस या भाजपा के.इस अवसर पर पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा की झारखंड के लोग शिबू सोरेन के बलिदान और योगदान को कभी नहीं भूल पाएंगे,उन्होंने अलग राज्य के लिए काफी महत्वपूर्ण योगदान दिया,जिनकी बदौलत आज हमें झारखंड मिला है.वहीं पूर्व प्रमुख मुंतजिर अहमद रजा ने कहा कि गुरु जी के जीवन से लोगों को प्रेरणा लेना चाहिए,उन्होंने अन्याय के विरुद्ध हमेशा संघर्ष किया,उन्हें भारत रत्न से सरकार सम्मानित करें,जय गोविंद साहू ने कहा कि जल जंगल जमीन की लड़ाई लड़कर गुरूजी ने अलग राज्य दिलाया, इंडियन पब्लिक स्कूल चंदवे के चेयरमेन मुजीब अली ने कहा कि शिबू सोरेन झारखण्ड के गरीब गुरबा के मसीहा व जनजायक थे.अब्दुल कुदुश अंसारी ने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड के गांधी थे।शाकिर अंसारी ने कहा शिबू सोरेन झारखण्ड ही देश के कद्दावर नेता थे.इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य सरिता देवी,तुलसी खरवार,अमरनाथ चौधरी,रणधीर चौधरी, डॉक्टर पारस महतो, झामुमो नेता नागेश्वर महतो,जहुर अंसारी,हैदर अंसारी,हरिमोहन महतो,सफीउल्लाह अंसारी,नईम अंसारी,मुमताज आलम,रमेश उरांव,सहित अनेकों जनप्रतिनिधि समाजसेवी व आमजन मौजूद थे।

दरबार प्यारो लागे रे श्रृंगार प्यारो लागे रे.... जैसे भजनों पर झूम उठे श्रद्धालु

साकची बाजार शिव मंदिर में धूमधाम से मना जीण माता का सिंघारा व झूलन उत्सव

जमशेदपुर। शहर की धर्मिक संस्था श्री जीण माता परिवार जमशेदपुर द्वारा साकची बाजार स्थित श्री शिव मंदिर के दूसरे तल्ले पर मंगलवार को जीण माता का सिंघारा एवं झूलन उत्सव धूमधाम से मनाया गया। मुख्य यजमान रजनी-तुलसी खेमका ने पूजा करवायी और ज्योत प्रज्वलित की। श्याम बाबा मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित मूलचन्द शर्मा ने पूजा करायी। इस दौरान महिलाओं से भजनों की हाउजी करवाया गया और विजेताओं को पुरूस्कृत किया गया। स्थानीय कलाकार मनोज शर्मा मोनु ने मंगलपाठ का वाचन के साथ ही भजनों की शानदार प्रस्तुति दी। गणेश वंदना म्हारा प्यारा रे गजानन आईज्यो... से मां भवानी जीण शक्ति का मंगल पाठ समेत भजनों की अमृत वर्षा का शुभारंभ हुआ। माँ की महिमा का ऐसा भावपूर्ण और कर्णप्रिय गायन प्रस्तुत किया कि श्रोतागण देर तक भक्ति रस की गंगा में मग्न हो गए। भजन गायक मोनु ने दरबार प्यारो लागे रे श्रृंगार प्यारो लागे रे...., मेंहदी मंडवा ले मईया मेंहदी लाया राचनी..., सावन का महीना पवन करे शोर माता जी झुले भक्त झुलाये चीतचोर..., मैया जी थारा झूला शतरंगी...., जीण भवानी कुल धणियानी..., जीण मैया को ध्यावो रे बेड़ा पार करेगी..., करस्यां सिंधारा थारा मावड़ी..., किजो केसरी के लाल मेरा छोटा सा ये काम... दरबार अनोखा हैं मेरी मईया का... आदि पारंपरिक भक्ति गीतों पर महिलाओं ने खूब नृत्य किया। देर शाम तक महिलाएं भक्ति गीतों को स्मरण करती रहीं। कार्यकत्ताओं को मिला सम्मानः- उत्सव के दौरान जीण माता परिवार से जुड़े ऐसे आठ कार्यकत्ताओं को संस्था की तरफ से सम्मान दिया गया, जो हमेशा समाज एवं सेवा कार्य में लगे रहते हैं। सम्मान पाने वालों में क्रमशः सुनील देबूका, मनीष खन्ना, पवन शर्मा, आशीष खन्ना, अनंत अग्रवाल, जगदीश खेमका, देवेश चौधरी, अंकित अग्रवाल शामिल हैं। ये रहा आकर्षण का केन्द्रः- इस धार्मिक महोत्सव में श्री जीण मंगल पाठ, माता का भव्य श्रृंगार, अखंड ज्योत, माता जी का जन्मोत्सव, झूलन उत्सव, भजनों पर नृत्य एवं छप्पन भोग प्रसाद आकर्षण का केन्द्र बना रहा।

इनका रहा योगदानः- इसे सफल बनाने में प्रमुख रूप से संस्था के संस्थापक शंभू खन्ना, अध्यक्ष राजकुमार रिंगसिया, बिनोद खन्ना, विजय अग्रवाल, जितेन्द्र खेमका, प्रमोद अग्रवाल, गोपाल बेगराजका समेत जीण माता परिवार के सभी सदस्यगण शामिल थे।

10 मिनट लेट आने पर बच्चे से अपशब्द लिखवाया

बच्चे की मां ने बाल संरक्षण पदाधिकारी से की शिकायत, दो शिक्षिकाएं निलंबित

धनबाद : धनबाद के स्टेशन रोड स्थित संत मेरी स्कूल में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। चौथी कक्षा के एक छात्र को केवल 10 मिनट देरी से स्कूल पहुंचने पर शिक्षिकाओं ने अभद्र शब्द लिखने की सजा दी। बारिश के कारण देर से पहुंचे बच्चे को "मां और बहन" के लिए अपशब्द लिखने को कहा गया। जब बच्चे की कॉपी में 10 पेज भर अपशब्द देखे तो परिजन स्तब्ध रह गए। बच्चे की मां तुरंत स्कूल पहुंची, लेकिन तब तक स्कूल बंद हो चुका था और सभी शिक्षक जा चुके थे। स्कूल के गेट पर ही मां रोने लगी। उसे रोता देख बच्चा भी परेशान हो गया।

प्रिंसिपल को फोन करके मामले की जानकारी दी गई

आसपास के लोगों ने महिला को सांत्वना दी। प्रिंसिपल को फोन करके मामले की जानकारी दी गई। जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो महिला अपने बच्चे के साथ बाल संरक्षण पदाधिकारी के पास पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। स्कूल प्रबंधन ने शिकायत मिलने के बाद तुरंत प्रबंध कमेटी की बैठक बुलाई। जांच में पता चला कि बच्चे आपस में गाली दे रहे थे, जिस पर शिक्षिकाओं ने उन्हें सजा के रूप में वही गालियां लिखने को कहा। प्रबंधन ने इस प्रकार की सजा को पूरी तरह गलत बताया। उनका कहना था कि बच्चों को सजा देने के अन्य तरीके अपनाए जा सकते थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए इस प्रकरण में शामिल दो शिक्षिकाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

रंगदारी नहीं देने पर फल दुकानदार व उसके भाई पर जानलेवा हमला, केस दर्ज

धनबादः धनबाद के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र में रंगदारी मांगने का विरोध करने पर फल दुकानदार और उसके भाई पर चाकू व रॉड से जानलेवा हमला किया गया. दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना सोमवार रात की है. पीड़ित मोहम्मद जसीम खान ने बैंक मोड़ थाना में इसकी लिखित शिकायत की है. घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय दुकानदारों में आक्रोश फैल गया. दुकानदारों ने मंगलवार को सड़क पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन किया. आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की. धनबाद के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र में रंगदारी मांगने का विरोध करने पर फल दुकानदार और उसके भाई पर चाकू व रॉड से जानलेवा हमला किया गया. दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना सोमवार रात की है. पीड़ित मोहम्मद जसीम खान ने बैंक मोड़ थाना में इसकी लिखित शिकायत की है. घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय दुकानदारों में आक्रोश फैल गया. दुकानदारों ने मंगलवार को सड़क पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन किया. आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की.

डूरंड कप टूर्नामेंट में इंडियन आर्मी एफटी ने त्रिभुवन आर्मी एफसी को एकमात्र गोल से हराया

जमशेदपुर, 5 अगस्त 2025 : पी. क्रिस्टोफर कामेई के पहले हाफ में किए गए एकमात्र गोल की बदौलत इंडियन आर्मी एफटी ने त्रिभुवन आर्मी एफसी को 134वें इंडियनऑयल डूरंड कप के ग्रुप सी मुकाबले में 1-0 से हराया। यह मैच जमशेदपुर के जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेला गया। इस जीत के साथ इंडियन आर्मी ने टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की, जबकि त्रिभुवन आर्मी एफसी तीन मैचों में सिर्फ एक अंक हासिल कर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। 134वें इंडियनऑयल डूरंड कप के सभी 43 मुकाबलों का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क (सोनी टेन 2 एचडी) और सोनीलिव बओटीटी प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीम किए जा रहे हैं। इंडियन आर्मी एफ़टी के मुख्य कोच मनीष वाहि ने निलंबित सयद बिन अब्दुल कादिर की जगह गगनदीप सिंह को गोलकीपर के रूप में मैदान में उतारा। वहीं अभिषेक शंकर पवार और बांगदेन तामांग को शुभम राणा और समीर मुर्मू की जगह शुरुआती एकादश में शामिल किया गया। त्रिभुवन आर्मी एफसी के कोच मेघराज के.सी. ने भी अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में तीन बदलाव किए निरज चौधरी, अनिल चमजन और श्रीजन दानी को आविष्कार बड़का, जॉर्ज प्रिंस कार्की और निरंजन धामी की जगह शामिल किया।

त्रिभुवन आर्मी ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की, खेल की गति और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखते हुए पहला प्रमुख मौका बनाया, जिसे गगनदीप सिंह ने मिलेस्पी जंग कार्की के हेडर को बचाकर गोल से बाहर भेज दिया। इसके बाद इंडियन आर्मी ने गेंद पकड़नी शुरू की और गेंद पर नियंत्रण बनाते हुए मौके बनाए। 21वें मिनट में बांगदेन तामांग ने बाएं फर्नेक से क्रॉम देकर बॉक्स के किनारे बड़े पी. क्रिस्टोफर कामेई को पास दिया, जिन्होंने गेंद को बाएं पैर में नियंत्रित कर सटीक नो शॉट के साथ अनुभवी अंदाज़ में गेंद की गोलकीपर के पास से नेट में डाल दिया। नेपाल की टीम की मुश्किलें 29वें मिनट में तब बह गईं जब उनके गोलकीपर विकाश कुठ को लिटन भीम पर बॉक्स के बाहर खतरनाक टैकल करने पर गीधे रेड कार्ड के जरिए बाहर कर दिया गया। स्ट्राइकर शीन ने डिफेंस को पार कर लिया था और गोलकीपर को भी यकाया था। फाउल के बाद मिले फ्री किक पर क्रिस्टोफर कामेई का लॉट क्रॉसदार से टकरा गया। एक खिलाड़ी कम होने के बावजूद त्रिभुवन आर्मी एफसी ने दमदार खेल दिखाया और बराबरी का गोल करने के प्रयास जारी रखे। उनके फॉरवर्ड्स ने कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन इंडियन आर्मी की रक्षापंक्ति ने मजबूत डिफेंस किया और गमनदीप ने कुछ बेहतरीन बचाम किए, जिसमे पहले हाफ का स्कोर 1-0 पर ही रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत में इंडियन आर्मी ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन संख्या में बहुत का फायदा नहीं उठा सके क्योंकि त्रिभुवन आर्मी की डिफेंस ने डटकर मुकाचला किया और आक्रमण को बार-बार नाकाम किया। लिटन शील को गोन करने के तीन मौके मिले, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं सके। वहीं दूसरी ओर, काउंटर अटैक पर खेल रही नेपाली टीम को स्कोर बराबर करने का सुनहरा मौका मिला जब विकल्प खिलाड़ी डिसांता राई बाएं फ्लैंक से मिले कॉम को खुले गोल में नहीं डाल सके और शॉट चूक गए। इसके कुछ क्षण पहले, कसान गिलेस्पी कार्की का कॉर्नर से लगा हेडर क्रॉसबार में टकरा गया, जबकि गोलकीपर अपनी जगह में हिने भी नहीं। त्रिभुवन आर्मी हर काउंटर अटैक पर खतरनाक दिखी, लेकिन फिनिशिंग में कमी रही। आखिरकार, क्रिस्टोफर कामेई का पहला हाफ में किया गया गोल ही निर्णायक साबित हुआ और इंडियन आर्मी एफटी ने तीन अहम अंक हासिल कर टूनमिंट में जीत का खाता खोला।

ज्ञानोदय विकास स्कूल द्वारा किया गया बुढ़वा महादेव में भंडारा का आयोजन

बड़कागांव(हजारीबाग)। ज्ञानोदय विकास स्कूल की ओर से बुढ़वा महादेव परिसर में श्रावण माह के अंतिम सोमवारी के अवसर में भंडारे का आयोजन किया गया । जिसमें हजारों श्रद्धालुओं को प्रसाद ग्रहण कराया गया ।जिसकी शुरुआत बड़कागांव पश्चिमी पंचायत सह सह मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार ,विकास सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार ,सचिव बुद्धिनाथ महतो,ज्ञानोदय विकास स्कूल बड़कागांव के अध्यक्ष प्रवीण कुमार, सचिव सिकन्दर कुमार सोनी, कोषाध्यक्ष गणेश प्रसाद,प्रिंसिपल अरुण कुमार,प्रबंधन समिति सदस्य अमलेश कुमार,जयहिंद महतो, लालमणि महतो,शशि कुमार मेहता,संजय कुमार,विष्णु दयाल, के अलावा ज्ञानोदय विकास स्कूल के उप प्रधानाचार्य लालदेव महतो शिक्षक एवं शिक्षिकाये समेत कई लोग शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें...

स्कूल से दुल्हन की तरह विदा हुई टीचर

बेगूसराय. बेगूसराय में प्रमोशन के बाद स्कूल छोड़ रही महिला टीचर की दुल्हन की तरह विदाई की गई। अमिता कुमारी को दुल्हन की तरह सजाया गया। सिर पर लाल चुनरी भी उढ़ाई गई। साथी शिक्षकों ने गले में माला भी पहनाई। अमिता कुमारी ऐसे ही कुछ देर कुर्सी पर बैठीं। इस दौरान बच्चे और बाकी साथी उनसे बारी-बारी से मिलते रहे। थोड़ी देर बाद खोइछा भरकर दुल्हन की तरह ही कार में बैठाकर उन्हें स्कूल से विदा किया गया। इस दौरान साथी शिक्षक और छात्रों की आंखें नम थीं। दरअसल, बिहार सरकार के शिक्षा विभाग की ओर से प्रधान शिक्षक की नियुक्ति हुई है। इस प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर प्रधान शिक्षक बने हैं। ये अपने-अपने स्कूल में योगदान कर चुके हैं। अब उनके विदाई की प्रक्रिया चल रही है। जिसमें स्कूल की शिक्षक और बच्चे लंबे समय तक बेहतरीन काम करने वाले अपने शिक्षक-शिक्षिका को विभिन्न तरीके से विदाई दे रहे हैं। अमिता कुमारी भी दूसरे स्कूल में प्रधान शिक्षक बनकर जा रही थीं। उत्क्रमित मध्य विद्यालय कैलाशपुर से महिला टीचर की विदाई का वीडियो भी सामने आया है। अमिता कुमारी इस स्कूल में 13 सालों से पढ़ा रही थीं। उनकी नियुक्ति प्रधान शिक्षक के पद पर हो गई, तो उनकी विदाई शिक्षक की तरह नहीं, बल्कि बेटी की तरह की गई। वीडियो में दिख रहा है कि नए कपड़े में दुल्हन की तरह सजी अमिता कुमारी कुर्सी पर बैठी है। स्कूल की शिक्षिकाएं उन्हें बेटी की विदाई की तरह पहले खोंइछा देती है। फिर अक्षत, हल्दी और दूब से बेटी की विदाई की तरह रस्म किया जाता है। जिसका वीडियो स्थानीय लोग बना रहे थे और अब वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। जब उन्हें गाड़ी में बैठाकर विदा किया जा रहा था तो उस समय सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं की आंख से आंसू निकल पड़े। बच्चे भी अपने आंसू नहीं रोक पाए। उत्क्रमित मध्य स्कूल कैलाशपुर में पदस्थापित शिक्षक राजहंस कुमार बीपीएससी से चयनित प्राथमिक विद्यालय खोटाटिकुल मुंगेर और शिक्षिका अमिता कुमारी जीपीएस नारेपुर चट्टी बछवाड़ा के प्रधान शिक्षक बने। उन्हें भी आज स्कूल से विदाई दी गई। विदाई समारोह में बच्चों ने भावुक होकर अलविदा कहा। पहले स्कूल के प्रधानाध्यापक कृष्ण दास ने दोनों शिक्षक और शिक्षिका को स्कूल की ओर से कपड़े, चादर, डायरी, बुके, पैन और माला देकर विदाई दी। महिला शिक्षकों ने बेटी की तरह विदाई की रस्म पूरी की।

1.5 साल की बच्ची पानी भरे गड्ढे में डूबी, मौत: बांका में खेलते समय सड़क किनारे गड्ढे में गिरी

बांका. बांका के रजौन थाना क्षेत्र के कैथा गांव में मंगलवार शाम एक दर्दनाक घटना में 1.5 साल की बच्ची की पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। मृतका की पहचान मिथिलेश दास की बेटी प्रेमलता कुमारी के रूप में हुई है। घटना तब हुई जब प्रेमलता घर के पास खेल रही थी। कुछ देर बाद जब परिजनों ने उसे आसपास नहीं देखा तो पहले आवाज लगाकर पुकारा। जवाब नहीं मिलने पर परिजन उसे खोजने लगे। काफी देर बाद सड़क किनारे एक पानी भरे गड्ढे में बच्ची डूबी हुई मिली। परिजनों ने तुरंत बच्ची को बाहर निकाला और रजौन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल परिसर में ही माता-पिता अपनी मासूम बच्ची के शव से लिपटकर फूट-फूटकर रोने लगे। यह दृश्य देखकर मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही रजौन थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बांका सदर अस्पताल भेज दिया। थाना अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने बताया कि पानी भरे गड्ढे में डूबने से बच्ची की मौत हुई है।शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के बाद गांव में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बारिश के कारण सड़क किनारे बने गड्ढे में काफी पानी भर गया था, जिसमें डूबने से बच्ची की मौत हो गई।

7 महीने बाद जेल से बाहर आएंगे बाहुबली अनंत सिंह

पटना. मोकामा शूटआउट केस में जेल में बंद पूर्व विधायक अनंत सिंह को मंगलवार को पटना हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी है। अब वो विधानसभा चुनाव से पहले जेल से बाहर आ सकते हैं। हाईकोर्ट ने कहा- 'मौजूदा साक्ष्यों और केस डायरी की समीक्षा के बाद यह पाया गया कि आरोपी को जमानत दी जा सकती है।' कोर्ट ने उन्हें कुछ शर्तों के साथ जमानत दी है। जैसे अनंत सिंह को नियमित न्यायिक प्रक्रिया में उपस्थित रहना होगा और किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों से दूर रहना होगा। फायरिंग के वायरल वीडियो के आधार पर मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह पर आर्म्स एक्ट, हत्या की कोशिश, सरकारी काम में बाधा डालने और मारपीट जैसी धाराओं में केस दर्ज किया गया था। अनंत सिंह के करीबी रवि विद्यार्थी ने बताया, 'कुछ दिनों पहले ही एक केस में जमानत मिली थी। आज HC से पचमहला फायरिंग में बेल मिली है। कोर्ट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही अनंत सिंह बाहर आ जाएंगे। अनंत सिंह के पैतृक गांव नदावां में जश्न का माहौल है। अनंत सिंह के आवास पर पटाखे फोड़े गए।' बाढ़ में समर्थकों ने एक दूसरे को मिठाइयां बांटी हैं। साथ ही आतिशबाजी की है। इस दौरान करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष राणा बिजय सिंह और दर्जनों लोग मौजूद रहे।

एयर फोर्स विंग कमांडर के घर 26 लाख की डकैती

पटना. पटना में एयर फोर्स के विंग कमांडर आलोक रंजन के घर में सोमवार रात डकैती हुई है। 8 डकैतों ने घर से 18 लाख के गहने और 8 लाख रुपए कैश पर हाथ साफ किया है। दरअसल, सोमवार रात 8 डकैत खिड़की का नट खोलकर घर में घुस आए। डकैत घर में घुसकर गोदरेज और बक्सा तोड़कर गहने और कैश निकालकर ले गए। वहीं, फ्रिज के अलार्म बजने के बाद घर के लोगों की नींद खुली। इस बीच डकैत कमरे का दरवाजा बाहर से लॉक कर फरार हो गए। घटना पटना सिटी के मालसलामी थाना क्षेत्र के छोटकी नगला मोहल्ले की है। विंग कमांडर आलोक रंजन के भाई अमित रंजन ने बताया, 'मेरे भाई विंग कमांडर हैं। वो तमिलनाडु में पोस्टेड हैं। सोमवार की रात जो उनके पुश्तैनी मकान आदर्श नगर में वो अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ सो रहे थे। इस बीच घर के खिड़की का नट खोलकर लगभग 8 की संख्या में डकैत घर में घुस आए।' 'फ्रिज खोलने के दौरान अलार्म बजने से परिवार के लोगों की नींद खुली। जब उन्होंने अपना कमरा खोलना चाहा तो बाहर से कमरे को लॉक कर दिया गया था। CCTV फुटेज देखने से पता चला कि लगभग 8 की संख्या में चोर घर में घुसे थे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी।'

पटना में सड़क हादसे में दो कांवरियों की मौत

पटना. पटना के बैरिया बस स्टैंड के पास सड़क हादसे में दो कांवरियों नीरज कुमार (25) और बबलू कुमार (26) की मौत हो गई है, जबकि दो युवक विकास कुमार और बैजू कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने तुरंत चारों घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि गौरीचक थाना क्षेत्र के चिपुरा गांव के चार युवक मंगलवार की सुबह एक बाइक पर सवार होकर पटना के गायघाट जल लाने के लिए निकले थे। जैसे ही बैरिया बस स्टैंड के कुछ आगे बढ़े थे। इसी क्रम में सामने से आ रही एक हाईवा ट्रक से उनकी टक्कर हो गई। बाइक सवार चारों युवक हाईवा की चपेट में आ गए। सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इस बीच दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि दो घायल को इलाज के लिए पास के नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। गोपालपुर थानेदार चंदन ठाकुर ने मौत की पुष्टि की है। वहीं घटना से नाराज लोग सड़क पर आगजनी कर प्रदर्शन कर रहे हैं। लगभग डेढ़ किलोमीटर से भी अधिक लंबा जाम लग गया है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

चुनाव से पहले नीतीश की नालंदा को सौगात... राजगीर फोरलेन का शिलान्यास, आरओबी का उद्घाटन

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले अपने गृह जिले नालंदा को नए फोरलेन समेत अन्य परियोजना की सौगात दी है। सीएम नीतीश ने गुरुवार को राजगीर में नए फोरलेन के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। साथ ही एनएच 82 पर नवनिर्मित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का लोकार्पण कर इसे आम जनता के लिए शुरू कर दिया। सीएम ने राजगीर में इस महीने होने वाली एशिया रग्बी अंडर-2- सेवन्स चैंपियनशिप और एशिया कप पुरुष हॉकी चैंपियनशिप की तैयारियों का भी निरीक्षण किया। ये प्रतियोगिताएं 9 और 10 अगस्त को आयोजित होने वाली हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को हेलिकॉप्टर से राजगीर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मंत्री विजय कुमार चौधरी भी मौजूद रहे। सीएम नीतीश ने नेशनल हाइवे पर 81 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से निर्मित ओवरब्रिज का उद्घाटन किया। इस ओवरब्रिज के शुरू होने से राजगीर में यातायात जाम की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है तथा लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। इसके बाद नीतीश ने सलेमपुर-नूरसराय-अहियापुर-सिलाव होते हुए राजगीर तक फोरलेन हाइवे की आधारशिला रखी। यह परियोजना 862 करोड़ 63 लाख रुपये की लागत से विकसित की जा रही है। प्रस्तावित फोरलेन हाइवे बौद्ध सर्किट को सीधे जोड़ने का कार्य करेगा, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। मंत्री श्रवण कुमार ने इस अवसर पर कहा, "आज विकास की श्रृंखला में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक और महत्वपूर्ण कड़ी जोड़ी है। इस परियोजना से पटना से राजगीर की दूरी तय करने में समय की बचत होगी और आमजन को बेहतर सुविधा मिलेगी।" बता दें कि बिहार में आगामी महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले नीतीश सरकार विभिन्न विकास परियोजनाओं का तेजी से उद्घाटन और शिलान्यास करने में लगी है।

85% सीटों पर डोमिसाइल, बाहरी के लिए 15% सीटें

अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने जानकारी देते हुए बताया, 'अब बिहार में शिक्षा विभाग की नौकरियों में उन्हीं उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी।''जिन्होंने मैट्रिक और इंटर बिहार बोर्ड या राज्य स्थित किसी भी बोर्ड से पास किया हो। इस नियम के तहत उम्मीदवार बिहार के मूल निवासी हों या न हों, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।'मुख्यमंत्री ने पहले ही 4 अगस्त को इस नीति के लागू होने की घोषणा कर दी थी, जिसे अब कैबिनेट की मंजूरी भी मिल चुकी है।

क्या होगा असर?

कुल 85% सीटें बिहार से इंटर और मैट्रिक पास कैंडिडेट के लिए रिजर्व रहेगी। बाहर के उम्मीदवारों के लिए केवल 15% सीटें ही उपलब्ध रहेंगी।

40% सीटें बिहार बोर्ड पास अभ्यर्थियों के लिए।

35% आरक्षण महिलाओं के लिए पहले से लागू है।

10% आरक्षण EWS (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के लिए।

दिवाली-छठ पर बिहार आना होगा आसान

देश के तमाम राज्यों से दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ समेत अन्य त्योहारों पर बिहार आने वाले लोगों को सुविधा देने के लिए पीपीपी मोड पर अंतरराज्यीय बस परिवहन कराया जाएगा। जिससे त्योहारों पर लोगों को अपने घर आने के लिए दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। मंगलवार को नीतीश कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लग गई है। इसके लिए बिहार राज्य पथ परिवहन निगम और निजी बस ऑपरेटरों से बस परिचालन के लिए 5 वर्ष के लिए एकारनामा किया जाएगा। पांच वर्षों के लिए 35 करोड़ 64 लाख रुपये और योजना के सुचारू रूप से संचालन के लिए आकस्मिकता मद में योजना लागत 2 प्रतिशत यानी 71 लाख 28 हजार रुपये समेत 36 करोड़ 35 लाख 28 हजार रुपये व्यय किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 7 करोड़ 27 लाख 6 हजार रुपये का व्यय बिहार आकस्मिक निधि से किया जाएगा। जिसके तहत निजी बस ऑपरेटरों को पीक सीजन में प्रति सीट 150 रुपये और ऑफ सीजन में 300 रुपये प्रति सीट प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

बिहार में सैटेलाइट टाउन बनेंगे, ग्रेटर पटना का विकास होगा

बिहार में लैंड पुलिंग पॉलिसी लाई गई है। इसके तहत राज्य भर के शहरों में लैंड पूल के आधार पर सैटेलाइट टाउनशिप विकसित की जाएगी। नई नीति में यह तय किया गया है कि जमीन के कितने हिस्से में सड़क होगी, कितने में पार्क, मैदान और खेल मैदान होंगे, और कितने भाग में आवासीय निर्माण कराए जा सकेंगे। नीतीश कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को लैंड पुलिंग पॉलिसी को मंजूरी दी गई। नगर विकास मंत्री जीवेश कुमार ने कहा कि बिहार में पहली बार लैंड पुलिंग पालिसी लाई गई है। इसके तहत प्रमंडलीय शहरों में सैटेलाइट टाउनशिप विकसित होगी। जमीन विकसित करके 55 फीसदी जमीन भूस्वामी को लौटा दी जाएगी। वहीं, 22 प्रतिशत भूमि को सड़क के लिए रिजर्व रखा जाएगा। इसके अलावा 3 प्रतिशत जमीन कमजोर वर्ग के आवास के लिए, 5 फीसदी पार्क एवं अन्य सार्वजनिक संरचना के लिए होगा। मंत्री ने बताया कि इस नीति के तहत टाउनशिप में सरकार 15 प्रतिशत जमीन अपने पास रखेगी। उन्होंने कहा कि इससे आने वाले दिनों में ग्रेटर पटना के सुनियोजित विकास में मदद मिलेगी। पटना शहर का विस्तारीकरण करने के लिए एक प्राधिकरण के तहत ग्रेटर पटना शहर को विकसित किया जाना है। सरकार की ओर से इस साल की शुरुआत में सामने आई जानकारी के अनुसार पटना के 4 अनुमंडलों के 14 प्रखंडों को शामिल किया जाएगा। इनमें पटना सदर, संपतचक, फुलवारीशरीफ, फतुहा, दनियावां, खुसरुपुर, मसौढ़ी, पुनपुन, धनरूआ, दानापुर, मनेर, बिहटा, नौबतपुर और बिक्रम शामिल हैं। यहां पर साल 2050 तक की आबादी की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए टाउनशिप समेत अन्य संरचनाएं विकसित की जाएंगी।

बिहार डोमिसाइल : निवास प्रमाण पत्र नहीं चलेगा

पटना. बिहार शिक्षक बहाली में डोमिसाइल नीति लागू हो गई है। बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षाओं में अब बिहार के स्थानीय युवाओं को 84.4 प्रतिशत यानी लगभग 85 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार, 5 अगस्त को हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई। इस साल होने वाली चौथे चरण की बीपीएससी शिक्षक बहाली (बीपीएससी TRE 4) में डोमिसाइल लागू हो जाएगा। हालांकि, बिहार के अभ्यर्थियों को इसका लाभ उठाने के लिए आवेदन के समय आवश्यक दस्तावेज जमा कराने होंगे। गौर करने वाली बात यह है कि इसके लिए निवास प्रमाण पत्र मान्य नहीं होगा। यानी कि आवासीय प्रमाण पत्र दिखाकर शिक्षक बहाली में डोमिसाइल का लाभ नहीं उठाया जा सकेगा। इसके लिए अभ्यर्थियों को एक अलग दस्तावेज देना होगा। कैबिनेट विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने मंगलवार को नीतीश मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में बिहार शिक्षक भर्ती में डोमिसाइल नीति पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन छात्र-छात्राओं ने बिहार में रहकर मैट्रिक या इंटर की पढ़ाई की है, उन्हें ही डोमिसाइल नीति का लाभ मिलेगा। इसका सत्यापन डोमिसाइल सर्टिफिकेट से नहीं बल्कि 10वीं या 12वीं की मार्कशीट अथवा सर्टिफिकेट से किया जाएगा। यानी कि जिन अभ्यर्थियों की 10वीं या 12वीं की परीक्षा बिहार बोर्ड या राज्य के ही किसी सीबीएसई जैसे अन्य बोर्ड के स्कूल में रहकर दी है, तो ही उन्हें शिक्षक बहाली में डोमिसाइल का लाभ मिल पाएगा। अगर किसी अभ्यर्थी के पास बिहार का निवास प्रमाण पत्र है, लेकिन उसके मैट्रिक और इंटर पास का सर्टिफिकेट बिहार से बाहर का है, तो उसे डोमिसाइल का लाभ नहीं मिल पाएगा। बिहार में 50 प्रतिशत जो जातिगत आरक्षण और 10 प्रतिशत आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को आरक्षण मिलता है, उसमें डोमिसाइल पहले से लागू है। पिछले दिनों नीतीश सरकार ने महिलाओं को मिलने वाले 35 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण में भी पूर्ण डोमिसाइल लागू करने का ऐलान किया था। ताजा फैसले में सरकार ने जो अनारक्षित या सामान्य वर्ग के पद हैं उनमें भी 65 प्रतिशत आरक्षण लागू कर दिया है। यानी कि जातीय एवं ईडब्ल्यूएस आरक्षण के बाद 40 फीसदी पदों में दो तिहाई नौकरियां बिहार के सामान्य अथवा अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए रिजर्व कर दी गई हैं। इस तरह शिक्षक बहाली के कुल पदों में महज 15 फीसदी पद ही ऐसे बचेंगे जिनपर बिहार या दूसरे राज्यों के अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे।

बीपीएससी टीआरई 4 की तारीख सितंबर में होगी जारी

बिहार के सरकारी स्कूलों में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए बीपीएससी की ओर से चौथे चरण की टीचर बहाली परीक्षा (बीपीएससी टीआरई 4) का आयोजन इसी साल किया जाएगा। शिक्षा विभाग की ओर से सभी जिलों से स्कूलों में खाली शिक्षकों के पदों की जानकारी ली जा रही है। अभी तक कक्षा 9 से 12 तक विषयवार लगभग 25 हजार रिक्तियां मिली हैं। रोस्टर से रिक्तियां मिलने के बाद शिक्षा विभाग की ओर से बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) को अधियाचना भेजी जाएगी। संभावना है कि सितंबर 2025 के पहले सप्ताह में टीआरई-4 की तारीखें घोषित हो जाएंगी। बता दें कि पूर्व में हुईं तीन चरणों की बीपीएससी शिक्षक बहालियों में अनारक्षित पदों पर डोमिसाइल लागू नहीं था। इसके चलते यूपी और अन्य राज्यों के अभ्यर्थी बिहार में टीचर बन गए थे।

खगड़िया : 20 हजार रुपए घूस लेते रंगे हाथों पकड़ी गई महिला दरोगा और चौकीदार

खगड़िया. खगड़िया में पटना वीजिलेंस टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। मिली जानकारी के अनुसार टीम ने नगर थाना की महिला सब-इंस्पेक्टर सीमा कुमारी और चौकीदार वीरू पासवान को 20,000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दोनों पर एक बैंक लोन मामले में चार्जशीट दाखिल करने के लिए घूस मांगने का आरोप है। बताया कि मानसी के राजजान निवासी अनिल कुमार शाह की पत्नी ममता देवी ने यूनियन बैंक से जुड़े एक मामले में खगड़िया नगर थाना में केस दर्ज कराया था। इस केस की जांच कर रही एसआई सीमा कुमारी ने अनुसंधान और चार्जशीट दाखिल करने के लिए ममता देवी से 20,000 रुपए मांगे। इस रिश्वतखोरी में चौकीदार वीरू पासवान भी शामिल था। ममता देवी ने इसकी जानकारी अपने पति अनिल कुमार शाह को दी। अनिल शाह ने निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई।

पैसे लेते ही वीजिलेंस टीम ने पकड़ा

शिकायत पर निगरानी विभाग के डीएसपी अरुणोदय पांडे के नेतृत्व में एक टीम ने मामले का सत्यापन किया। सत्यापन में घूस की मांग सही पाई गई। इसके बाद टीम ने जाल बिछाया। मंगलवार को ममता देवी तयशुदा रकम लेकर नगर थाना पहुंची। जहां पहले से निगरानी की टीम पहले से ही घात लगाए बैठी थी। जैसे ही महिला एसआई और चौकीदार ने पैसे लिए, निगरानी टीम ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। डीएसपी अरुणोदय पांडे ने बताया कि अनिल कुमार शाह ने पहले 10,000 रुपए घूस मांगने की शिकायत की थी। लेकिन सत्यापन के बाद यह राशि 20,000 रुपए निकली। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए पटना ले जाया गया है। इस घटना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

देवर-भाभी हत्याकांड के आरोपी को उम्रकैद

बगहा. दो साल पहले बगहा के देवर-भाभी हत्याकांड में मंगलवार को जिला जज चतुर्थ मानवेंद्र मिश्र की कोर्ट ने सकलदेव यादव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही एक लाख का जुर्माना भी लगाया गया। जुर्माना नहीं देने पर 6 माह का अतिरिक्त कठोर कारावास की सजा भुगतनी होगी। कोर्ट ने दोनों पक्षों की ओर से पेश किए गए साक्ष्य, सबूत, गवाही को ध्यान में रखते हुए पाया कि सकलदेव यादव अमल उर्फ अमला यादव, कमल यादव तथा हीरा यादव ने मिलकर हत्याकांड को अंजाम दिया है। कोर्ट ने धारा 302, 120 बी, 34 के तहत दोषी पाया और सजा सुनाई। दो साल पहले बगहा के देवर-भाभी हत्याकांड में मंगलवार को जिला जज चतुर्थ मानवेंद्र मिश्र की कोर्ट ने सकलदेव यादव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही एक लाख का जुर्माना भी लगाया गया। जुर्माना नहीं देने पर 6 माह का अतिरिक्त कठोर कारावास की सजा भुगतनी होगी। कोर्ट ने दोनों पक्षों की ओर से पेश किए गए साक्ष्य, सबूत, गवाही को ध्यान में रखते हुए पाया कि सकलदेव यादव अमल उर्फ अमला यादव, कमल यादव तथा हीरा यादव ने मिलकर हत्याकांड को अंजाम दिया है। कोर्ट ने धारा 302, 120 बी, 34 के तहत दोषी पाया और सजा सुनाई। उच्च न्यायालय, पटना द्वारा क्रिमिनल मिसलेनियस संख्या 29489/2025 में 20 जून 2025 तक इस मामले के मूल वाद मे स्पीडी ट्रायल चलाकर निस्तारित करने का आदेश था।

मजदूर के खाते में आए 10 खरब रुपए:बोला- हमरे अकाउंट में 500 रुपया रहल

जमुई. जमुई के एक मजदूर के खाते में रातों-रात 10 खरब 1 करोड़ 35 लाख 6000 रुपए आ गए। जैसे ही उसने अपना मोबाइल देखा, उसके होश उड़ गए। टेनी मांझी ने बताया कि 'मैं जयपुर में प्लंबर का काम करता हूं। बुधवार की सुबह पिता जी को दवा के लिए पैसे भेजने थे। मैंने मोबाइल उठाया। एक दिन पहले कुछ पैसे खर्च किए थे तो पहले बैलेंस चेक किया।' 'देखा तो अकाउंट में इतने पैसे थे कि स्क्रीन पर नंबर्स भी पूरे नहीं आ रहे थे। मुझे तो इतनी गिनती भी नहीं आती जिसने पैसे मेरे अकाउंट में थे। पहले मैं इसे सपना समझ रहा था। थोड़ी देर बात समझा आया कि ये सच में मेरा ही अकाउंट है।' 'मैंने सबसे पहले घर वालों को फोन किया उन्हें बताया कि अकाउंट में बहुत सारे पैसे आए हैं। मैं बैंक जा रहा हूं। इसके बाद पिता जी की दवाई के पैसे डालता हूं।' इधर, टेनी के गांव में खबर लगते ही उसके घर टाउन थाना क्षेत्र के अचहरी गांव में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

टेनी मांझी ने अपने अकाउंट में खरब रुपए देख कहा, 'हमरे अकाउंट में त 500 रुपया रहल, अब ई का देखाइत बा, समझिए में नइखे आ रहल।'

पैसे निकालने गया तो अकाउंट फ्रीज हो गया

टेनी मांझी ने बताया कि 'जब मैंने अपने अकाउंट में इतने रुपए देखे तो इसे निकालने की कोशिश करने लगा। लेकिन 10 सेकेंड के अंदर ही बैंक ने खाते को फ्रीज कर दिया। अब मैं अपने पिता को भी पैसे नहीं भेज पा रहा हूं। मेरे अकाउंट में 500 रुपए थे, वो भी नहीं निकल रहे हैं। समझ में नहीं आ रहा है कि इतने पैसे मेरे खाते में आए कैसे और किसने भेजे।' टेनी मांझी ने बताया- 'मैंने यह खाता 5 साल पहले मुंबई में मजदूरी करने के दौरान खुलवाया था। फिलहाल, मैं जयपुर में रहकर प्लंबर का काम करता हूं।' टेनी के पिता कालेश्वर मांझी ने बताया कि 'सुबह में मेरे बेटे ने मुझे कॉल कर कहा कि मेरे अकाउंट में बहुत पैसे आए हैं। हम पढ़े-लिखे नहीं हैं। इस कारण से हम लोग पैसा नहीं गिन पाए। मेरे बेटे को भी इतनी गिनती नहीं आ रही है।' 'सुबह में वो उठा और मेरे अकाउंट में पैसे भेजने के लिए फोन उठाया। मुझे दवाई चाहिए था इसलिए वो पैसे भेज रहा था। लेकिन जैसे ही उसने फोन उठाया, देखा की बहुत सारा पैसा उसके अकाउंट में आ गया है। इसके बाद वो मुझे फोन कर सारी जानकारी दी।' 'मेरा घर मिट्टी का बना हुआ है। सरकार की तरफ से कोई मदद नहीं मिली है। हालांकि, गैस मुझे मिला है, जिसमें पूरा परिवार खाना बनाता है।'

बिहार में नया मोर्चा; टीम तेज प्रताप का वीवीआईपी से गठबंधन, आरजेडी को भी न्यौता

पटना. बिहार चुनाव से पहले एक और नया मोर्चा तैयार हो गया है। टीम तेज प्रताप और प्रदीप निषाद की विकास वंचित इंसान पार्टी (वीवीआईपी) का गठबंधन हो गया है। जिसकी घोषणा खुद तेज प्रताप यादव की है। पटना के मौर्या होटल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होने गठबंधन का ऐलान किया, और कहा कि अब मिलकर हम लोग अपनी लड़ाई लड़ेंगे। तेज प्रताप ने कहा कि हमने महुआ से चुनाव लड़ने का बिगुल फूंका है, आगे की लड़ाई हम साथ लड़ेंगे, बहुत दुश्मन लोगों को लगेगा कि हम आगे बढ़ रहे. मुझे विश्वाश है कि हम आगे बढ़ते रहेंगे। उन्होने अपने दल से आरजेडी, कांग्रेस जैसी पार्टियों को भी जुड़ने का आमंत्रण दे डाला। वहीं महागठबंधन की सहयोगी मुकेश सहनी की वीआईपी को बहुरूपिया बता डाला। तेज प्रताप वैशाली की महुआ सीट से चुनाव लड़ने का ऐलान पहले ही कर चुके हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सवाल के जवाब में उन्होने कहा कि तेजस्वी महुआ से कभी चुनाव नहीं लड़ेंगे. तेजस्वी को हम शुरू से आशीर्वाद दे रहे हैं कि तेजस्वी आगे बढ़ें। आपको बता दें विकास वंचित इंसान पार्टी (वीवीआईपी) के संस्थापक प्रदीप निषाद है। जो बिहार में हेलीकॉप्टर बाबा के नाम से भी जाने जाते हैं। बीती 28 जून को नई पार्टी की घोषणा की थी। कभी वीआईपी चीफ मुकेश सहनी के बेहद करीबी रहे प्रदीप ने नई पार्टी बनाई है। यूपी के मिर्जापुर के रहने वाले प्रदीप निषाद और सहनी के बीच यूपी चुनाव से एक साल पहले 2021 में दूरियां बढ़ गई थी। आरोप लगाते हुए उन्होने कहा था कि पार्टी में उनको मान-सम्मान नहीं मिल रहा था। जिसके चलते उन्होने मुकेश सहनी की वीआईपी छोड़ दी। अब टीम तेज प्रताप के साथ हो गए हैं।

डोमिसाइल लागू करने पर तेजस्वी बोले- मेरी नकल की

शिक्षक भर्ती में डोमिसाइल लागू करने के नीतीश सरकार के फैसले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने तंज कसा है। उन्होंने कहा, सरकार वही कर रही है, जो तेजस्वी कह रहा है।नेता प्रतिपक्ष ने ये भी दावा किया कि सरकार उनकी माय-बहिन योजना की भी नकल करेगी। तेजस्वी ने पूछा, 'सरकार को विपक्ष की घोषणाओं की कॉपी और नकल कर कैसा लग रहा है?'दरअसल, चुनाव साल में नीतीश कुमार ने सोमवार एक और बड़ी घोषणा की है। नीतीश सरकार ने ऐलान किया है कि शिक्षक भर्ती में डोमिसाइल लागू किया जाएगा। ये व्यवस्था TRE-4 से ही लागू की जाएगी।इस पर तेजस्वी यादव ने X पर लिखा, 'वैचारिक रूप से दिवालिया एनडीए सरकार बिहार में डोमिसाइल नीति लागू करने की हमारी मांग को एकदम सिरे से खारिज करती थी।''सदन में किसी भी सूरत में डोमिसाइल नीति लागू नहीं करने का दंभ भरती थी अब वही लोग हमारी अन्य योजनाओं की भांति इस घोषणा की भी नकल कर रहे हैं।'उन्होंने आगे लिखा, '20 सालों की इस नकलची एनडीए सरकार की अपनी कोई नीति, दृष्टि और विजन नहीं है। जिस सरकार को 20 सालों में यह नहीं सूझा कि क्या करना है क्या नहीं करना।' 'उसे हमारे इशारों, मांगों और घोषणाओं पर नाचते देख बिहारवासियों को अच्छा लगा रहा है।'

10 अगस्त से होने वाली राहुल की यात्रा स्थगित

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 10 अगस्त से शुरू होने वाली वोट अधिकार यात्रा फिलहाल टल गई है। इसकी जानकारी राष्ट्रीय जनता दल ने दी है। हालांकि, राहुल की ये यात्रा क्यों टली, इसकी कोई वजह सामने नहीं आई है। राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा की शुरुआत सासाराम से होने वाली थी, जिसमें तेजस्वी यादव भी शामिल होने वाले थे। जानकारी के मुताबिक, अब नए सिरे से यात्रा का शेड्यूल जारी होगा।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

भारत सरकार की चुप्पी से ईरान की पाकिस्तान से दोस्ती

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि, भरोसे की कूटनीति, कई देशों से गहरे रिश्तों की बुनियाद रही है। हालिया वर्षों में देश की तथाकथित गोदी मीडिया ने जिस गैर-जिम्मेदाराना और भड़काऊ पत्रकारिता को अपनाया है। दूसरे देशों के नेताओं और दूसरे देशों के बारे में जिस तरह से अपमानजनक शब्दों का उपयोग किया जा रहा है, उसने न केवल भारत के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर किया है बल्कि विदेशों में भी भारत की साख को बडा नुकसान पहुंचाया है। ईरान और भारत के पारंपरिक रूप से घनिष्ठ रिश्ते कई दशकों से हैं। 1971 के युद्ध में ईरान भारत के साथ खड़ा रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के दौरान भी ईरान ने हमेशा भारत का साथ दिया है। पिछले एक दशक में भी ईरान में चाहे चाबहार पोर्ट हो या गाज़ा जैसे संवेदनशील मुद्दे पर ईरान के साथ भारत के रिश्ते बेहतर रहे हैं। इन रिश्तों में जब कथित भारतीय गोदी मीडिया ने ईरान के सर्वोच्च नेता को ड्रग्स एडिक्ट बताने जैसी खबरें चलाई, जो न केवल ईरान के सर्वोच्च नेता का अपमान है, बल्कि ईरान का भी अपमान है। ईरानी दूतावास द्वारा भारत सरकार के संज्ञान में यह बात ले जाने के बाद भी भारत सरकार की चुप्पी ने भारत और ईरान के संबंध एक तरह से खत्म होने की कगार पर हैं। वर्तमान स्थिति में भारत सरकार की संजीदगी और कूटनीति पर गंभीर सवाल खड़े करता है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पिजिशिया का पाकिस्तान दौरा, वहां की सरकार से गर्मजोशी से मुलाकातों से स्पष्ट है, भारत अब ईरान की प्राथमिकताओं में नहीं रहा। इसका मुख्य कारण भारत के नेशनल चैनल और कुछ समाचार पत्रों में ईरान के सर्वोच्च नेता के खिलाफ जो मुहिम चलाई गई उसमे भारत सरकार की चुप्पी और भारतीय मीडिया की गैर-जिम्मेदार रिपोर्टिंग है। भारतीय मीडिया का एक धड़ा विदेश नीति को हिन्दू-मुस्लिम के चश्मे से देख रहा है। सरकार यदि चुप है, तो यही माना जाता है, मीडिया को सरकार का संरक्षण है। मीडिया जो कर रही है, उसका असर अब अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर पड़ने लगा है। जिसका खामियाजा अब पूरे देश को भुगतना पड़ सकता है। देश का मीडिया विदेशी नेताओं के खिलाफ अफवाहें फैलाएगा। अपमानजनक भाषा का प्रयोग करेगा। कूटनीतिक संवेदनशीलता को ताक पर रखेगा। इसका सीधा असर भारत की विदेश नीति पर पड़ेगा, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मीडिया की पत्रकारिता राष्ट्र हित में हो, पत्रकारिता जनहित में हो। मीडिया सरकार का अनुवांशिक अंग नहीं है, जो सरकार के हितों के संवर्धन के लिए काम करे। मीडिया की स्वतंत्रता और जिम्मेदारी वाली भूमिका है। गोदी मीडिया की जहरीली पत्रकारिता ने आज भारत को उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है जहां पुराने मित्र देश दूरी बनाकर दुश्मन देश के साथ खड़े हो रहे हैं। यह स्थिति राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत के सामरिक एवं आर्थिक हितों के लिए खतरनाक संकेत हैं। समय रहते इस प्रवृत्ति पर लगाम नही लगी, तो भारत का अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग-थलग पड़ना तय है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के पक्ष में कोई भी देश खड़ा नहीं हुआ, किसी भी देश ने पाकिस्तान की आलोचना नहीं की। चीन जिसके साथ हम सबसे बड़ा व्यापार कर रहे हैं उसने भी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की मदद करके यह बता दिया है कि भारत की विदेश नीति एवं व्यापार नीति कूटनीति के संबंध बेमानी है। केंद्र सरकार को इस दिशा में अब सजग रहने की जरूरत है। वास्तविक रूप से हमें अपने मित्र देश और दुश्मन देश की पहचान करनी पड़ेगी। सामरिक और आर्थिक लेन-देन में स्थिरता लानी होगी। दीर्घकालिक संबंधों की तरफ ध्यान देना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो आगे चलकर भारत अलग-थलग पड़ जाएगा। पड़ोसी देशों के साथ हमारे संबंध अच्छे नहीं रह गए हैं। भारत के पड़ोसी देशों के साथ चीन के संबंध बहुत मधुर हो गए हैं। जो पड़ोसी देश अभी हमारी सीमाओं की रक्षा मे खड़े रहते थे यदि वही विरोध में आ गए तो हम कैसे सुरक्षित रह पाएंगे, यह सोचने की जरूरत है। भारत की विदेश नीति कब और कैसे बदल गई। इसका पता ही नहीं चला। भारत के ऊपर कोई भी देश विश्वास क्यों नहीं कर रहा है। इसकी समीक्षा की जानी चाहिए। ईरान जैसा देश यदि पाकिस्तान को अपना दोस्त बना ले तो यह भारत के लिए खतरे की घंटी है।

उत्तराखंड में पंचायत चुनावः भारत में जमीनी लोकतंत्र की तस्वीर

भारत में लोकतांत्रिक शासन की परंपरा प्राचीन काल से रही है। वैशाली गणराज्य को इसका प्रमुख उदाहरण माना जाता है। इसी तरह, आज के ग्रामीण भारत में प्रचलित पंचायत प्रणाली की जड़ें भी वैदिक युग में मिलती हैं। पंचायत शब्द पंच यानी पाँच से बना है — पाँच सदस्यीय ग्राम समिति, जो गांव के विवादों का समाधान करती थी और जिसका निर्णय पूरे गांव द्वारा स्वीकार किया जाता था। ब्रिटिश शासन के दौरान पंचायत व्यवस्था को औपनिवेशिक प्रशासन में शामिल कर लिया गया। इसका उपयोग राजस्व वसूली और भूमि अधिग्रहण के लिए किया गया। वन कानूनों और नीतियों ने भी पंचायतों के भूमि रिकॉर्ड और गांव की सीमाओं पर निर्भरता दिखाई। उत्तराखंड के कई वन आंदोलन इन्हीं औपनिवेशिक नीतियों के खिलाफ उपजे। स्वतंत्रता के बाद, संविधान के नीति निदेशक तत्वों में पंचायत व्यवस्था को स्थापित करने की दिशा दी गई। इसमें कहा गयाः राज्य ग्राम पंचायतों का गठन करेगा और उन्हें स्वशासन की इकाई के रूप में कार्य करने के लिए आवश्यक अधिकार और शक्तियाँ प्रदान करेगा। यह भारत में जमीनी लोकतंत्र की नींव बनी। 1957 में बलवंत राय मेहता समिति ने त्रिस्तरीय पंचायत राज प्रणाली की सिफारिश की — ग्राम पंचायत, पंचायत समिति (ब्लॉक स्तर पर) और जिला परिषद। ग्राम प्रधानों का चुनाव सीधे जनता द्वारा होता है, लेकिन ब्लॉक और जिला स्तर के अध्यक्षों का चुनाव निर्वाचित सदस्यों द्वारा किया जाता है। यह अप्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली अक्सर पैसे और राजनीतिक दबाव का माध्यम बन जाती है। इसलिए यह मांग उठ रही है कि इन पदों का भी प्रत्यक्ष चुनाव हो।

1992 के 73वें और 74वें संविधान संशोधन ने पंचायत राज संस्थाओं को और अधिक अधिकार प्रदान किए, साथ ही महिलाओं और वंचित वर्गों को आरक्षण भी सुनिश्चित किया। 2025 के पंचायत चुनाव उत्तराखंड में जमीनी लोकतंत्र की जीवंत मिसाल हैं। यद्यपि पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा शराब और नकदी जब्त की गई है, जो मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयास को दर्शाती है, परंतु एक शिक्षित राज्य जैसे उत्तराखंड में ऐसा प्रभाव पड़ना कठिन लगता है। क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं से बातचीत से स्पष्ट होता है कि शराब का उपभोग भले ही हो रहा हो, लेकिन इससे मतदाता अपने निर्णय नहीं बदल रहे।

हालाँकि पंचायत चुनावों में राजनीतिक दलों के चिन्ह नहीं दिए गए हैं, परंतु दलों ने अपने उम्मीदवार घोषित किए हैं, और ये उम्मीदवार प्रचार सामग्री में पार्टी का नाम और समर्थन खुलेआम प्रयोग कर रहे हैं। कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने चुनाव से पहले अनैतिक गतिविधियों की ओर ध्यान दिलाया, लेकिन 24 जुलाई को हुए पहले चरण का चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। चिंता का विषय यह है कि चुनाव में अधिकतर उम्मीदवार व्यवसायिक पृष्ठभूमि से हैं या ठेकेदार हैं। इससे जमीनी नेतृत्व के विकास में बाधा आ सकती है, और वर्षों से पार्टी के लिए कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं में असंतोष पनप रहा है। 27 जुलाई को होने वाले दूसरे चरण के चुनाव से पहले स्पष्ट है कि सभी चुनौतियों के बावजूद, भारत में जमीनी लोकतंत्र जीवंत और सशक्त बना हुआ है। उत्तराखंड की चुनावी हलचल, प्रचार की गूंज और लोगों की भागीदारी यह सिद्ध करती है कि लोकतंत्र की जड़ें गांव-गांव तक फैली हुई हैं। लेखक एक समाजशास्त्री है और पिछले करीब चालीस सालों से एनजीओएस विकास के क्षेत्र से जुड़े हुएं हैं। वे जेएनयू के छात्र रहे हैं और उनका शोध कार्य नोबेल लॉरेंट प्रोफेसर डॉक्टर अमर्त्य सेन की किताबों मे उल्लेख किया है।

पर्याप्त नींद के बिना दीर्घकालीन और गंभीर समस्या महसूस हो सकती है

> साथियों बात अगर हम नींद की आवश्यकता की करें तो, संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए पौष्टिक आहार और नियमित व्यायाम की आवश्यकताओं के बारे में तो हम सभी सुनते आ रहे हैं, परंतु हमको इसके साथ-साथ अच्छी नींद लेना भी बेहद आवश्यक है। मस्तिष्क को बेहतर तरीके से कार्य करने में मदद करने के साथ है, शरीर को री-फ्रेश रखने, प्रतिरक्षा को बढ़ावा देकर रोगों के जोखिम को कम करने और चिंता-तनाव जैसी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं से बचाने में अच्छी नींद की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में नींद एक जरूरत है। नींद हमारे शरीर और मस्तिष्क को आराम देने की एक प्रक्रिया है, ताकि शरीर और मन ऊर्जा का संग्रह कर ले, और हम आगे के काम के लिए तैयार हो जाएं।

किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारतीय संगीत गीत फिल्मों को करीब-करीब पूरी दुनिया में पसंद किया जाता है। क्योंकि दुनिया में ऐसे कम ही देश होंगे, जहां मूल भारतीय ना बसते हों। भारतीय संगीत क्षेत्र सदियों पुराना मीठा सुरीला है। बस समय के साथ-साथ उसमें परिवर्तन होते होते आज डिजिटल इंडिया में संगीत क्षेत्र में भी नया इतिहास रचा जा रहा है, जो तारीफ़ ए काबिल है। हम अगर संगीत क्षेत्र में उप शेत्र गीतों में गौर करेंगे तो हमें नींद पर अनेक गीत मिलेंगे जो न केवल दशकों पुराने भी हैं, परंतु विविधता में एकता याने हर भाषा क्षेत्र में हमें नींद के संबंधमें गीत ज़रूर मिलेंगे उसमें भी हमें प्रेम प्रसंग के ऊपर यह गीत अधिक मिलेंगे, जैसे 1960 के दशक का गीत कभी रहती थी आंखों में नींद अब बसते हैं सांवरिया, 1990 का मुझे नींद ना आए मुझे चैन ना आए न जाने कहां दिल खो गया, से लेकर अभी 2025 तक हमें ऐसे हजारों लाखों में गीत मिलेंगे जहां नींद खोने की का केंद्रीय मुद्दा है। उसी तरह कहावतों में भी हमें रातों की नींद उड़ गई जैसे अनेक किस्से कहानियां कहावतें मिलेगी ! इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि पर्याप्त नींद के बिना दीर्घकालीन और गंभीर समस्याएं महसूस हो सकती है। पर्याप्त नींद हमारे शरीर और मस्तिष्क को आराम देने की प्रक्रिया है। पर्याप्त नींद फ्रेश ऊर्जावान और अच्छी यादाश्त का टॉनिक भी है। इसलिए आओ चैन की नींद सोए।

साथियों बात अगर हम पर्याप्त नींद ना आने के कारणों की करें तो, आमतौर पर अनिद्रा का कारण तनाव व थकावट हो सकती है, लेकिन इसके कुछ निम्न कारण भी हो सकते हैं, हर रोज सोने के समय में बदलाव होना। दोपहर में सोना या झपकी लेना। सोते वक्त ज्यादा शोर होना या रूम में अधिक लाइट होना। व्यायाम न करना। सोते वक्त मोबाइल व टीवी जैसे उपकरणों का उपयोग करना। धूम्रपान करना। पूरे दिन कैफीन युक्त पदार्थों का अधिक सेवन करना। कुछ खास तरह की दवाइयों का सेवन करना।रात के वक्त काम करना। चिंता या तनाव। कुछ खास तरह के नींद संबंधी विकार।शरीर में कोई परेशानी होना या स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या होना जैसे - मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग, तनाव।जीवनशैली में बदलाव इत्यादि। अनिद्रा या उन्निद्र रोग (इनसॉम्निया) में रोगी को पर्याप्त और अटूट नींद नहीं आती, जिससे रोगी को आवश्यकतानुसार विश्राम नहीं मिल पाता और स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। बहुधा थोड़ी सी अनिद्रा से रोगी के मन में चिंता उत्पन्न हो जाती है, जिससे रोग और भी बढ़ जाता है। स्वस्थ रहने के लिए पर्याप्त नींद सोना जरूरी है, लेकिन आजकल कई लोग अनिद्रा की समस्या से जूझ रहे हैं। इस बीमारी को अंग्रेजी में इंसोमनिया कहा जाता है। यह एक प्रकार का नींद संबंधी विकार है। इसमें व्यक्ति को सोने में असुविधा, नींद की कमी या नींद पूरी नहीं हो पाने की समस्या रहती है। ऐसा होने से स्वास्थ्य पर असर होता है और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। अनिद्रा के लक्षण यह भी हो सकते हैं, सोने की कोशिश करने पर भी नींद न आना, नींद आने पर भी थोड़ी देर में जागना या बार-बार नींद टूटने की शिकायत होना, नींद से उठने के बाद भी खुद को ताजा महसूस नहीं करना और सुस्ती आना, व्यक्ति खुद को अस्वस्थ महसूस करता है, अनिद्रा से ग्रस्त व्यक्ति हमेशा चिड़चिड़ा रहता है और बहुत जल्दी गुस्सा हो जाता है, अनिद्रा से ग्रस्त व्यक्ति को चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं जल्दी घेर लेती है। साथियों बात अगर हम पर्याप्त नींद ना करने के अल्पकालीन और दीर्घकालीन दुष्प्रभावों की करें तो, गहरी नींद नहीं होने से हम तनाव और मानसिक रोग के शिकार होते हैं, नींद पूरी नहीं होने से शरीर और दिमाग को आराम नहीं मिलता है जिससे बदन दर्द, अकड़न और थकावट जैसी परेशानी पैदा हो जाती है, अच्छी नींद नहीं होने पर पाचन तंत्र पर असर पड़ता है जिसके चलते कब्ज की समस्या होती है, पूरी नींद न लेने पर व्यक्ति किसी भी कार्य में एकाग्रचित्त नहीं हो पाता और उसकी स्मरणशक्ति कमजोर हो जाती है, नींद कम होने से व्यक्ति चिड़चिड़ा हो जाता है जिसके चलते छोटी-छोटी बातों पर भी क्रोधित हो जाता है जिसके चलते परिवार, समाज और ऑफिस में भी लोग उससे बात करने में संकोच करते हैं, नींद के अभाव के चलते थकान बनी रहती है और सिर हमेशा भारी रहता है, कम सोने वालों में कईं बार वजन बढ़ने की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। नींद पूरी न होने के दीर्घकालिक दुष्प्रभाव - यदिहमर पर्याप्त नींद के बिना काम करना जारी रखते हैं, तो आपको दीर्घकालिक और गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं महसूस हो सकती हैं। नींद की कमी के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, दिल का दौरा, हार्ट फेलियर और कैंसर, स्ट्रोक तक का खतरा बढ़ जाता है। अन्य संभावित समस्याओं में मोटापा, अवसाद, प्रतिरक्षा प्रणाली की समस्या और सेक्स ड्राइव में कमी महसूस होते रहना भी शामिल है।

साथियों बात अगर हम नींद की आवश्यकता की करें तो, संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए पौष्टिक आहार और नियमित व्यायाम की आवश्यकताओं के बारे में तो हम सभी सुनते आ रहे हैं, परंतु हमको इसके साथ-साथ अच्छी नींद लेना भी बेहद आवश्यक है। मस्तिष्क को बेहतर तरीके से कार्य करने में मदद करने के साथ है, शरीर को री-फ्रेश रखने, प्रतिरक्षा को बढ़ावा देकर रोगों के जोखिम को कम करने और चिंता-तनाव जैसी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं से बचाने में अच्छी नींद की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में नींद एक जरूरत है। नींद हमारे शरीर और मस्तिष्क को आराम देने की एक प्रक्रिया है, ताकि शरीर और मन ऊर्जा का संग्रह कर ले, और हम आगे के काम के लिए तैयार हो जाएं। इसलिए अच्छी और गहरी नींद के बाद हम काफी ऊर्जावान महसूस करते हैं, अगर किसी कारण से ये नींद पूरी नहीं होती है तो हम परेशान, चिड़चिड़े, आलस्य, और कमजोरी जैसी कई समस्याओं के आप शिकार हो जाते हैं। देखा जाए तो अनिद्रा कोई बीमारी नहीं है, यह एक जीवनशैली है।विशेषज्ञों की सलाह है? नींद पूरी करना सभी के लिए आवश्यक है, यदि हमको इसमें असहजता महसूस होती है तो डॉक्टर की मदद जरूर ले लें। अनिद्रा को इलाज के माध्यम से आसानी से ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा कुछ आसान से उपाय जैसे स्क्रीन टाइम को कम करना, रात में बेडरूम को शांत और अंधेरा रखना, मन को शांत करने के लिए अच्छे संगीत सुनना नींद प्राप्त करने में हमारे लिए सहायक हो सकता है। वयस्कों को रोजाना रात में 6-8 घंटे की निर्बाध नींद प्राप्त करने की सलाह दी जाती है। इसमें एक दिन भी होने वाली कमी हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है।

टैरिफ दादागिरी के बीच 'स्वदेशी' एक जनक्रांति बने

> राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र 'स्वदेशी' है। यह विचार केवल देसी वस्तुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का रास्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व सिद्ध किया। चाहे दूध उत्पादन में श्वेत क्रांति हो, अंतरिक्ष में इसरो की सफलताएं हों या कोविड काल में स्वदेशी वैक्सीन बनाना, भारत ने दिखाया है कि वह किसी से कम नहीं।

ललित गर्ग

वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दबाव की राजनीति' और 'टैरिफ की दादागिरी' का माकूल जबाव है बल्कि भारत को सशक्त अर्थ-व्यवस्था बनाने की बुनियाद भी है। मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को 'लोकल के लिए वोकल' बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक रणनीति है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है। यह वही आत्मनिर्भरता है, जिसका बीजारोपण महात्मा गांधी ने चरखे और खादी के माध्यम से किया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वदेशी जागरण के माध्यम से कर रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट का ही परिणाम है कि उन्होंने दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत अर्थव्यवस्था" तक कह दिया, उनका यह कहना न केवल तथ्यहीन और निराधार है, बल्कि भारत की आर्थिक संप्रभुता पर एक असभ्य एवं अक्षम्य आक्षेप भी है। इससे भी अधिक विडंबनापूर्ण और चिंताजनक बात यह है कि भारत के कुछ विपक्षी दलों ने इस अपमानजनक बयान को घरेलू राजनीति की 'ऑक्सीजन' मानकर इसे आंतरिक राजनीति का हथियार बनाकर न केवल प्रचारित किया, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से उसका समर्थन भी किया। अक्सर विपक्षी दल देशविरोधी नैरेटिव को बढ़ावा देने में जुट जाते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का अंग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता पर आघात के समय एकजुटता ही राष्ट्रवाद की पहचान होती है। यह वही देशविरोधी मानसिकता है जो विदेशी मंचों पर देश की छवि को चोट पहुंचाती है और राजनीतिक स्वार्थों एवं मतभेदों को राष्ट्रीय स्वाभिमान से ऊपर रखती है। भारत की अर्थव्यवस्था को जिस तरह ट्रंप ने 'मृतप्राय' कहा, वह न केवल मौजूदा आर्थिक तथ्यों की अवहेलना है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दबाने का एक रणनीतिक षडयंत्र भी है। आईएमएफ, विश्व बैंक और ओईसीडी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भी लगातार यह संकेत देती रही हैं कि भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलों के चलते भारत की अर्थव्यवस्था ने कोरोना महामारी के बाद जिस गति से पुनरुत्थान किया है, वह अनेक विकसित देशों के लिए भी उदाहरण है। सच्चाई यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था न तो मृत है, न ही दिशाहीन। हां, चुनौतियां हैं, बेरोजगारी, महंगाई, आय असमानता, लेकिन इनसे जूझते हुए भारत आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है। वैश्विक मंचों पर भारत की वाणी अब कमजोर नहीं, बल्कि दृढ़ता और आत्मविश्वास से परिपूर्ण है। ऐसे समय में जब अमेरिका जैसे देश एकतरफा फैसलों से वैश्विक व्यापार संतुलन को तोड़ने पर आमादा हैं, तब भारत को अपनी आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के मंत्र को एक संकल्प बनाकर व्यवहार में लाना होगा। अमेरिका हो या चीन, आर्थिक नीतियों में नैतिकता नहीं, स्वार्थ ही केंद्र में रहता है। इसीलिए भारत को अब यह समझना होगा कि केवल आयात पर निर्भर रहकर हम अपनी आर्थिक सुरक्षा नहीं कर सकते। जब तक हम उत्पादन, निर्माण और उपभोग के क्षेत्र में स्वदेशी विकल्प नहीं अपनाते, तब तक हम इस टैरिफ आतंकवाद और वैश्विक अस्थिरता के शिकार बने रहेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र 'स्वदेशी' है। यह विचार केवल देसी वस्तुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का रास्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व सिद्ध किया। चाहे दूध उत्पादन में श्वेत क्रांति हो, अंतरिक्ष में इसरो की सफलताएं हों या कोविड काल में स्वदेशी वैक्सीन बनाना, भारत ने दिखाया है कि वह किसी से कम नहीं। स्वदेशी का मंत्र सिर्फ 'यहां बनाएं' तक सीमित नहीं है, यह 'यहां के लोगों द्वारा, यहां की सोच के साथ' बनाया गया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी का 'मेक इन इंडिया' अभियान अब 'मेड बाय इंडिया' की दिशा में अग्रसर हो रहा है। भारत को ऐसी आर्थिक संरचना बनानी होगी जिसमें विदेशी पूंजी या तकनीक की बजाय स्वदेशी नवाचार, स्वदेशी उद्योग, और स्वदेशी उद्यमिता को बल मिले। इस संदर्भ में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि जो नीतियां बनें, वे स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने वाली हों, न कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लॉबी के दबाव में चलने वाली। आज का समय वैसा ही है जैसा 1905 में बंग-भंग आंदोलन के समय था, जब बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और अरविंद घोष जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। आज फिर एक नई क्रांति की जरूरत है, लेकिन यह क्रांति फैक्ट्रियों में, बाजारों में, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लड़ी जाएगी। हमारे युवाओं को चाहिए कि वे स्टार्टअप, इनोवेशन और तकनीकी प्रयोगों में विदेशी नकल न करें, बल्कि भारतीय ज़रूरतों और मूल्यों के अनुरूप नए समाधान विकसित करें। यही आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है। हर भारतीय को यह समझना होगा कि जब वह विदेशी मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, या चीनी उत्पाद खरीदता है, तो वह सिर्फ एक उत्पाद नहीं ले रहा, बल्कि वह अपने देश के एक कारीगर, किसान या उद्यमी से रोज़ी-रोटी छीन रहा है। अब समय है कि उपभोक्ता भी जिम्मेदार बने। स्वदेशी उपभोग सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति का आधुनिक रूप है। आज जब वैश्विक पूंजीवाद लड़खड़ा रहा है और पश्चिमी देशों की नीतियों में आत्मकेंद्रितता हावी हो रही है, भारत को अपनी सांस्कृतिक, आर्थिक और बौद्धिक जड़ों की ओर लौटना ही होगा। यही समय है जब 'स्वदेशी' एक आंदोलन बने, एक जनक्रांति बने और एक ऐसी नई अर्थव्यवस्था की नींव डाले जो टिकाऊ, समावेशी और पूर्णतः आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री मोदी ने जो स्वदेशी का दीप जलाया है, वह केवल सरकार का काम नहीं, यह हम सभी का नैतिक, राष्ट्रीय और आत्मिक दायित्व है।

भारतीय सेना ही देश के असली नायक

संजय गोस्वामी

ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तान को सबक भारतीय सेनाओं ने अपनी जान की परवाह किए बिना देश को सुरक्षित किया इसकी प्रशंसा करनी चाहिए। इसे देश हित में देखना चाहिए क्योंकि उनकी हमेशा मानसिकता देश को बचाने की होती है और सेना का मनोबल हर उस देश का राष्ट्रपति सेना को उनकी बहादुरी पर सम्मान करता है। इसे आप कितनी बार यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस से लड़ने वाले सेनाओं का सम्मान किया है। ये अलग बात है भारत को इससे लेना देना नहीं है, लेकिन यहाँ के यूट्यूबर्स और कुछ मीडिया चैनलों पर देश में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सियासत करते नजर आते हैं। लेकिन सेना के पराक्रम को नजरअंदाज कर देते हैं। इसका फायदा शत्रु देश उठाते हैं और भारत माता के प्रति अपनी नकारात्मक छवि को दर्शाते हैं। यूट्यूब बनाकर मीडिया में दिखाना बहुत आसान है हम भी बना लेंगे और डाउनलोड कर देंगे। लेकिन इसपर सेना के प्रवक्ता ने जब सबकुछ खुलकर बता दिए हैं कि हम तीन मोर्चों पर पाकिस्तान से लड़ रहें थे और नुकसान भी हुआ, लेकिन जो टारगेट था उसे प्राप्त किया है तो ऐसे में खुद यूट्यूब बनाकर डालना बचकाना हरकत होगा। और लोगों में गलत धारना पैदा होगा। सेना का मनोबल गिरेगा।

याद होगा कारगिल का युद्ध जिसमें पाकिस्तान द्वारा धोखे से कारगिल की ऊंची चोटियों पर कब्जा करने के बाद, भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय के तहत अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प के साथ जवाबी कार्रवाई की। कैप्टन विक्रम बत्रा, कैप्टन मनोज कुमार पांडे, ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव जैसे वीरों ने सर्वोच्च बलिदान देकर इन चोटियों को वापस हासिल किया। इस युद्ध में भारतीय सेना ने पहाड़ी युद्ध में अपनी अद्वितीय क्षमता साबित की। इन युद्धों में भारतीय सेना ने न केवल देश की सीमाओं की रक्षा की, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पेशेवर दक्षता और नैतिक मूल्यों का भी प्रदर्शन किया। अतः भारतीय सेनाओं के पराक्रम के बारे में नकारात्मक वीडियो बनाकर यूट्यूब पर दिखाना उचित नहीं। इसमें प्रधानमंत्री को भी लपेटे में लेते हैं, जो लोकतान्त्रिक तरीके से चुनकर आते हैं। जब चुनाव आएगा तब आप अपने अधिकार का प्रयोग कर मनमुताबिक सरकार को चुन लेना लेकिन याद कीजियेगा वो दिन भी जब आतंकवादी की जड़ केवल जम्मू काश्मीर तक नहीं था बल्कि मुंबई, दिल्ली और गुजरात भी भुगता है। असल में 26/11/2008 में आतंकी हमले में मारे गए लोगों से पूछिए की इससे उनको ख़ुशी मिली या नहीं मिली। उस समय पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन तो टीवी में साफ बोल रहे थे कि हैदराबाद को पाकिस्तान बनाने की बात जब सबको बंधक बनाए और बहुत ही बेहरहमी से क़त्ल कर दिए गए किसी के पेट फाड़ दिया किसी का गर्दन काटा गया। अतः आप खुद पहले अपने आप को देखिए कि आपने उस समय पाकिस्तान पर अटैक क्यों नहीं किया और जब आतंकवादी कसाब ने पाकिस्तान नाम खुलेआम लिया तो क्या आप सो रहे थे। सेना उस समय बहुत गुस्से में थे और आर पार के मूड में थे, लेकिन क़ोई भी आतंकी संगठन को एक खरोंच तक नहीं आने देना ये कितनी शर्म की बात है। सेना के लिए न तो दिन होता है न रात। लड़ाई में गोली लगने के बाद भी लड़ते हैं और अंतिम सांस तक भारत माता के लिए शहीद होते हैं। क्या उनके पराक्रम को नजरअंदाज करना देशहित में है। और यूट्यूबर एक्सपीरियंस मेहमानो को भी बुलाते हैं वे वही हैं जो किसी कारण सत्ता में जगह नहीं मिलने पर मोदीजी के खिलाफ नेरेटिव फैलाते है। आप जब यूपीए शासन में थे तो हिम्मत तो दिखाना चाहिए और जहाँ आक्रमण करना चाहिए वहाँ केवल कागजी कार्यवाही यानि डोसियर देने से आतंकवादी जश्न मना रहे थे। क्या 140 करोड़ भारतीय का अपमान नहीं है हमें क़ोई भी मार कर चला जाए। यानि हमारी जान की कीमत नहीं है, ऑपरेशन सिंदूर से आतंकवादी संगठन में खौफ पैदा हुआ है। अतः दूसरे पर दोष देना या कागजी शेर बने रहने से सच्चा देशभक्त आपको कभी सपोर्ट नहीं करेगा। क्योंकि सेनाओं पर सवाल उठाना गलत है जैसे पहले भी दो बार सर्जिकल स्ट्राइक में हुआ है।

3 बार मुख्यमंत्री बने लेकिन एक बार भी पूरा नहीं हुआ कार्यकाल....

एक कद्दावर आदिवासी नेता और झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी के संस्थापक सदस्य, शिबू सोरेन 38 वर्षों तक झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष रहे. शिबू ने 1987 में पार्टी की बागडोर संभाली और अप्रैल 2025 तक लगभग 38 वर्षों तक इसके निर्विवाद अध्यक्ष रहे।

जानिए कैसा रहा शिबू सोरेन का राजनीतिक करियर

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन का सोमवार को निधन हो गया. उनकी उम्र 81 वर्ष थी. वह लंबे वक्त से बीमार चल रहे थे. शिबू सोरेन के बेटे और झारखंड के वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उनके निधन की घोषणा की. सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए हैं. आज मैं शून्य हो गया हूं."

सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को हजारीबाग जिले के नेमरा में पिता शोबरन सोरेन और माता सोनूमुनी सोरेन के घर हुआ था. शिबू सोरेन उन नेताओं में से हैं जिन्होंने झारखंड को एक राज्य बनाने की लड़ाई लड़ी. वह इस राज्य के तीन बार मुख्यमंत्री भी बने, लेकिन एक बार भी पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर सके.

एक कद्दावर आदिवासी नेता और झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी के संस्थापक सदस्य, शिबू सोरेन 38 वर्षों तक झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष रहे. शिबू ने 1987 में पार्टी की बागडोर संभाली और अप्रैल 2025 तक लगभग 38 वर्षों तक इसके निर्विवाद अध्यक्ष रहे. वृद्ध शिबू सोरेन ने औपचारिक रूप से झामुमो नेतृत्व की बागडोर अपने बेटे और वर्तमान झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सौंप दी.

शिबू सोरेन ने झारखंड के आदिवासी अधिकारों के लिए लड़ी लड़ाई

शिबू सोरेन ने झारखंड के राजनीतिक धरातल पर अपना नाम आदिवासियों के अधिकारों की लड़ाई लड़कर बनाया. अगर सोरेन के राजनीतिक करियर पर नज़र डाली जाए तो उन्हें झारखंड को राज्य का दर्जा दिलाने वाले आंदोलन में उनकी भूमिका के लिए याद किया जाएगा. उनका राजनीतिक करियर ज़मीनी आंदोलनों से शुरू हुआ जहां उन्होंने मुख्य रूप से आदिवासियों के लिए जल-जंगल-ज़मीन की मांग की.

सामंतवाद के कट्टर विरोधी सोरेन ने 1972 में झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) की शुरुआत की. सोरेन की अगुवाई में जेएमएम ने आदिवासियों की स्वायत्तता और उत्थान के लिए आवाज़ उठाई. सन् 2000 में झारखंड राज्य बनने में सोरेन और जेएमएम की अहम भूमिका रही. सोरेन इस नए राज्य के तीन बार मुख्यमंत्री रहे. हालांकि एक बार भी उनका कार्यकाल पूरे पांच साल का नहीं रहा.

कैसा रहा राजनीतिक करियर?

सोरेन सबसे पहली बार दो मार्च 2005 को मुख्यमंत्री बने लेकिन बहुमत न होने के कारण सिर्फ नौ दिन बाद सत्ता हाथ से चली गई. दूसरी बार अगस्त 2008 में सत्ता सोरेन के हाथ लगी लेकिन जनवरी 2009 में उन्हें एक बार फिर कुर्सी से उतरना पड़ा. सोरेन आखिरी बार दिसंबर 2009 में मुख्यमंत्री बने और इस बार उनका कार्यकाल पांच महीने का रहा. इसके अलावा सोरेन तीन बार कोयला मंत्री भी बने.

सोरेन छह बार लोकसभा सांसद बने, हालांकि सिर्फ एक बार ही उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा किया. वह तीन बार राज्यसभा सांसद भी रहे. जून 2020 में उन्हें तीसरी और आखिरी बार राज्यसभा के लिए चुना गया था.

समर्थकों के बीच गुरुजी कहलाए

इन चुनौतियों के बावजूद सोरेन की विरासत राज्य की पहचान और आदिवासी अधिकारों की लड़ाई से गहराई से जुड़ी हुई है. अपने समर्थकों के बीच "गुरुजी" के नाम से मशहूर, सोरेन का प्रभाव उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल के बाद भी जारी रहा, जहां उनके बेटे हेमंत सोरेन वर्तमान में इस पद पर हैं.

सोरेन का करियर विवादों से अछूता नहीं रहा. उन्हें कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें एक हत्या के मामले में दोषी ठहराया जाना और बाद में बरी होना भी शामिल है. इन असफलताओं के बावजूद, शिबू सोरेन झारखंड की राजनीति में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बने हुए हैं, जिन्हें आदिवासी कल्याण और राज्य के दर्जे में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है.

गुरुजी शिबू सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा का कैसे हुआ गठन, बहुत रोचक है किस्सा, तीन धाराओं का हुआ था मिलन

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को 70 के दशक में अगर बिनोद बाबू (बिनोद बिहारी महतो) ना मिले होते तो शायद झारखंड की मौजूदा राजनीति कुछ और होती क्योंकि इस मुलाकात के बगैर झारखंड मुक्ति का गठन हो ही नहीं पाता. पार्टी बनाने का कांसेप्ट बिनोद बाबू का था. इसमें अहम किरदार निभाया था दिग्गज वामपंथी मजदूर नेता एके राय ने. 4 फरवरी 1972 के बिनोद बाबू के धनबाद आवास पर पार्टी के गठन के लिए बैठक हुई थी. तब शायद इनमें से किसी को अंदेशा भी नहीं होगा कि आगे चलकर यही झामुमो झारखंड का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनेगा.

तीन विचारों के मिलन से बना झारखंड मुक्ति मोर्चा

तब तीनों दिग्गज नेता अपने-अपने विषय को आंदोलन के जरिए आगे बढ़ा रहे थे. बिनोद बाबू शिवाजी समाज चलाते थे. इसका काम था कुड़मी समाज की बुराइयों को दूर करना. शिक्षा के प्रति जागरुक करना. इस समाज को अधिकार दिलाने में मदद करना. क्योंकि बिनोद बाबू पेशे से वकील भी थे. तब शिबू सोरेन सोनोत संथाल समाज के बैनर तले समाज की बुराईयों को दूर करने और महाजनों के शोषण के खिलाफ आंदोलन कर रहे थे. आगे चलकर उन्होंने इसका नाम आदिवासी सुधार समिति कर दिया था. जबकि ए.के.राय एक चर्चित मजदूर नेता थे.

घंटों मंथन के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के नाम पर सहमति बनी. कहा जाता है कि 70 के दशक में बांग्लादेश में चल रहे मुक्ति वाहिनी संघर्ष और वियतनाम संघर्ष से प्रभावित होकर यह नाम रखा गया. इस बैठक में प्रेम प्रकाश हेंब्रम, कतरास के पूर्व राजा पूर्णेंदु नारायण सिंह, शिवा महतो, जादू महतो, शक्तिनाथ महतो, राज किशोर महतो, गोविंद महतो समेत कुछ और लोग मौजूद थे. तब सर्वसम्मति से बिनोद बिहारी महतो को झामुमो का पहला अध्यक्ष, शिबू सोरेन को महासचिव, पूर्णेंदु नारायण सिंह को उपाध्यक्ष, टेकलाल महतो को सचिव और चूड़ामणि महतो को कोषाध्यक्ष चुना गया था.

प्रथम स्थापना दिवस समारोह में दिख गई थी ताकत

झारखंड मुक्ति मोर्चा का पहला स्थापना दिवस 4 फरवरी 1973 को धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में हुआ. कल्पना से परे भीड़ उमड़ी. धनबाद समेत हजारीबाग, गिरिडीह, देवघर, जामताड़ा से आदिवासी समाज के लोग पारंपरिक हथियार के साथ पहुंचे. बिनोद बाबू से प्रभावित कुड़मी और गैर आदिवासी समाज के लोगों के साथ-साथ एके राय समर्थक मजदूरों को जबरदस्त जुटान हुआ. एक लाख से ज्यादा भीड़ थी. एके रॉय ने कहा था कि हरा और लाल झंडा के संगम ने शोषण और अत्याचार के खिलाफ आंदोलन छेड़ दिया है. शिबू सोरेन ने पार्टी के कार्यक्रम को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया था. रातभर भाषणों का दौर चला था. इसी स्थापना दिवस ने झामुमो को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई.

यह बदलाव का दौर था. तीनों नेताओं के बीच माफिया राज से निजात की सहमति बनी थी. इसी दौरान अक्टूबर 1972 में कोयला खदानों का राष्ट्रीयकरण हो गया. हजारों मजदूर छांट दिए गये. स्थानीय लोगों की जगह बिहार के आरा, छपरा और यूपी के बलिया के लोगों को रखा जाने लगा. उसी वक्त ये तीनों नेता समझ गये थे कि संयुक्त रुप से लड़े बिना झारखंड हित की रक्षा मुश्किल होगी.

शिबू सोरेन की पहल पर शैलेंद्र महतो बने थे झामुमो के अध्यक्ष

इधर, 1980 के चुनाव में शिबू सोरेन ने कांग्रेस का साथ दिया . बिनोद बाबू ऐसा नहीं चाहते थे. यहीं से दोनों के बीच मतभेद पनपना शुरु हुआ. शिबू सोरेन बखूबी जानते थे कि कुड़मी समाज के बिना पार्टी को मजबूत करना संभव नहीं है. इस दौरान उनकी नजर जुझारु युवा नेता निर्मल महतो पर पड़ी. तभी से शिबू सोरेन उनको पार्टी के साथ जोड़ने की प्लानिंग करने लगे थे. जनवरी 1983 में धनबाद के सरायढेला में झामुमो का पहला केंद्रीय महाधिवेशन हुआ था. इसमें निर्मल महतो को केंद्रीय कार्यकारिणी समिति का सदस्य बनाया गया था. फिर 6 अप्रैल 1984 को बोकारो में केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में शिबू सोरेन के सुझाव पर बिनोद बाबू की जगह निर्मल महतो को झामुमो का केंद्रीय अध्यक्ष बना दिया गया. उस वक्त निर्मल महतो को झामुमो में शामिल हुए करीब साढ़े तीन साल ही हुए थे. इसके बाद रांची में अप्रैल 1986 में हुए दूसरे केंद्रीय महाधिवेशन के दौरान निर्मल महतो को दोबारा पार्टा का केंद्रीय अध्यक्ष चुना गया. उस वक्त भी शिबू सोरेन पार्टी के महासचिव ही बने रहे.

समय के साथ पार्टी मजबूत हो रही थी. इसी बीच 8 अगस्त 1987 को जमशेदपुर के जमरिया गेस्ट हाउस के सामने निर्मल महतो की गोली मारकर हत्या कर दी गई. हालात ऐसे बने कि शिबू सोरेन को पार्टी की कमान अपने हाथ में लेनी पड़ी. उस समय से 38 साल तक शिबू सोरेन ही झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष रहे. अप्रैल 2025 में रांची में हुए पार्टी के 13वें केंद्रीय महाधिवेशन में शिबू सोरेन को पार्टी का संस्थापक संरक्षक बना गया. उनकी जगह कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन को पार्टी की कमान सौंप दी गई.

सुप्रीम कोर्ट से डीएचएफएल के पूर्व डायरेक्टर धीरज वाधवान की जमानत रद्दः 42871 करोड़ के फ्रॉड का आरोप

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने 5 अगस्त को दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (डीएचएफएल) के पूर्व डायरेक्टर और प्रमोटर धीरज वाधवान की जमानत रद्द कर दी। यह फैसला एक बड़े बैंक ऋण घोटाले के मामले में लिया गया है, जिसमें धीरज वाधवान पर 42,871.42 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप है। कोर्ट ने उन्हें दो हफ्ते के अंदर सरेंडर करने का आदेश दिया है। धीरज वाधवान को दिल्ली हाई कोर्ट ने 9 सितंबर 2024 को बीमार होने के कारण जमानत दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि धीरज एक "बीमार व्यक्ति" की श्रेणी में आते हैं। सीबीआई ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। सीबीआई की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू ने तर्क दिया कि धीरज को कोई गंभीर बीमारी नहीं है और उन्होंने निजी अस्पतालों से मेडिकल रिपोर्ट्स हासिल करके जमानत हासिल की। सुप्रीम कोर्ट के जज संजय कुमार और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद जमानत रद्द कर दी। 17 बैंकों को दिया धोखा यह मामला यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत पर आधारित है। शिकायत में कहा गया है कि डीएचएफएल के तत्कालीन चेयरमैन और प्रबंध निदेशक कपिल वाधवान, निदेशक धीरज वाधवान और अन्य आरोपियों ने मिलकर 17 बैंकों के एक समूह को धोखा देने के लिए आपराधिक साजिश रची। इस साजिश के तहत, उन्होंने बैंकों से 42,871.42 करोड़ रुपए के बड़े कर्ज मंजूर कराए गए। सीबीआई का दावा है कि इस राशि का बड़ा हिस्सा गलत तरीके से निकालकर इस पैसे का गलत इस्तेमाल किया। डीएचएफएल की बहीखातों में हेराफेरी करके यह घोटाला किया गया।

सुप्रीम कोर्ट बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन मामले में 8 अगस्त को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली,(ईएमएस)। 8 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन मामले में सुनवाई करने वाला है। मंदिर की प्रबंधन समिति की ओर से दायर याचिका पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ सुनवाई करेगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट से सुनवाई टालने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था कि याचिकाकर्ताओं को भी अपने सुझाव देने का मौका मिलना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इस अनुरोध को स्वीकार कर सुनवाई को 8 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया। वहीं मामले में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) के. एम. नटराज ने अध्यादेश का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार का उद्देश्य धार्मिक गतिविधियों में हस्तक्षेप करना नहीं है, बल्कि मंदिर के बेहतर प्रशासन को सुनिश्चित करना है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि बांके बिहारी मंदिर के ऐतिहासिक महत्व और रोज़ाना आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को देखते हुए मंदिर के कोष में संभावित कुप्रबंधन को रोकना ज़रूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही एक समिति बनाने का संकेत दिया था। इस समिति की अध्यक्षता हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज या किसी वरिष्ठ जिला न्यायाधीश को सौंपी जा सकती है। यह समिति मंदिर के कोष और खर्चों की निगरानी करेगी। याचिकाकर्ताओं ने बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के 2025 के अध्यादेश को चुनौती दी है।

नीति आयोग ने आईईएमआई किया लॉन्च, इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में देगा बढ़ावा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। नीति आयोग ने भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इंडेक्स (आईईएमआई) लॉन्च किया है। आईईएमआई अपनी तरह का पहला उपकरण है, जिसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लक्ष्यों को हासिल करने में प्रगति को ट्रैक और बेंचमार्क करने के लिए डेवलप किया है। आईईएमआई तीन मुख्य विषयों में आने वाले 16 संकेतकों के आधार पर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को ट्रैक करता है और 100 में से अंक देता है। ये तीन मुख्य विषय बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए परिवहन में इलेक्ट्रीकरण में हुई प्रगति, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में हुए विकास को ट्रैक करने के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की तैयारी और ईवी रिसर्च एंड इनोवेशन का स्टेटस की स्थिति हैं। आईईएमआई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मूल्यांकन को सक्षम बनाता है, सफलता के प्रमुख कारकों के साथ-साथ लक्षित हस्तक्षेप की जरुरत वाले क्षेत्रों की पहचान करता है। इस इंडेक्स का उद्देश्य फैसले लेने में मदद करना, राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान करना है। यह इंडेक्स भारत के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी विजन को हासिल करने में राज्य-स्तरीय समन्वय, इंटीग्रेटेड योजना और अंतर-क्षेत्रीय सहयोग के महत्व को बताता है। इंडेक्स का उद्देश्य शक्तियों और कमियों की पहचान कर स्थानीय जरुरतों को पूरा करते हुए राज्यों को राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाने में मदद प्रदान करना है।

स्टार आमिर खान ने छोड़ा आलीशान घर, बांद्रा वेस्ट में हुए शिफ्ट

मुंबई,(ईएमएस)। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने मुंबई के बांद्रा वेस्ट में कुछ दिनों के लिए शिफ्ट होने का फैसला किया है। उन्होंने पाली हिल में चार लग्जरी अपार्टमेंट्स किराए पर लिए हैं, जिनका महीने का किराया 24.5 लाख रुपए है। रिपोर्ट में इसका कारण बताया कि आमिर खान के विर्गो हाउसिंग सोसाइटी में मौजूद फ्लैट्स में इन दिनों हाई-प्रोफाइल रीडेवलपमेंट का काम चल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक आमिर खान ने मई 2025 से मई 2030 तक के लिए पांच साल का लीज एग्रीमेंट साइन किया है, जिसमें 45 महीने की लॉक-इन अवधि शामिल है। इस डील में 1.46 करोड़ रुपए से ज्यादा का सिक्योरिटी डिपोजिट, चार लाख रुपए की स्टांप ड्यूटी और 2,000 रुपए की रजिस्ट्रेशन फीस शामिल है। हर साल किराए में 5 फीसदी की बढ़ोतरी की जाएगी। बताया जा रहा है कि विर्गो कॉम्प्लेक्स अब अल्ट्रा-प्रीमियम सी-फेसिंग रेसिडेंसेज के साथ तैयार किया जा रहा है, जिनकी कीमत एक लाख रुपए प्रति वर्ग फुट से भी ज्यादा होने की उम्मीद है। कुछ नए यूनिट्स की अनुमानित कीमत 100 करोड़ रुपए से ज्यादा बताई जा रही है। फिलहाल आमिर खान का नया अस्थायी ठिकाना विल्नोमोना है, जो पूजा कासा से सिर्फ 750 मीटर की दूरी पर है। जहां इन दिनों शाहरुख खान अपने परिवार के साथ रह रहे हैं, जब तक कि उनके बंगले मन्नत की मरम्मत का काम पूरा नहीं हो जाता।

प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम में भगदड़, 2 की मौतःएमपी के सीहोर में कांवड़ यात्रा में शामिल होने पहुंचे थे, भीड़ में दबने से जान गई

सीहोरः सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में मंगलवार को भारी भीड़ के चलते भगदड़ में दो लोगों की मौत हो गई। 8 से 10 श्रद्धालु चक्कर और घबराहट की शिकायत के बाद अस्पताल पहुंचे हैं। जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है।

प्रदीप मिश्रा बुधवार को कुबेरेश्वर धाम से चितावलिया हेमा गांव तक कांवड़ यात्रा निकालने वाले हैं। इसमें शामिल होने के लिए एक दिन पहले ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भंडारे, ठहराव और दर्शन के लिए जगह कम पड़ने लगी, जिससे भीड़ बेकाबू हो गई। कई स्थानों पर अफरातफरी का माहौल बन गया। तीन लोग नीचे गिर गए। इनमें से दो की दबने से मौत हो गई।

घायलों को अस्पताल ले जाने में लगे डेढ़ घंटे

कुबेरेश्वर धाम के आसपास इतनी ज्यादा भीड़ है कि घायलों को जिला अस्पताल ट्रॉमा सेंटर लाने में डेढ़ घंटे का समय लग गया। घटना के 3 घंटे बाद भी स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन दोनों मृतकों की पहचान नहीं कर सका है। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. प्रवीर गुप्ता ने हादसे को लेकर कुछ भी कहने से मना कर दिया।

विधायक बोले- प्रशासन ने पूरे इंतजाम किए, लेकिन भीड़ बढ़ी

मानसून सत्र के लिए भोपाल पहुंचे सीहोर विधायक सुदेश राय ने हादसे को लेकर कहा, बेहद दुख की बात है। मैंने मुख्यमंत्री मोहन यादव जी को भी इसकी जानकारी दी है। कुबेरेश्वर धाम में बुधवार को कांवड़ यात्रा है। इसमें शामिल होने दूसरे राज्यों से भी श्रद्धालु यहां आ गए हैं। पुलिस और प्रशासन ने अपनी ओर से सभी इंतजाम कर रखे हैं। भीड़ ज्यादा होने के चलते हादसे हो जाते हैं। मैं मौके पर पहुंचकर देखूंगा कि अनहोनी कैसे हुई।

4 हजार श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था

प्रशासन और आयोजकों ने दावा किया था कि 4 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था नमक चौराहा, राधेश्याम कॉलोनी, बजरंग अखाड़ा, अटल पार्क, शास्त्री स्कूल, लुर्द माता स्कूल और सीवन नदी के पास की गई थी। पूरे सावन मास प्रसादी वितरण की तैयारी भी की गई थी, लेकिन एक दिन पहले ही भीड़ का दबाव बढ़ने से व्यवस्था टूट गई।

रात 12 बजे से लागू होना था डायवर्जन प्लान

एसपी दीपक शुक्ला ने बताया था कि कांवड़ यात्रा के लिए 5 अगस्त रात 12 बजे से 6 अगस्त रात 11 बजे तक अलग-अलग डायवर्जन और पार्किंग प्लान लागू होगा। भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से भेजने और छोटे वाहनों को न्यू क्रिसेंट चौराहा से अमलाहा होते हुए भेजने की योजना थी। लेकिन हादसे के समय तक यह व्यवस्था शुरू नहीं हुई थी।

अधिकारी नियुक्त थे, फिर भी भीड़ नियंत्रण में चूक

अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह ने एसडीएम तन्नय वर्मा को पूरी व्यवस्था का प्रभारी नियुक्त किया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो सका कि हादसे के समय कितनी फोर्स और मेडिकल टीमें मौके पर तैनात थीं।

प्रियंका बोलीं- जज तय नहीं करेंगे कौन सच्चा भारतीयःसेना पर बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- राहुल सच्चे भारतीय होते तो ऐसा न कहते

नई दिल्लीः कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने मंगलवार को संसद परिसर में कहा, 'माननीय जजों का पूरा सम्मान रखते हुए मैं ये कहना चाहती हूं कि वे यह तय नहीं करेंगे कि सच्चा भारतीय कौन है।' उन्होंने कहा, 'सरकार से सवाल पूछना विपक्ष के नेता का कर्तव्य है। मेरा भाई कभी भी सेना के खिलाफ नहीं बोलेगा, उनके प्रति सम्मान रखता है। भाई की बातों का गलत मतलब निकाला गया।' इधर, संसद भवन में NDA संसदीय दल की बैठक में पीएम मोदी ने इसी मुद्दे पर कहा, 'सुप्रीम कोर्ट की इससे बड़ी फटकार हो ही नहीं सकती।'

दरअसल, प्रियंका का ये जवाब सुप्रीम कोर्ट के राहुल के 'सच्चे भारतीय' होने पर उठाए सवाल पर आया। 4 अगस्त को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सेना पर की गई टिप्पणी मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने कहा था कि सच्चा भारतीय ऐसा नहीं कहेगा। आपको कैसे पता चला कि चीन ने

भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है। 16 दिसंबर 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल ने विवादित बयान दिया था। कहा था- लोग भारत जोड़ो यात्रा के बारे में पूछेंगे, लेकिन चीन ने 2000 वर्ग किमी भारतीय जमीन कब्जा की है, 20 भारतीय सैनिक मारे गए और हमारे सैनिकों को अरुणाचल में पीटा जा रहा है, उसके बारे में बात नहीं कर रहे हैं।

इस पूरे मामले को 2 पॉइंट्स में समझिए

4 अगस्तः सुप्रीम कोर्ट ने कहा- ये बातें संसद में क्यों नहीं कहते

सेना पर दिए बयान से जुड़ी राहुल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- आप विपक्ष के नेता हैं। ये बातें संसद में क्यों नहीं कहते। सोशल मीडिया की क्या जरूरत है? कैसे पता चला कि चीन ने 2000 वर्ग किमी क्षेत्र कब्जा लिया। क्या आप वहां थे। कोई प्रमाण है। हालांकि, इस केस में लखनऊ की अदालत में उनके खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने यूपी सरकार और शिकायतकर्ता से तीन हफ्ते में जवाब मांगा है। 29 मई को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी थी। राहुल ने निचली अदालत से अपने खिलाफ जारी समन को चुनौती दी है। शिकायतकर्ता उदय शंकर श्रीवास्तव ने कहा था कि दिसंबर 2022 में भारत जोड़ो यात्रा में राहुल ने चीन के संदर्भ में भारतीय सेना पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

3 अप्रैल 2025: राहुल का दावा- चीन ने हमारी 4 हजार वर्ग किमी जमीन कब्जाई

चीन के भारतीय जमीन को कब्जाने पर राहुल कई बार बयान दे चुके हैं। भारत जोड़ो यात्रा में उन्होंने इस मुद्दे पर कई बार की। इस साल 3 अप्रैल को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारत-चीन के राजनयिक संबंधों की 75वीं सालगिरह के जश्न को लेकर सरकार को घेरा था। उन्होंने कहा था कि चीन हमारे 4 हजार वर्ग किमी इलाके पर कब्जा करके बैठा है, लेकिन मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि हमारे विदेश सचिव (विक्रम मिसरी) चीनी राजदूत के साथ केक काट रहे थे। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान राहुल ने कहा था कि हम सामान्य स्थिति के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उससे पहले हमें अपनी जमीन वापस मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि मुझे पता चला कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने चीनी राजदूत को चिट्ठी लिखी है और यह भी हमें दूसरों से पता चल रहा है।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा- सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 8 अगस्त को

आज ही के दिन अनुच्छेद 370 हटाने के बाद सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश बनाया था

नई दिल्लीः जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की खबरों के बीच सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर 8 अगस्त को सुनवाई होगी। जम्मू-कश्मीर के प्रोफेसर जहूर अहमद भट्ट और सोशल वर्कर खुर्शीद अहमद मलिक ने यह याचिका दायर की है। इसमें केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर का निर्धारित समय सीमा में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का निर्देश देने की बात कही है। याचिका में दलील दी गई है कि जम्मू-कश्मीर में पंचायती चुनाव और नगर निकाय चुनाव हो चुके हैं। मौजूदा सुरक्षा और प्रशासनिक स्थिति राज्य का दर्जा बहाल करने के अनुकूल है। लंबे समय तक राज्य का दर्जा न बहाल करना नागरिक अधिकारों का उल्लंघन है। दरअसल, 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाने के बाद केंद्र सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश बनाया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में केंद्र के फैसले को चुनौती दी गई। दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य से आर्टिकल 370 हटाने और विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करने को सही माना था। तब सुप्रीम कोर्ट के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आश्वासन दिया था कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करेगी। हालांकि कोर्ट ने इस बहाली के लिए कोई स्पष्ट समय सीमा नहीं दी थी।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की अटकलें

केंद्र सरकार जल्द ही जम्मू-कश्मीर को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा दे सकती है। इसे लेकर पिछले 4 दिन अटकलें चलीं कि सरकार मंगलवार को इसका ऐलान कर सकती है। इस बीच सोमवार को सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा, कल जम्मू-कश्मीर को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन मेरी समझ कहती है कि कल कुछ खास नहीं होगा। न कुछ बुरा होगा, न ही कोई अच्छा फैसला आएगा।

शाह सबसे लंबे समय गृह मंत्री रहने वाले व्यक्ति बनेः पद पर आज 2258वां दिन, 2019 में शपथ ली थी

नई दिल्लीः अमित शाह मंगलवार को भारत के सबसे लंबे समय तक केंद्रीय गृह मंत्री रहने वाले व्यक्ति बन गए हैं। वे 2,258 दिनों से पद पर हैं। शाह ने 30 मई, 2019 को मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में गृह मंत्री का कार्यभार संभाला था। शाह ने गृह मंत्री का पहला कार्यकाल 9 जून 2024 को पूरा किया था। 10 जून, 2024 को वे फिर से गृह मंत्री बने और तब से इस पद पर हैं। गृह मंत्रालय के अलावा, वे देश के पहले सहकारिता मंत्री भी हैं। इससे पहले शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और गुजरात के गृह मंत्री रह चुके हैं। इत्तफाक से, शाह ने सबसे लंबे समय तक गृह मंत्री रहने की उपलब्धि 5 अगस्त को हासिल की है। इसी दिन 2019 में, उन्होंने संसद में जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल-370 को निरस्त करने की घोषणा की थी। इसके बाद जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म हो गया था।

उन्होंने बतौर गृह मंत्री, भाजपा के दिग्गज नेता लाल कृष्ण आडवाणी का रिकॉर्ड तोड़ दिया

है। आडवाणी 19 मार्च, 1998 से 22 मई, 2004 तक, कुल 2,256 दिनों तक देश के गृह मंत्री पद पर रहे थे। आडवाणी के बाद कांग्रेस नेता गोविंद बल्लभ पंत सबसे लंबे समय तक गृह मंत्री रहने वाले तीसरे व्यक्ति हैं।

मोदी ने इंदिरा का रिकॉर्ड तोड़ा, पीएम पद पर नेहरू के कार्यकाल से पीछे

इससे पहले, नरेंद्र मोदी 25 जुलाई को भारत के लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले दूसरे पीएम बने थे। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 4077 दिनों (24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977) का रिकॉर्ड तोड़ा है। पीएम मोदी ने 25 जुलाई को प्रधानमंत्री पद पर 4078 दिन पूरे कर लिए थे। सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड जवाहरलाल नेहरू के नाम है। वो 15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964 तक यानी लगातार कुल 6126 दिन तक इस पद पर रहे। पीएम मोदी नेहरू के रिकॉर्ड से 2048 दिन पीछे हैं।

हालांकि, पीएम मोदी पहले ही तीन लगातार लोकसभा चुनाव (2014, 2019, 2024) जीतने के मामले में नेहरू की बराबरी कर चुके हैं। अगर वो 2029 का लोकसभा चुनाव जीतने के बाद प्रधानमंत्री बनते हैं तो लगातार पीएम बनने का रिकॉर्ड भी टूट सकता है।

पीएम मोदी सबसे लंबे समय तक निर्वाचित नेता

मोदी 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे। इसके बाद 26 मई 2014 से प्रधानमंत्री बने। इस तरह वो एक चुने हुए सरकार के मुखिया का कार्यभार राज्य-केंद्र (24 साल से ज्यादा) में संभालने वाले पहले भारतीय नेता बने हैं।

एमसीयू के मनोज की डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'परिवर्तन' को मिला प्रथम पुरस्कार

भोपाल,(ईएमएस)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के प्रोड्यूसर डॉ. मनोज पटेल की डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'परिवर्तन गाँव की कहानी, सिनेमा की जुबानी' को राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) द्वारा आयोजित 6वें राष्ट्रीय फिल्म फेस्टीवल में पहला पुरस्कार मिला है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में देशभर के प्रतिभागियों ने अपनी फिल्में प्रस्तुत कीं, जो ग्रामीण विकास से जुड़ी कहानी कहती हैं। यह फिल्म 'समाज' थीम में पुरस्कृत हुई है। इस साल के फेस्टिवल का मुख्य विषय 'पारिवारिक जीवन, समाज और आर्थिक व्यवस्था' था। डॉ. पटेल ने अपनी फिल्म 'परिवर्तन' में गांव में आए सामाजिक और आर्थिक बदलावों के साथ-साथ भारतीय सिनेमा में गांव की प्रस्तुतियों में आए बदलावों को बहुत ही प्रभावशाली ढंग से दिखाया गया है। फिल्म 'परिवर्तन' का निर्देशन एवं संपादन डॉ. मनोज पटेल ने किया है, वहीं इसकी पटकथा डॉ. केशव पटेल ने लिखी। डॉक्यूमेंट्री को संदीप शर्मा ने अपनी आवाज दी है। मनोज का कहना है कि फिल्म को मिले पुरस्कार ने ग्रामीण विकास और सिनेमा के क्षेत्र में काम करने वाले सभी कलाकारों और तकनीशियनों को नई प्रेरणा दी है।

थरूर, मनीष के बाद कीर्ति चितंबरम ने राष्ट्रीय हित को प्रथम बताया...

नई दिल्ली (ईएमएस)। इनदिनों कांग्रेस (आईएनसी) के भीतर एक नया बदलाव देखने को मिल रहा है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर, मनीष तिवारी और अब कार्ति चितंबरम जैसे वरिष्ठ नेता पार्टी लाइन से हटकर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने की बात कर रहे हैं। इस बीच, कार्ति चितंबरम का हालिया बयान ने कांग्रेस पार्टी में एक नई बहस छेड़ दी है। कार्ति चितंबरम का यह बयान तब आया है जब कांग्रेस के भीतर ही कुछ नेता राहुल गांधी की रणनीति से असहमति जता चुके है।

कार्ति ने पोस्ट में लिखा, हमें अपने राष्ट्रीय हित में काम करना चाहिए, न कि आवेगशील राष्ट्राध्यक्षों के चिड़चिड़ाहट भरी बातों से प्रभावित हो जाना चाहिए। कार्ति की यह टिप्पणी भारतीय विदेशी सरकार के उस बयान के जवाब में आई, जिसमें रूस से तेल आयात को लेकर यूरोपीय संघ और अमेरिका की आलोचना का जवाब दिया गया था। कांग्रेस नेता कार्ति का पोस्ट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर प्रहार माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने भारत को रूस से सैन्य और ऊर्जा खरीद के लिए आड़े हाथों लिया था। कीर्ति की पोस्ट को लेकर अब सोशल मीडिया पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं आईं, जहां कुछ यूजर्स ने बयान को राहुल गांधी के नेतृत्व को चुनौती' करार दिया, वहीं कुछ ने इन बयानों को 'कांग्रेस में नई सोच' की शुरुआत बताया। इसके पहले, शशि थरूर और सांसद मनीष तिवारी ने भी राष्ट्रीय हित को पार्टी हित से ऊपर रखने की बात कही थी। शशि थरूर जिनसे आजकल कांग्रेस आलाकमान के करीबी नेता नाराज चल रहे है। उन्हें हाल के दिनों में कई बार भारत की विदेश नीति की तारीफ करते दिखे हैं। उन्होंने रूस और अमेरिका के साथ संतुलित रिश्तों की वकालत की है। इसी तरह, मनीष तिवारी ने संसद में चर्चा के दौरान कहा कि भारत को अपनी स्वायत्तता बनाए रखते हुए वैश्विक मंच पर मजबूत स्थिति अपनानी चाहिए, भले ही यह पार्टी के कुछ नेताओं की राय से मेल न खाए।

लेकिन कांग्रेस के इन नेताओं का बयान राहुल गांधी की बातों के उलट दिखाता है।

राज्यसभा में सीआईएसएफ कमांडो बुलाने के विवाद पर हंगामाःखड़गे बोले- विरोध करना हमारा अधिकार, नड्डा ने कहा- ये अलोकतांत्रिक तरीका

नई दिल्लीः संसद मानसून सत्र के 12वें दिन भी विपक्ष का बिहार वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन मामले पर प्रदर्शन जारी है। लोकसभा और राज्यसभा को हंगामे के बाद 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में 1 जुलाई को सीआईएसएफ कमांडो को बुलाने का विवाद सदन में उठाया। उन्होंने कहा- विरोध करना हमारा अधिकार है। लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेंगे। खड़गे ने उपसभापति हरिवंश नारायण से कहा- सदन में सीआईएसएफ लगाया गया था, इसलिए मैं पूछना चाहता हूं कि ये सदन आप चला रहे हैं या अमित शाह चला रहे हैं। इसपर हरिवंश सिंह ने कहा- सदन में सीआईएसएफ जवान नहीं मार्शल थे। वहीं, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राज्यसभा में कहा, 'विपक्ष का तरीका अलोकतांत्रिक और नियमों के खिलाफ है। ये सदन नहीं चलना चाहते हैं। विपक्ष में रहने का ट्यूशन मुझसे ले लो, क्योंकि आपको 30-40 साल तक विपक्ष में ही रहना है।'

21 जुलाई को शुरू हुए मानसून सत्र के बाद से संसदीय कार्यवाही करीब ठप रही है। बिहार में वोटरों के वेरिफिकेशन मामले पर विपक्षी पार्टियों ने हर दिन विरोध-प्रदर्शन किए। 11 दिनों के दौरान, सिर्फ 28 और 29 जुलाई को सदन में पूरे दिन की कार्यवाही चली। दोनों दिन, पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर दोनों सदनों में चर्चा हुई थी।

लोकसभा में 2 बिल पेश हो सकते हैं

नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल 2025- खेल संगठनों और खिलाड़ियों के बेहतर संचालन और पारदर्शिता के लिए लाया गया एक कानून है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत में खेल संघ अच्छे तरीके से काम करें और खिलाड़ियों के अधिकारों और हितों की रक्षा हो।

नेशनल एंटी-डोपिंग एक्ट (अमेंडमेंट) बिल- इस बिल का मकसद खिलाड़ियों में डोपिंग को रोकना है। यह बिल नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी को ज्यादा ताकत देगा और इसे स्वतंत्र संस्था बनाकर जांच प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने की कोशिश करेगा।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक यानी कुल 32 दिन चलेगा। इस दौरान 18 बैठकें होंगी, 15 से ज्यादा बिल पेश होंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह के कारण 13-14 अगस्त को संसद की कार्यवाही नहीं होगी।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भारत विरोधी मानसिकता रखने वाले!

बीजेपी सांसद कंगना ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद लगाए आरोप

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत-चीन सीमा पर झड़पों के बाद भारतीय सशस्त्र बलों के खिलाफ राहुल गांधी की टिप्पणियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी के बाद बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने कांग्रेस सांसद पर भारत विरोधी मानसिकता रखने और दुश्मन देशों के आख्यानों के साथ जुड़ने का आरोप लगाया है। कंगना ने राहुल गांधी पर पलटवार किया जब सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता को भारतीय सेना पर उनकी टिप्पणी के लिए फटकार लगाई। उन्होंने आरोप लगाया कि वह हमेशा भारत के खिलाफ बोलते हैं, चाहे वह अर्थव्यवस्था हो या रक्षा बल। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी की टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ मानहानि की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी थी। इस यात्रा में उन्होंने कहा था कि 16 दिसंबर 2022 को अरुणाचल प्रदेश में सीमा पर चीनी सेना ने भारतीय सेना को पीटा था। रनौत ने कहा सुप्रीम कोर्ट की फटकार स्वागत योग्य कदम है। भविष्य में दूसरों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे भारत के सम्मान, अखंडता और मनोबल को ठेस न पहुंचाए। कंगना ने कहा कि 29 मई को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मानहानि की शिकायत और समन आदेश को रद्द करने से इनकार कर दिया था, जिसके बारे में राहुल गांधी ने दावा किया था कि यह दुर्भावना से प्रेरित और बेईमान इरादे से दायर किया गया था। कार्यवाही पर रोक लगाते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने गांधी की टिप्पणियों के बारे में टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि आप एक सच्चे भारतीय होते, तो आप यह सब नहीं कहते।

रूस का दावा, अमेरिका से ज्यादा परमाणु पनडुब्बियां तैनात

मॉस्को,(ईएमएस)। वरिष्ठ रूसी सांसद ने दावा किया है कि रूस के पास वर्तमान में दुनिया के महासागरों में अमेरिका से अधिक परमाणु पनडुब्बियां तैनात हैं। यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस टिप्पणी के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने दो परमाणु पनडुब्बियों को 'उपयुक्त क्षेत्रों' में भेजने की बात कही थी। ट्रंप का यह कदम पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव के अत्यधिक भड़काऊ बयानों के बाद आया था। राज्य ड्यूमा की सीआईएस मामलों के पहले उपाध्यक्ष विक्टर वोडोलात्स्की ने कहा कि ट्रंप द्वारा भेजे गए जहाज पहले से ही रूसी नियंत्रण में हैं और मॉस्को को उनकी बातों पर प्रतिक्रिया देने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, दुनिया के महासागरों में रुस की (न्यूक्लियर) पनडुब्बियां काफी ज्यादा हैं, (और उनके पास) सबसे मजबूत, सबसे शक्तिशाली हथियार हैं। वोडोलात्स्की ने ट्रंप के बार-बार बयान बदलने की प्रवृत्ति का भी जिक्र किया।

दरअसल ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पर मेदवेदेव के भड़काऊ बयानों के मद्देनजर दो परमाणु पनडुब्बियों को एहतियात के तौर पर तैनात करने का आदेश दिया था। उन्होंने चेतावनी दी कि शब्द बहुत अहम होते हैं और अनचाहे परिणामों को जन्म दे सकते हैं। हालांकि, ट्रंप ने पनडुब्बियों के प्रकार या उनकी तैनाती के स्थान का खुलासा नहीं किया। इस बीच, वोडोलात्स्की ने सुझाव दिया कि अमेरिका को रूस-अमेरिका वार्ताकार समूहों के गठन और शांति बनाए रखने के लिए एक मुख्य समझौते को अंतिम रूप देने जैसे

प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह विवाद तब शुरू हुआ जब मेदवेदेव ने एक्स पर पोस्ट किया कि ट्रंप का हर नया अल्टीमेटम अमेरिका और रूस के बीच युद्ध की ओर एक कदम है। यह टिप्पणी ट्रंप द्वारा रूस-यूक्रेन संघर्षविराम की समयसीमा को 50 दिनों से घटाकर 10 दिन करने के जवाब में आई थी।

अमेरिका अपनी वैश्विक प्रभुत्व की गिरावट को नहीं कर पा रहा स्वीकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के खिलाफ एक और टैरिफ लगाने की धमकी दे दी। ट्रंप ने सोमवार को एक पोस्ट में कहा कि भारत 'रूस से भारी मात्रा में तेल खरीद रहा है और उसे खुले बाजार में मुनाफा कमा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि भारत से लिए जाने वाले टैरिफ को अब काफी बढ़ा दिया जाएगा।

ट्रंप की धमकी से भारत के सब्र का बांध भी आखिरकार टूट गया। वहीं इस मुद्दे पर रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा ने भी अमेरिका की नीतियों पर तीखा हमला किया। उन्होंने ट्रंप को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि इस तरह दबाव बनाने की उनकी रणनीति अब काम नहीं आएगी। जाखारोवा ने अमेरिका पर 'राजनीतिक रूप से प्रेरित आर्थिक दबाव' और 'वैश्विक बहुध्रुवीय व्यवस्था को कमजोर करने' का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपनी वैश्विक प्रभुत्व की गिरावट को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। ऐसे में वह स्वतंत्र विदेश नीति अपनाने वाले देशों पर टैरिफ और प्रतिबंधों के जरिए दबाव बना रहा है। यह नीति फ्री ट्रेड के उन सिद्धांतों के खिलाफ है, जिनका खुद पश्चिम ने कभी समर्थन किया था।

रूस ने भारत का बचाव करते हुए कहा कि कोई भी टैरिफ वॉर या प्रतिबंध इतिहास की प्राकृतिक दिशा को नहीं रोक सकते। ब्रिक्स और वैश्विक दक्षिण के देश इस नई बहुध्रुवीय व्यवस्था के साथ हैं। भारत की ओर से विदेश मंत्रालय ने भी ट्रंप की टिप्पणी को अनुचित और निराधार बताया और कहा कि भारत की ऊर्जा नीति पूरी तरह राष्ट्रीय हितों के अनुरूप है। ट्रंप की धमकी के बाद भारत और रूस दोनों ने साफ कर दिया है कि वे किसी बाहरी दबाव में नहीं आने वाले।

विदेश मंत्री जयशंकर ने जहां परंपरा और पहचान को भारत की कूटनीतिक शक्ति बताया, वहीं रूस ने अमेरिका के एकतरफा कदमों की आलोचना करते हुए बहुध्रुवीय व्यवस्था के पक्ष में खड़े होने की बात कही है। ये दिखाता है कि भारत अब वैश्विक राजनीति में आत्मविश्वास के साथ खड़ा है। अपने हितों की रक्षा के लिए और किसी की दादागिरी मानने के लिए नहीं।

बता दें जयशंकर ने दिल्ली में एक मंच से सीधे तौर पर अमेरिकी दबाव और पश्चिमी आलोचनाओं का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम जटिल और अनिश्चित समय में जी रहे हैं। हमारी सामूहिक इच्छा एक न्यायपूर्ण वैश्विक व्यवस्था की है, जो कुछ देशों के प्रभुत्व वाली नहीं हो। यह संतुलन केवल राजनीतिक या आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपराओं के जरिए भी आता है। जयशंकर का बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और यूरोपीय देशों की ओर से रूस से तेल आयात को लेकर भारत पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है।

रुस ने अमेरिका को दिखाया आईना... बिक्स समूह के देशों का दिया हवाला

रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन की व्यापार नीतियों की कड़ी आलोचना की है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने आरोप लगाया है कि अमेरिका अपनी वैश्विक सत्ता बनाए रखने के लिए अन्य देशों पर टैरिफ और आर्थिक दबाव का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका उन देशों को निशाना बना रहा है जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्वतंत्र नीति अपनाते हैं। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता जखारोवा ने इसे नव-उपनिवेशवादी नीति बताया और कहा कि अमेरिका वाशिंगटन के प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए ग्लोबल साउथ के देशों पर दबाव डाल रहा है।

दरअसल रूस की यह टिप्पणी तब आई है जब डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति रहते हुए कई देशों पर टैरिफ लगाए थे। जखारोवा ने कहा कि अमेरिका की यह कार्रवाई पूरी दुनिया को प्रभावित कर रही है। उनका आरोप है कि अमेरिका यह स्वीकार नहीं कर पा रहा है कि वैश्विक व्यवस्था बदल रही है और उसका प्रभुत्व घट रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि टैरिफ और प्रतिबंधों के जरिए इतिहास के स्वाभाविक बदलाव को रोका नहीं जा सकता है।

जखारोवा ने कहा कि रूस को बड़ी संख्या में सहयोगी और समान विचारधारा वाले देशों का समर्थन प्राप्त है, खासकर बिक्स समूह के देशों का। उन्होंने कहा कि बिक्स के सदस्य देश एक जैसी सोच साझा करते हैं और रूस इस समूह के साथ सहयोग मजबूत करने और अवैध प्रतिबंधों का विरोध करने के लिए तैयार है। बिक्स में अभी ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। 2025 में इंडोनेशिया भी इसमें शामिल हो जाएगा।

जेलेंस्की का दावा- रूस की तरफ से लड़ रहे चीन-पाकिस्तान से आए भाड़े के सैनिक

कीव(ईएमएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा करते हुए कहा कि उनके देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में यूक्रेनी सैनिकों को रूस की ओर से लड़ रहे विदेशी भाड़े के सैनिकों (मर्सिनरीज) का सामना करना पड़ रहा है। इन सैनिकों में चीन, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और अफ्रीका के कुछ हिस्सों से आए लोग शामिल हैं। जेलेंस्की ने इस मामले में कड़ा जवाब देने की बात कही है। जेलेंस्की ने यह बयान खार्किव क्षेत्र में एक फ्रंटलाइन क्षेत्र का दौरा करने के बाद दिया, जहां उन्होंने 57वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड के सैनिकों और कमांडरों से मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमने कमांडरों के साथ फ्रंटलाइन की स्थिति, ववचान्स्क की रक्षा और युद्ध के ताजा हालातों पर चर्चा की। इस क्षेत्र में हमारे सैनिकों ने बताया कि चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, पाकिस्तान और अफ्रीकी देशों से आए भाड़े के सैनिक युद्ध में भाग ले रहे हैं। हम इसका जवाब देंगे।

यूक्रेनी सैन्य और खुफिया सूत्रों के अनुसार, विदेशी भाड़े के सैनिक रूस की प्राइवेट सैन्य कंपनियों जैसे वैगनर ग्रुप या रूसी रक्षा मंत्रालय से संबद्ध नई इकाइयों के तहत काम कर रहे हैं। ये समूह आर्थिक रूप से कमजोर या राजनीतिक रूप से अस्थिर क्षेत्रों, विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया से लड़ाकों की भर्ती करने के लिए जाने जाते हैं। यूक्रेनी अधिकारियों का दावा है कि युद्ध के मैदान से प्राप्त साक्ष्य, जैसे कि जब्त किए गए दस्तावेज विभिन्न देशों से आए विदेशी लड़ाकों की मौजूदगी की पुष्टि करते हैं। जेलेंस्की ने पहले भी रूस पर चीनी लड़ाकों को भर्ती करने का आरोप लगाया था, जिसे बीजिंग ने सिरे से खारिज कर दिया था। इसके अलावा, उत्तर कोरिया ने भी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में हजारों सैनिक भेजे हैं। ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और पाकिस्तान के दूतावासों से इस मामले पर टिप्पणी के लिए संपर्क किया, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। रूस ने भी जेलेंस्की के इन दावों पर तत्काल कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है। इस साल की शुरुआत में, जेलेंस्की ने दावा किया था कि रूस ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में 100 से अधिक चीनी नागरिकों को तैनात किया है।

रूसी ड्रोनों में भारतीय कंपनियों के पुर्जों के इस्तेमाल का आरोप

यूक्रेन ने आरोप लगाया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में इस्तेमाल हो रहे रूसी ड्रोनों में भारत में बने या असेंबल किए गए इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे मिले हैं। यूक्रेन ने इस मुद्दे को भारत सरकार और यूरोपीय संघ के सामने भी उठाया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यूक्रेनी अधिकारियों ने जांच के दौरान ईरानी शहीद-136 ड्रोन में भारतीय कंपनियों के पुर्जे मिलने का दावा किया है। रूस इन ड्रोनों का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ कर रहा है। यूक्रेन के मुताबिक, दो भारतीय कंपनियों विशय इंटरटेक्नोलॉजी और ऑरा सेमीकंडक्टर के के इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे ड्रोन में मिले हैं। इसमें से एक पुर्जा, विशय इंटरटेक्नोलॉजी का ब्रिज रेक्टिफायर ई300359, ड्रोन के वोल्टेज रेगुलेटर इकाई में लगा था।

25 की युवती को हुआ 76 साल के बुजुर्ग से प्यार

सैन डिएगो (ईएमएस)। अमेरिका के सैन डिएगो की रहने वाली 25 वर्षीय डायना मोंटानो को 76 साल के एडगर से प्यार हो गया, जो उनसे पूरे 51 साल बड़े हैं। उम्र के इस बड़े फासले को नजरअंदाज करते हुए डायना ने एडगर को अपना जीवनसाथी मान लिया है और दोनों अब रोमांटिक रिश्ते में हैं।

डायना बताती हैं कि उन्हें प्यार की तलाश नहीं थी। लेकिन एक संयोग के चलते उनकी मुलाकात एडगर से हो गई। दिलचस्प बात ये है कि एडगर की एक्स-गर्लफ्रेंड ने ही दोनों का परिचय कराया था। शुरू में डायना को यह रिश्ता सामान्य दोस्ती जैसा ही लगा। लेकिन जुलाई 2023 में जब डायना की उम्र 23 साल थी, एडगर ने उनसे उनका नंबर मांगा। बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ और डायना को एडगर का व्यवहार, सोच और शालीनता काफी पसंद आने लगी। उन्हें कभी उम्मीद नहीं थी कि इतने उम्रदराज शख्स के साथ उनका रिश्ता इतना खास बन जाएगा। धीरे-धीरे दोनों एक-दूसरे के करीब आने लगे और एक साल की बातचीत के बाद दोनों साथ में हवाई यात्रा पर गए। वहां

एडगर ने डायना से मजाक में कहा कि काश वो जवान होते तो डायना से शादी कर लेते। इस पर डायना ने तुरंत जवाब दिया कि मैं तो अब भी तुमसे शादी कर सकती हूं। इस पल ने उनके रिश्ते को एक नई दिशा दी और डायना ने एडगर की गर्लफ्रेंड बनने का फैसला कर लिया। डायना का कहना है कि एडगर के साथ उनका रिश्ता बेहद सच्चा, स्थिर और भावनात्मक रूप से मजबूत है। वे खुद को उनके साथ सुरक्षित और खुश महसूस करती हैं। हालांकि, जब डायना ने अपने परिवार को इस रिश्ते के बारे में बताया, तो उन्हें तीव्र विरोध का सामना करना पड़ा। उनकी मां ने साफ तौर पर नाराजगी जताई और उनके पिता भी खुश नहीं थे। हालांकि उनकी मौसी ने उनका समर्थन किया और समय के साथ पिता ने भी डायना के फैसले को स्वीकार कर लिया। डायना कहती हैं कि वह एक व्यस्क हैं और अपने फैसले खुद लेने में सक्षम हैं। डायना के मुताबिक, एडगर अपनी उम्र से कहीं ज्यादा एक्टिव हैं। वे स्काईडाइविंग, जिम, हाइकिंग और स्कीइंग जैसी ऐक्टिविटीज़ में हिस्सा लेते हैं। डायना को लगता है कि उन्होंने अपने सच्चे जीवनसाथी को पा लिया है और उनके लिए उम्र महज एक संख्या है।सोशल मीडिया पर भी उनके रिश्ते को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आईं।

गाजा में एक राहत शिविर में बने चैरिटी किचन से खाना प्राप्त करने का इंतजार करते हुए।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो नजरबंद

ब्राजीलिया,(ईएमएस)। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जैयर बोलसोनारो को सुप्रीम कोर्ट ने हाउस अरेस्ट यानी नजरबंद करने का आदेश दिया है। उन पर देश में तख्तापलट करने की साजिश रचने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और ब्राजील के बीच ट्रेड वॉर तेज़ हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ने यह आदेश दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो ने पिछले महीने सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर लगे बैन का उल्लंघन किया। वे अपने तीन सांसद बेटों के सोशल मीडिया अकाउंट्स के ज़रिए कंटेंट पोस्ट कर रहे थे। इसके अलावा उन्होंने रियो डी जेनेरियो में अपने समर्थकों को भी संबोधित किया जो नियमों के खिलाफ था। सुप्रीम कोर्ट के नजरबंद करने के आदेश के बाद पुलिस बोलसोनारो के घर पहुंची। पुलिस ने उनका मोबाइल ज़ब्त कर उन्हें घर में ही नजरबंद कर दिया है। उन्हें अब कहीं आने-जाने की इजाज़त नहीं है। बोलसोनारो के साथ-साथ उनके 33 सहयोगियों पर भी सरकार नजर रखी है। इन सभी पर लोकतंत्र को खत्म करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश का आरोप है।

लेबनान में बेरुत बंदरगाह पर हमले के पांच साल पूरे होने पर एकत्र लोगों को संबोधित करते हुए धमाके में मारे गये एक व्यक्ति का रिश्तेदार।

बांग्लादेश में 2024 से 2025 के बीच मॉब लिंचिंग में 637 लोग मारे गए

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश में मॉब लिंचिंग की घटनाओं को लेकर चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश में अगस्त 2024 से जुलाई 2025 के बीच मॉब लिंचिंग की घटनाओं में कम से कम 637 लोग मारे गए, जिनमें 41 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। अगस्त 2024 में हुए विद्रोह के बाद पीएम शेख हसीना के सत्ता से हटने के कारण राजनीतिक अस्थिरता बढ़ी और तभी से बांग्लादेश में भीड़ द्वारा हिंसा में वृद्धि देखी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में शेख हसीना सरकार के दौरान 51 लिंचिंग की घटनाएं हुई थीं, लेकिन 2024-25 में यह संख्या 12 गुना से ज्यादा हुई। 4 अगस्त 2024 को जशोर स्थित 'द जबीर जशोर होटल' में 24 लोगों को जलाकर मार दिया गया। 25 अगस्त 2024 को नारायणगंज के रूपगंज में गाजी टायर्स में 182 लोगों को जिंदा जला दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ितों के नाम और विवरण सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मीडिया पर कड़ी सेंसरशिप के कारण वे मॉब लिंचिंग से हुई सभी मौतों की पूरी जानकारी एकत्र नहीं कर सके और इस सूची को अपूर्ण माना जाना चाहिए।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि राजनीतिक अस्थिरता और कमजोर सरकारी नियंत्रण के

कारण कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हुई। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद न्याय व्यवस्था में लोगों का भरोसा उठ गया लोगों ने कानून अपने हाथ में ले लिया। पुलिस बल कमजोर, अदालतें ठप और नेता या तो निशाने पर थे या छिप गए। रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्थान अब भीड़ द्वारा हत्या के केंद्र बन गए हैं। ये हत्याएं अक्सर सिर्फ शक, अफवाह या राजनीतिक नाराजगी के चलते हुई हैं। स्थानीय मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक अगस्त 2024 के बाद 70 फीसदी से ज्यादा मॉब लिंचिंग पीड़ित पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी अवामी लीग या इसके छात्र और मजदूर संगठनों से जुड़े थे। अन्य पीड़ितों में धार्मिक अल्पसंख्यक और अहमदिया मुस्लिम, शामिल थे। बांग्लादेश में एक भयावह घटना 9 जुलाई को मिटफोर्ड अस्पताल के बाहर हुई, जहां एक सामाजिक कार्यकर्ता लाल चंद सोहाग की भीड़ ने सार्वजनिक रूप से हत्या कर दी। उनकी मौत को सोशल मीडिया पर लाइव स्ट्रीम किया गया, जिससे जनता में आक्रोश और डर फैल गया।

रिपोर्ट के मुताबिक गलत सूचना और भड़काऊ सामग्री ने मिनटों में भीड़ को उकसाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक फेसबुक पोस्ट में दावा किया गया कि एक हिंदू शख्स ने दूसरे समुदाय की भावनाओं को आहत किया, जिसके बाद भीड़ ने हमला कर दिया इस हमले में दो लोगों की जान चली गई और कई घर जला दिए गए। मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सतर्कता न्याय पर रोक लगाने का वादा किया, लेकिन ये वादे खोखले साबित हुए। भीड़ द्वारा हत्या के मामलों में केवल कुछ गिरफ्तारियां हुईं और बहुत कम लोगों को सजा मिली। आलोचकों का कहना है कि यूनुस सरकार ने कानून व्यवस्था बहाल करने के बजाय राजनीतिक मजबूती पर ध्यान दिया। इससे बांग्लादेश के संस्थानों में लोगों का भरोसा और कम हुआ है। एक हालिया सर्वेक्षण के मुताबिक 71 फीसदी बांग्लादेशी युवा मानते हैं कि भीड़ हिंसा अब सार्वजनिक जीवन का हिस्सा बन चुकी है और 47 फीसदी को डर है कि वे राजनीतिक रूप से प्रेरित हमलों का निशाना बन सकते हैं। रिपोर्ट में चेतावनी दी कि अगर पुलिस पुनर्गठन, न्यायिक स्वतंत्रता, डिजिटल फेक न्यूज कंट्रोल और नागरिक शिक्षा सहित तत्काल और प्रणालीगत सुधार नहीं किए गए तो भीड़ बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य का स्थायी हिस्सा बन सकती है।

हसीना की सत्ता के पतन के बाद आज कितना बदला बांग्लादेश

बांग्लादेश में पिछले साल 5 अगस्त को एक बड़ा बदलाव देखने को मिला था, जब छात्रों के नेतृत्व में एक विशाल आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़कर भागना पड़ा था। यह आंदोलन सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली के खिलाफ शुरू हुआ था, लेकिन जल्द ही यह हसीना की 15 साल पुरानी सरकार के खिलाफ एक जन आंदोलन में बदल गया। 1 जुलाई 2024 को, विश्वविद्यालय के छात्रों ने सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया। यह विरोध प्रदर्शन पूरे देश में फैल गया। 5 अगस्त 2024 तक, प्रदर्शनकारी ढाका में प्रधानमंत्री आवास को घेरने में कामयाब हो गए। इस दौरान देशभर में हिंसा हुई, जिसमें लगभग 1,400 लोगों की जान चली गई। बढ़ती हिंसा और दबाव के कारण, शेख हसीना को हेलीकॉप्टर से भागना पड़ा। उनके सत्ता से हटने के बाद, नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का नेतृत्व सौंपा गया।

लेकिन शेख हसीना के हटने के बाद, बांग्लादेश में कई बड़े बदलाव हुए हैं, लेकिन कुछ चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार बनी, जिसने देश में राजनीतिक सुधार और चुनाव कराने के लिए कदम उठाए। इस सरकार ने राष्ट्रीय सहमति आयोग जैसे कई आयोगों का गठन किया। हसीना के जाने के बाद, देश में कट्टरपंथ बढ़ गया है, जिससे खासकर हिंदुओं जैसे अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं। ह्यूमन राइट्स वॉच जैसी संस्थाओं ने अंतरिम सरकार की आलोचना की है कि वह मानवाधिकारों की रक्षा करने में विफल रही है। हसीना के समर्थकों और विपक्षी दल पर भी हमले की खबरें आई हैं। अभी तक राजनीतिक दलों के बीच चुनाव की तारीख और प्रक्रिया को लेकर सहमति नहीं बन पाई है। बांग्लादेश एशिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, लेकिन राजनीतिक अस्थिरता ने देश के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

संक्षेप में, शेख हसीना के जाने के बाद बांग्लादेश में एक नए युग की शुरुआत हुई है, लेकिन यह नया युग राजनीतिक अनिश्चितता, हिंसा और अल्पसंख्यकों पर बढ़ते हमलों की चुनौतियों से घिरा हुआ है।

डांस और पार्टी करने के लिए ट्रंप व्हाइट हाउस में बना रहे 1750 करोड़ रुपये में बॉलरूम

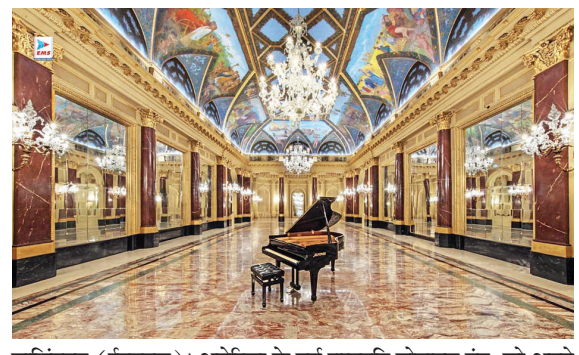

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो अपने चुनावी कैंपेन और विक्ट्री स्पीच के दौरान वाईएमसीए गाने पर थिरकने के लिए जाने जाते हैं। कहा जा रहा है कि उनकी प्राथमिकता हमेशा दो चीजों पर रही है टैरिफ और डांस। अब ट्रंप सरकार व्हाइट हाउस के बॉलरूम का विस्तार करने की तैयारी में है। यह बॉलरूम, जो कि आप ट्रंप का डांस स्टूडियो भी कह सकते हैं, वह जगह है जहाँ पार्टियाँ होती हैं और मेहमान डांस करते हैं। व्हाइट हाउस द्वारा जारी बयान के अनुसार, नए बॉलरूम के निर्माण में 1750 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। नया बॉलरूम लगभग 90,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला होगा। पुराने बॉलरूम में 200 मेहमानों के लिए जगह थी, लेकिन नए में 650 मेहमानों को समायोजित किया जा सकेगा। इस बॉलरूम की पूरी थीम सुनहरे रंग की होगी। इसके निर्माण के लिए मध्यकालीन यूरोपीय निर्माण कला का उपयोग किया जाएगा। डांस फ्लोर के साथ-साथ, मेहमानों के बैठने और डिनर की भी व्यवस्था होगी।

मेलानिया ट्रंप का कार्यालय शिफ्ट होगा : दिलचस्प है कि व्हाइट हाउस के जिस पूर्वी हिस्से में नया बॉलरूम बनाया जाएगा, वहीं ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप का कार्यालय है। इसका मतलब है कि इस डांस स्टूडियो के लिए मेलानिया का कार्यालय भी पूर्वी हिस्से से दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा। राष्ट्रपति के रूप में, ट्रंप ने अपनी रियल एस्टेट की सफलता को बनाए रखने के लिए कई तरीके खोजे हैं। एक बिल्डर और डेवलपर से राजनेता बने ट्रंप ने लग्जरी होटल टावरों और कंट्री क्लबों से अपना ध्यान अब अपने वर्तमान निवास, व्हाइट हाउस पर केंद्रित कर दिया है। जनवरी में पदभार ग्रहण करने के बाद से, ट्रंप ने ओवल ऑफिस को फिर से सजाया है और रोज़ गार्डन को पक्का करवाया है। वाशिंगटन, डीसी स्थित जिम मैक्रेरी के नेतृत्व वाली फर्म मैक्रेरी आर्किटेक्ट्स ने अतिरिक्त भवन का डिज़ाइन तैयार किया है। एईकॉम इंजीनियरिंग इंजीनियरिंग प्रदान करेगा और क्लार्क कंस्ट्रक्शन इमारत का निर्माण करेगा। मैक्रेरी कैथेड्रल और कैथोलिक चर्चों में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं और ट्रंप की तरह ही शास्त्रीय और पारंपरिक डिज़ाइन के प्रति अपनी श्रद्धा को खुलकर व्यक्त करते हैं।

लॉस एंजेलिस में म्यूजिक फेस्टिवल में गोलीबारी, दो की मौत, 6 घायल

लॉस एंजेलिस,(ईएमएस)। अमेरिका के लॉस एंजेलिस के डाउनटाउन इलाके में म्यूजिक फेस्टिवल के बाद आफ्टर-पार्टी चल रही थी। इस दौरान हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई जबकि 6 लोग घायल हुए हैं। ये पार्टी हार्ड समर म्यूजिक फेस्टिवल के बाद एक वेयरहाउस में चल रही थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गोलीबारी की सूचना पुलिस को रविवार रात करीब 11 बजे मिली थी। जब पार्टी चल रही थी तभी एक हथियारबंद व्यक्ति बिल्डिंग में घुसा आया। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर-बितर किया और एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। हालांकि इसके कुछ घंटे बाद हालात बिगड़े जब उन्हें देर रात करीब एक बजे दोबारा गोलियां चलने की खबर मिली। इस बार जब पुलिस पहुंची तो एक व्यक्ति की गोली लगने से मौत हो चुकी थी जबकि कई लोग घायल थे। इनमें से एक महिला ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक गोलीबारी की घटना के बाद घायल छह लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया है, लेकिन उनकी हालत के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। पुलिस को अभी तक घटना के पीछे की वजह या इसमें शामिल अन्य संदिग्धों के बारे में जानकारी नहीं मिली है। फिलहाल जांच जारी है और अधिकारी इससे जुड़े हुए सुराग पता लगा रहे हैं। लॉस एंजेलिस पुलिस विभाग ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी के पास कोई जानकारी हो, तो बताएं और जांच में मदद करें।

अमेरिका में ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। पिछले महीने गोलीबारी की कई घटनाएं हुई थीं। 7 जुलाई को एक व्यक्ति ने बाउंडरी स्टेशन पर गोलीबारी की। इसमें एक पुलिस अधिकारी घायल हुआ जबकि संदिग्ध को गोली मारकर ढेर कर दिया था। 13 जुलाई को ब्लू ग्लास एयरपोर्ट के पास फायरिंग में एक संदिग्ध ने चर्च में जाकर दो महिलाओं की हत्या की और तीन लोगों को घायल कर दिया था। 28 जुलाई को दो अलग-अलग इलाकों में फायरिंग हुई। इलिनॉयस में एक एल्बम रिलीज पार्टी में गोली चल गई, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि इस दिन मैनहट्टन इलाके में भी एक शख्स ने ओपन फायरिंग की, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद हमलावर ने खुद को भी गोली मार ली थी।

रूस के कमचटका में फिर भूकंप के झटके, 6.0 तीव्रता के कंपन से दहशत

मॉस्को,(ईएमएस)। रूस के सुदूर-पूर्वी क्षेत्र कमचटका प्रायद्वीप में मंगलवार को एक बार फिर भूकंप के तेज झटकों ने लोगों में दहशत फैला दी। यह झटका 6.0 तीव्रता का था और इसे पेट्रोपावलोव्स्क-कमचट्स्की शहर से करीब 108 किलोमीटर दूर स्थानीय समयानुसार दोपहर 1:57 बजे महसूस किया गया। भूकंप संबंधी जानकारी यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने देते हुए बताया है, कि इससे ठीक 6 दिन पहले, 30 जुलाई को इसी इलाके में 8.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया था, जिसे दुनिया के 10 सबसे बड़े भूकंपों में गिना गया। कमचटका प्रायद्वीप प्रशांत महासागर की रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, जो भूकंप और ज्वालामुखीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है। यही कारण है कि यहां बार-बार ऐसी प्राकृतिक आपदाएं देखने को मिलती हैं। वैज्ञानिकों और आपदा एजेंसियों ने इलाके पर कड़ी निगरानी रखनी शुरू कर दी है।

महिलाओं की गंध पुरुषों के व्यवहार पर डालती है असर

टोक्यो (ईएमएस)। महिलाओं के शरीर की प्राकृतिक गंध, खासतौर पर बगल की गंध, पुरुषों के व्यवहार और मानसिक स्थिति पर सीधा असर डालती है। यह दावा किया है टोक्यो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने। इस रिसर्च के दौरान वैज्ञानिकों ने पुरुष प्रतिभागियों को महिलाओं की कांख से लिए गए गंध के सैंपल सूंघने को दिए। इसके बाद उन्हें महिलाओं की तस्वीरें दिखाई गईं। नतीजा यह रहा कि जिन पुरुषों ने यह गंध सूंघी थी, उन्होंने महिलाओं को ज्यादा सुंदर और आकर्षक बताया। यही नहीं, उनकी लार में मौजूद तनाव संबंधी बायोमार्कर की मात्रा भी घट गई, जिससे साबित हुआ कि यह गंध उन्हें मानसिक रूप से शांत करती है। यह प्रभाव हर स्थिति में नहीं दिखा। वैज्ञानिकों ने पाया कि महिलाओं के मासिक धर्म चक्र के दौरान जब वे ओव्यूलेशन के चरण में होती हैं यानी जब उनकी प्रजनन क्षमता चरम पर होती है तब उनकी गंध पुरुषों को सबसे ज्यादा आकर्षक लगती है। इस दौरान शरीर से निकलने वाली कुछ खास रासायनिक यौगिकों की मात्रा बढ़ जाती है, जिनका पुरुषों पर गहरा असर होता है। इस शोध में तीन ऐसे रसायनों की पहचान की गई, जो ओव्यूलेशन के दौरान अधिक मात्रा में निकलते हैं। जब इन्हें प्रयोग के दौरान अलग से पुरुषों को सूंघाया गया, तो उन्होंने इन्हें बेहद सुखद बताया और उनके भावनात्मक रुख में भी सकारात्मक बदलाव देखा गया। हालांकि, शोधकर्ताओं ने यह स्पष्ट किया है कि यह कहना अभी जल्दबाज़ी होगी कि ये रसायन मानव फेरोमोन हैं या नहीं। फेरोमोन ऐसे रासायनिक संकेत होते हैं, जिनका इस्तेमाल जानवरों की दुनिया में साथी चुनने और सामाजिक व्यवहार के लिए किया जाता है। रिसर्च को अंजाम देना भी आसान नहीं था। प्रमुख शोधकर्ता छात्रा नोजोमी ओगी ने बताया कि 20 से अधिक महिलाओं से सही समय पर गंध के नमूने लेना, उनका मासिक चक्र ट्रैक करना और तापमान जैसे संकेतों पर लगातार नज़र रखना एक जटिल और महीनों चलने वाली प्रक्रिया थी। वैज्ञानिकों की टीम अब इस अध्ययन को और व्यापक बनाना चाहती है।

सिराज द ओवल की चौथी पारी में 5 विकेट लेने वाले पहले भारतीय

ओवल (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये पांचवे टेस्ट मैच में मेजबान टीम इंग्लैंड को 6 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-2 से बराबरी हासिल की है। भारतीय टीम की इस जीत में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की अहम भूमिका रही। सिराज ने इस मैच की पहली पारी में 4 जबकि दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। इसी के साथ ही सिराज ने एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। वह द ओवल की चौथी पारी में 5 विकेट लेने वाले पहले भारतीय और कुल मिलाकर देखा जाये तो आठवें गेंदबाज बने हैं। ओवल में चार दशक के बाद कोई गेंदबाज चौथी पारी में 5 विकेट ले पाया है। अंतिम बार साल 1984 में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग ने इस मैदान पर पांच विकेट लिए थे। होल्डिंग ने ये रिकार्ड सा 1976 में बनाया था। इसके अलावा साल 1997 के बाद से ही इस मैदान पर 5 विकेट लेने वाले सिराज पहले गेंदबाज बने हैं। सिराज ने पांच मैचों की सीरीज में 20 से अधिक विकेट लिए। इस गेंदबाज ने साल 2020 में भारतीय टीम में जगह हासिल करने के बाद से ही टेस्ट प्रारुप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 41 टेस्ट मैचों की 76 पारियों में 123 विकेट लिए हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया के फ्रेडरिक स्पोफोर्थ ने साल 1882, जेजे फेरिस ने साल 1890, क्लेरी ग्रिमेट ने साल 1934 वहीं पाकिस्तान के फजल महमूद ने साल 1954 व वेस्टइंडीज के कीथ बॉयस ने साल 1973 में द ओवल की चौथी पारी में 5 विकेट लिए थे।

विराट ने सिराज और कृष्णा की जमकर प्रशंसा की

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ रोमांच मुकाबले में मिली छह रनों की जीत के लिए भारतीय टीम की प्रशंसा करने के साथ ही उसे बधाई दी है पर इस दौरान हैरानी की की बात ये रही कि उन्होंने कोच और और कप्तान का नाम तक नहीं लिया। विराट ने मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की जमकर प्रशंसा की।

विराट ने भारतीय टीम की भारत की जीत को शानदार बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर सिराज के बारे में विशेष रुप से लिखा। उन्होंने लिखा, 'टीम इंडिया की शानदार जीत. सिराज और कृष्णा की दृढ़ता और संकल्प से ही हमें यह शानदार जीत मिली है। सिराज का विशेष रुप से जिक्र करना होगा क्योंकि वह टीम के लिए सब कुछ दांव पर लगा लेते हैं, मैं उनके लिए बेहद खुश हूं।'सिराज ने इस इस मैच में कुल 9 विकेट लिए। पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 5 विकेट। इसके अलावा वह इस सीरीज में 23 विकेट लेने के साथ ही पहले स्थान पर रहे।

सुनक ने भारतीय टीम के प्रदर्शन को अविश्वसनीय बताया

इंग्लैंड के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी पांचवे टेस्ट मैच में भारतीय टीम के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की है। भारतीय टीम ने जिस प्रकार रोमांचक मुकाबले में 6 रनों से जीत हासिल की है उससे दुनिया भर में भारतीय टीम छायी हुई है। यहां तक की पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटरों ने भी भारतीय टीम की तारीफ की है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने ओवल के खेल को असली टेस्ट क्रिकेट बताया है। इस मैच में अंतिम दिन मेजबान टीम को जीत के लिए 35 रन चाहिये थे और उसके हाथ में चार विकेट थे पर इंग्लैंड टीम असफल रही।

वहीं पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने इस मैच को लेकर कहा, 'इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले टेस्ट मैचों का अलग ही आकर्षण होता है। इस सीरीज में, खासकर अंतिम टेस्ट में, हमने असली टेस्ट क्रिकेट देखा जिसमें दबाव, वापसी और रणनीतिक दांव. सभी आजमाये गये। भारतीय गेंदबाजों सिराज और कृष्णा ने दबाव में जिस तरह से गेंदबाजी की वह अविश्वसनीय था।' सुनक ने अपने सोशल मीडिया में लिख, 'अविश्वसनीय! इंग्लैंड के लिए निराशाजनक पर क्या शानदार सीरीज थी। ब्रूक और रूट खूब लड़े, भारत की शानदार वापसी, वोक्स का स्लिंग पहनकर बैटिंग करने उतराना लाजवाब रहा।' दूसरी ओर लतीफ ने भारतीय खिलाड़ियों में सिराज की सबसे अधिक तारीफ की. उन्होंने कहा, 'सिराज ने तब अपना धैर्य बनाए रखा जब इंग्लैंड जीत के करीब था। '

मांट्रियल में महिलाओं के एकल टेनिस फाइनल में यूक्रेन की मार्टा कोस्टुक रिटर्न शॉट लगाती हुई।

गंभीर ने आलोचकों को दिया जवाब, कुछ जीतेंगे, कुछ हारेंगे पर कभी हार नहीं मानेंगे

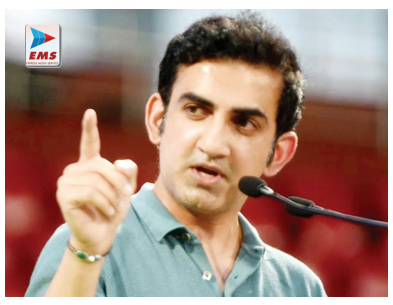

ओवल (ईएमएस)। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टेस्ट में जीत के साथ ही सीरीज में बराबरी हासिल करने से भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर बेहद उत्साहित हैं। गंभीर को कोच बनने के बाद से ही ये पहली बड़ी सफलता मिली है क्योंकि इससे पहले हुई टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठने लगे थे। ऐस में इस सीरीज के 2-2 से ड्रॉ रहने से गंभीर को बड़ी राहत मिली है। इस सीरीज में मिली सफलता के बाद गंभीर ने सोशल मीडिया पर अपने आलोचकों को जवाब देते हुए कहा , "हम कुछ जीतेंगे, वहीं कुछ हारेंगे पर कभी हार नहीं मानेंगे। इसके बाद उन्होंने टीम की प्रशंसा की।" ओवल टेस्ट के अंतिम दिन इंग्लैंड को जहां जीत के लिए मात्र 35 रनों की जरुरत थी पर भारतीय टीम के गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने उसके हाथ में आई जीत छीन ली। जिसके बाद से भी भारतीय प्रशंसकों में खुशी की लहर है। ये जीत टीम को अनुभवी खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली के बिना मिली मिली है।

इस सीरीज का पहला मैच मेजबान टीम ने जबकि दूसरा भारतीय टीम ने जीता। तीसरा टेस्ट जीतकर मेजबानों ने फिर बढ़त ली पर भारतीय टीम ने चौथे टेस्ट को ड्रॉ पर रोक दिया। अंतिम टेस्ट में भारतीय टीम ने जीत हासिल कर सीरीज बराबरी पर ला दी। इस सरीज में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने 700 से अधिक रन बनाये। वहीं मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह केवल तीन टेस्ट खेले। अंतिम टेस्ट बेहद रोमांचक और उतार-चढ़ाव भरा रहा। टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करते हुए 224 रन ही बना पायी। वहीं भारतीय गेंदबाजों ने मेजबान टीम को भी 247 रनों पर ही रोक दिया। 23 रनों से पिछड़ने के बाद भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में 396 रन बनाये और इंग्लैंड को जीत के लिए 374 रनों का लक्ष्य दिया। इसका पीछा करते हुए मेजबान टीम हैरी ब्रूक और जो रूट के शतक के बाद भी 367 रनों पर ही आउट हो गयी ओर भारतीय टीम को 6 रनों से जीत मिली।

हमारी टीम ने हर चुनौती का पूरी ताकत से मुकाबला किया : ऋषभ

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टेस्ट में भारतीय टीम को मिली जीत से आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत बेहद उत्साहित हैं। इस सीरीज को भारतीय टीम ने 2-2 से बराबर करने में सफलता हासिल की है। ऋषभ को चौथे टेस्ट में चोटिल होने के कारण सीरीज के बीच में ही वापस लौटना पड़ा था। उन्होंने कहा है कि ये टीम एकजुट है और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए तैयार है। इस दौरे से टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। ऋषभ ने सोशल मीडिया में कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, "एक ऐसा दौरा जिसने हमसे बहुत कुछ मांगा और बदले में उससे भी ज्यादा दिया। मुझे गर्व है कि हमारी टीम ने हर चुनौती का पूरी ताकत से मुकाबला किया। इस दौरान टीम ने अपने को हालातों के अनुसार ढाला और लगातार टीम लड़ती रही। देश का प्रतिनिधित्व करना हमारे लिए सबसे जरुरी है, इसके लिए हम अपनी पूरी ताकत लगा देते हैं और इसी में हमें गर्व भी है। हमारे शानदार सहायोगी स्टाफ और उन सभी प्रशंसकों का बड़ा धन्यवाद, जिन्होंने पूरे समय हमारा साथ दिया। यह टीम भूखी है, एकजुट है और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए तैयार है।"

इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी चोट की एक तस्वीर भी साझा की है। इसमें उनके दाहिने पैर की छोटी उंगली के पास कुछ टेपिंग है और उंगली पर पट्टी बंधी हुई है। इसी उंगली के पास फ्रैक्चर हुआ था और ऋषभ इसके बावजूद बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। इस दौरान उनके साहस की सभी ने प्रशंसा की थी। ऋषभ ने इस दौरे पर चार मैचों की सात पारियों में 2 शतक और 3 अर्धशतक के साथ ही कुल 479 रन बनाए थे।

डब्ल्यूटीसी की जगह एशेज को अधिक महत्व देते हैं स्टोक्स : कार्तिक

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स पर निशाना साधा है। कार्तिक ने कहा है कि स्टोक्स आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल को अधिक महत्व नहीं देते और उनका पूरा ध्यान एशेज सीरीज पर ही रहता है। इसी कारण वह डब्ल्यूटीसी के प्रारुप की आलोचना करते हैं ओर उसे संशय से भरा कहते हैं। स्टोक्स ने डब्यूटीसी की अंक प्रणाली और धीमी ओवर गति

के लिए मिलनी वाली सजा पर नाराजगी जतायी है। कार्तिक के अनुसार इसी कारण डब्ल्यूटीसी के तीन चक्र होने के बावजूद इंग्लैंड अब तक तक फाइनल में नहीं पहुंचा है। स्टोक्स साल 2022 से ही इंग्लैंड टेस्ट टीम की कप्तानी कर रहे हैं।

एशेज की शुरुआत नवंबर में होगा। कार्तिक ने कहा, "पिछले कुछ सालों में इंग्लैंड ने सिर्फ एशेज की तैयारी की है। हम भारत में डब्ल्यूटीसी को बहुत महत्व देते हैं पर स्टोक्स किसी कारण से अंक तालिका को महत्व नहीं देते। मुझे नहीं पता कि यह कोई बहाना है या कुछ और।" वहीं स्टोक्स ने कहा था, ईमानदारी से कहूं तो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप थोड़ी संशयपूर्ण है, यह उनमें से एक है जहां लंबे समय तक अगर आप वास्तव में अच्छा क्रिकेट खेलते हैं, तो आपको वह परिणाम मिलते हैं जो आप चाहते हैं, आप अंततः फाइनल में अपने को पाएंगे। उन्होंने साथ ही कहा था, लेकिन यह वास्तव में अजीब है, क्योंकि आपको पता है कि आप लंबे समय से किसी चीज के लिए खेल रहे हैं। मुझे याद नहीं आता कि क्या मैंने कभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के बारे में सोचने के लिए कोई वास्तविक समय दिया, क्योंकि इसका प्रारुप समझ नहीं आता है। डब्ल्यूटीसी में दो साल के अंदर एक टीम छह टेस्ट सीरीज खेलते है और जीत प्रतिशत के आधार पर अंक तालिका बनती । तालिका में शीर्ष-2 में रहने वाली दो टीमें फाइनल खेलती हैं। कार्तिक के अनुसार टेस्ट क्रिकेट का भविष्य बेहतर बनाने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप शुरु की गयी है। इसके बाद भी स्टोक्स उसकी उपेक्षा करते हैं।

संन्यास के बाद भी डिविलियर्स आईपीएल खेलने वाले कई खिलाड़ियों से बेहतर : स्टेन

लंदन (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेल स्टेन का मानना है कि स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स संन्यास लेने के बाद भी आईपीएल में खेलने वाले आधे से अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से बेहतर हैं। स्टेन ने आईपीएल का इसलिए जिक्र किया है क्योंकि ये विश्व की सबसे कठिन क्रिकेट लीग मानी जाती है जिसमें सभी बड़े खिलाड़ी खेलते हैं। डिविलियर्स ने पूर्व क्रिकेटरों की लीग के खिताबी मुकाबले में शतक लगाकर अपने को साबित किया है डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते रहे हैं। संन्यास के वर्षों बाद भी उनकी बल्लेबाजी देखकर लगता है कि कुछ भी नहीं बदला है। 41 वर्षीय डिविलियर्स ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्लयूयीएल) 2025 में दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस की पाकिस्तान चैम्पियंस पर जीत में

सबसे बड़ी भूमिका निभाई।

बर्मिंघम में डल्यूसीएल फाइनल में डिविलियर्स ने 60 गेंदों पर नाबाद 120 रनों की पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस को पाकिस्तान चैंपियंस पर 9 विकेट से जीत दिलाई। 196 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए डिविलियर्स ने अपनी विशिष्ट 360-डिग्री स्ट्रोकप्ले का प्रदर्शन किया, जिसमें 18 चौके, 10 चौके और 8 छक्के लगाए, और जेपी डुमिनी के साथ 125 रनों की साझेदारी की। इस बल्लेबाज ने इस टूर्नामेंट के 5 मैचों में तीन शतकों सहित 143 की औसत से 429 रन बनाए। डिविलियर्स का अंतिम प्रदर्शन दिखता है कि अब भी उनकी लय बरकरार है। उन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत इंग्लैंड के खिलाफ 51 गेंदों में 116 रनों की आतिशी पारी से की, इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 46 गेंदों में 123 रनों की पारी खेली और फाइनल में नाबाद शतक लगाकर एक यादगार बना दी। इस टूर्नामेंट में उनकी यह उपलब्धि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पहले आईपीएल खिताब और दक्षिण अफ्रीका की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत के कुछ ही महीनों बाद आई। 170 मैचों में 39.7 की औसत और 151.6 के स्ट्राइक रेट से 5162 रनों का उनका आईपीएल रिकॉर्ड आज भी बना हुआ है। वह आरसीबी के स्टार बल्लेबाज रहे हैं।

मेसी चोटिल होने के कारण खेल से बाहर हुए : मियामी

फोर्ट लॉडरडेल (ईएमएस)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के दाहिने पैर में चोट लगी है। इस कारण वह आने वाले मुकाबलों से बाहर हो गये हैं। फुटबॉल क्लब इंटर मियामी सीएफ ने भी मेसी के चोटिल होने की पुष्टि की है। इंटर मियामी के अनुसार मेसी के दायें पैर की मांसपेशियों में हल्की चोट आई है। वही मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) क्लब ने कहा कि मेसी कब खेल में वापसी करेंगे। ये कहा नहीं जा सकता। चोटिल होने के कारण ही लीग्स कप के फेज वन में नेकाक्सा के खिलाफ हुए मुकाबले से भी वह बाहर रहे थे। इंटर मियामी की टीम हालांकि ये मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से जीती थी।

इंटर मियामी की ओर से कहा गया, मेस्सी ने नेकाक्सा के खिलाफ लीग्स कप मुकाबले के दौरान मांसपेशियों में हुए दर्द की जांच करायी। इसी करण वह मैदान से बाहर आये। उनके दाहिने पैर में मांसपेशी में हल्की चोट भी आई है। मेस्सी की वापसी मेडिकल टीम की मंजूरी और उनके चोट से उबरने की समयसीमा पर आधारित रहेगी।

इस साल की शुरुआत में भी मेसी एडडक्टर और जांघ में खिंचाव में खिंचाव जैसी समस्याओं से पीड़ित रहे हैं, जिसके कारण ही वह मार्च में अर्जेंटीना के विश्व कप क्वालीफायर्स से भी बाहर रहे थे। इस सत्र में उन्होंने लीग के 18 मैचों में 18 गोल किये जबकि 9 गोल में सहायता की। लीग्स कप 2025 के की शुरुआत में एटलस के खिलाफ इंटर मियामी की अंतिम क्षणों में 2-1 से मिली जीत में दोनों गोलों में मेसी की अहम भूमिका रही। साल 2024 में भी मेसी को फिटनेस जैसी समस्याएं आईं।

वर्कलोड मैनेजमेंट जैसे शब्द को अपनी डिक्शनरी से हटायें गंभीर : गावस्कर

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर प्रमुख खिलाड़ियों को टीम से बाहर रहना ठीक नहीं है। गावस्कर ने कहा कि पहले भी खिलाड़ियों को आराम दिया जाता था पर तब कम कम महत्वपूर्ण और औपचारिकता मुकाबलों में ऐसा किया जाता था। इससे प्रमुख खिलाड़ियों को आराम भी मिल जाता था और टीम को नुकसान भी नहीं होता था। इसके साथ ही नए खिलाड़ियों को भी अवसर मिल जाता था। साथ ही कहा कि तब वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर महत्वपूर्ण मुकाबलों से स्टार

खिलाड़ी दूर नहीं होते थे। इसके साथ ही गावस्कर ने कहा कि कोच गंभीर वर्कलोड मैनेजमेंट जैसे शब्द को अपनी डिक्शनरी से हटा दें।

गावस्कर ने वर्कलोड मैनेजमेंट के विचार को खारिज करते हुए कहा , 'लोग वर्कलोड की बात कर रहे, अगर इसके आगे आप झुक जाते हैं तो आप मैदान में कभी अपना बेस्ट प्लेयर नहीं ला पाएंगे।' गावस्कर ने कहा, 'आप देश के लिए खेल रहे हो, और जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हैं तो आपको अपनी मांसपेशियों में दर्द को भूलना होगा। सरहद पर यही होता है।' उन्होंने कहा, क्या आपको लगता है कि जवान कभी ठंडी या गरम हालात की शिकायत करते हैं? वे वहां पर तैनात हैं, देश के लिए अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। आपको देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना ही होगा।

ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज का उदाहरण देते हुए गावस्कर ने कहा, छोटे-मोटे दर्द को लेकर चिंता मत करो। ऋषभ ने जो किया, वो क्या दिखाता है? वह फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरा। अपनी टीम में आप इसी तरह की भावना देखना चाहते हो। यही अपेक्षा की जाती है। छोटी-मोटी चोट से पीछे मत हटो। 140 करोड़ लोगों में से आपको भारत का प्रतिनिधित्व करने को मिला है, यह एक सम्मान है। आप अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली है और इसलिए आपको इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। वहीं सिराज ने 5 टेस्ट मैचों में लगातार गेंदबाजी की है। गावस्कर ने कहा, मुझे उम्मीद है कि वर्कलोड भारतीय क्रिकेट की डिक्शनरी से बाहर होगा। मैं लंबे समय से यह बात कहता आया हूं। साथ ही कहा कि वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर उनके बयान को जसप्रीत बुमराह से नहीं जोड़ा जाना चाहिये क्योंकि बुमराह चोट की वजह से बाहर थे, न कि वर्कलोड की वजह से। इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैच की सीरीज में जसप्रीत बुमराह ने सिर्फ 3 ही मुकाबले खेले थे। इनमें से दो में भारत को हार मिली थी और एक मुकाबला ड्रॉ हुआ था। भारतीय टीम ने अंतिम टेस्ट जीतकर पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर की है।

सारा की तस्वीरें सोशल मीडिया में छायीं

मुम्बई (ईएमएस)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर आजकर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों को लेकर छायी हुई हैं। सारा ने अपनी अलग पहचान भी बनाई है वह तेंदुलकर फाउंडेशन से जुड़ी हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया सरकार ने पर्यटन को बढ़ाने के लिए शुरु किये एक नये अभियान का उन्हें ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। इस प्रकार सारा हमेशा ही लाइमलाइट में रहती है। अब वह एक फोटोशूट की अपनी तस्वीरों के कारण सभी का ध्यान खींच रही हैं। सारा की इन तस्वीरों पर हर दिन 2 मिलियन से ज्यादा लाइक्स आए हैं। सोशल मीडिया पर सारा बेहद सक्रिय रहती हैं। एक ट्रैवल इंफ्लुएंसर के तौर पर वह देश-विदेश के सैर सपाटे पर भी जाती रहती हैं और नई-नई जगह, चीजों की भी खोज करती रहती हैं। उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर कई शानदार तस्वीरें भी हैं। उनमें से कुछ तस्वीरों में वह रेड कलर की बॉडी फिट ड्रेस में दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में सारा का कर्वी फिगर फ्लॉन्ट हो रहा है, जो फैंस के दिलों की धड़कनों को तेज कर रहा है। एक अन्य तस्वीर में वह अपनी कातिलाना अदाओं से कहर बरपाती हुईं नजर आ रही हैं।सारा की इन फोटोज को देखकर उनकी हॉटनेस का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।उनकी ये तस्वीरें कितनी ज्यादा शानदार हैं, उनका अनुमान आप इनपर आए 2.3 मिलियन से ज्यादा आए लाइक्स के जरिए आसानी से लगा सकते हैं। प्रशंसकों ने सारा की इन तस्वीरों पर जमकर प्यार लुटाया है। ये पहला अवसर नहीं है, जब सारा की तस्वीरें चर्चा का विषय बनी हैं, इससे पहले भी कई बार ऐसा हुआ हैं। सारा एक ट्रैवल ब्लॉगर भी हैं। इस आधार पर उन्हें ऑस्ट्रेलिया पर्यटन ने ब्रांड एबेंडसर के तौर पर रखा है जिससे वह ऑस्ट्रेलिया में पूर्यटन को बढ़ा सकें।

अपराधियों के हमले में बैडमिंटन कोच घायल

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई में हफ्ता वसूली देने से माना करने पर एक बैडमिंटन कोच प्रफुल्ल घाटविसावे पर अपराधियों ने हमला कर दिया। कोच को गंभीर रुप से घायल हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कहा जा रहा है कि कोच पर ये हमला इसलिए हुआ क्योंकि उन्होंने हर सप्ताह 1000 रुपये देने से इंकार कर दिया था। पुलिस से मिली के अनुसार, कोच प्रफुल्ल घाटविसावे अपने घर के पास एक दोस्त से फोन पर बात कर रहे थे, तभी तीन युवकों ने उन पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार की रात हुई थी। वहीं हमलावरों ने कहा कि वे सनी गैंग से हैं और उन्होंने कोच घाटविसावे से हर सप्ताह 1000 रुपए देने की मांग की। कोच ने जब इंकार किया तो उनपर ही हमला कर दिया। हमले के दौरान एक आरोपी ने बीयर की टूटी बोतल का से कोच के पेट पर कई वार किए। इस घटना में गंभीर रूप से घायल कोच घाटविसावे को तुरंत अस्पताल ले जाया गया है और उनकी हालत गंभीर बताई गई है।वारदात के बाद तीनों आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

भगवंत मान ने भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई दी

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट में भारतीय टीम को मिली जीत पर खुशी जताते हुए उसे बधाई दी है। भारतीय टीम ने इस मैच में 6 रनों से जीत के साथ ही सीरीज 2-2 से बराबर करने में सफलता हासिल की है। मान ने सोशल मीडिया पर लिखा, भरतीय टीम ने अंतिम टेस्ट मैच के दौरान इंग्लैंड को 6 रनों से हराकर शानदार जीत दर्ज की है। सिराज को मैन ऑफ द मैच और शुभमन गिल को प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड जीतने पर ढेरों बधाइयां। पूरी टीम को भी बहुत-बहुत शुभकामनाएं। चक दे इंडिया। अंतिम टेस्ट में भारतीय टीम की जीत में सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई भूमिका रही। सिराज ने पहली पारी में 4 जबकि दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। वहीं कृष्णा ने दोनों पारियों में 4-4 विकेट लिए। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी इस सीरीज में अच्छी कप्तानी करने के साथ ही चार शतकों के साथ सीरीज में 700 से अधिक रन बनाये।

रिहैब के दौर से गुजर रहे सूर्यकुमार

बेंगलुरु (ईएमएस)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव म्यूनिख में हुई सर्जरी से उबरने के लिए आजकल राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) के दौर से गुजर रहे हैं। सूर्यकुमार का लक्ष्य सितंबर में होने वाले एशिया कप से पहले पूरी तरह फिट हासिल करना है। सूर्यकुमार को पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण ही दिलीप ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। म्यूनिख में हुई उनकी हर्निया की सर्जरी के बाद से ही वह रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम 9 से 28 सितंबर तक यूएई में होने वाले एशिया कप में खेलेगी। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के अधिकारियों के को उम्मीद है कि सूर्या इस टूर्नामेंट से पहले पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। वहीं बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी पिछले सप्ताह टनेस टेस्ट के लिए यहां आये थे। अब वह मुंबई लौट गये हैं और माना जा रहा है कि यह दौरा नियमित जांच के लिए था। बताया जा रहा है कि वह पूरी तरह फिट हैं और दिलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए तैयार हैं। अय्यर को अंतिम बार आईपीएल फाइनल में पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी की कप्तानी करते हुए देखा गया था। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद भी उन्हें अब तक टेस्ट टीम में जगह नहीं मिल पायी है। ऐसे में उनका लक्ष्य दिलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी पेश करना रहेगा। चार दिवसीय दलीप ट्रॉफी के मुकाबल 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होंगे।

हरमनप्रीत की कप्तानी में 8 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

बेंगलुरु (ईएमएस)। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय पुरुष हॉकी टीम इसी माह 8 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी जहां उसे चार मैच खेलने हैं। भारतीय टीम को इस दौरे में 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलने हैं। इससे भारतीय टीम को विश्वकप के लिए इसी माह के अंत में शुरु हो रहे एशिया कप क्वालीफायर टूर्नामेंट से पहले अपनी तैयारियों को आंकने का अवसर होगा। हरमनप्रीत की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया जा रही 24 सदस्यीय भारतीय टीम में कर्नाटक के पूवन्ना सीबी को भी पहली बार अवसर मिला है। इसकी तैयारी के लिए भारतीय टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलेगी। टीम की भारतीय टीम के गोलकीपर की जिम्मेदारी कृशन पाठक और सूरज करकेरा के पास रहेगी जबकि डिफेंस में सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह और पूवन्ना होंगे।

वहीं मिडफील्डर में युवा राजिंदर सिंह को शामिल किया गया है। उनके अलावा राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह भी मिडफील्ड में होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे रहेंगे।

टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, 'हमारा ध्यान शारीरिक अनुकूलन बेहतर करने और तकनीकी पहलुओं पर रहेगा। टीम में युवा खिलाड़ियों के चयन को लेकर उन्होंने कहा, 'हमने कुछ युवाओं को दबाव में खेलने की उनकी क्षमता परखने के लिए अवसर दिया है।

इरडा ने खामियों के चलते इंश्योरेंस ब्रोकर्स पर लगाया 5 करोड़ का जुर्माना, ग्राहकों से की धोखाधड़ी, 4.2 करोड़ से ज्यादा की पॉलिसी बेची

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बीमा क्षेत्र के नियामक इरडा ने कुछ खामियों की वजह से पॉलिसीबाजार इंश्योरेंस ब्रोकर्स पर पांच करोड़ रुपए का जुर्माना लगाने के साथ ही बीमा मानदंडों का उल्लंघन करने को लेकर आगाह भी किया है। पॉलिसीबाजार इंश्योरेंस ब्रोकर्स को पहले पॉलिसीबाजार वेब एग्रीगेटर के नाम से जाना जाता था। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बयान में कंपनी को निर्देश, सलाह और चेतावनी भी जारी की है। नियामक ने कहा कि पॉलिसीबाजार वेब एग्रीगेटर प्राइवेट लिमिटेड अब पॉलिसीबाज़ार इंश्योरेंस ब्रोकर्स प्राइवेट लिमिटेड पर बीमा अधिनियम और नियमों एवं विनियमों के तहत स्थापित कई उल्लंघनों के लिए निर्देश, सलाह और चेतावनी के साथ पांच करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। पॉलिसीबाजार साल 2008 में अपनी स्थापना के बाद से अब तक 4.2 करोड़ से ज्यादा बीमा पॉलिसी बेच चुका है।

मीडिया रिपोर्ट में इरडा ने कहा कि कंपनी ने नियामकीय उल्लंघन करने के साथ ग्राहकों से भी धोखाधड़ी की है। इरडा ने कहा है कि

बिना अप्रूवल के ही कंपनी ने दूसरी कंपनियों में भी डायरेक्टरशिप हासिल की है। इसके अलावा कंपनी को कई बीमा पॉलिसी को जोर देकर ग्राहकों को बेचने का दोषी पाया गया। इतना ही नहीं कंपनी ने कई प्रोडक्ट को अच्छा बताकर उसे रैंकिंग में टॉप पर रखा, ताकि ग्राहकों को गुमराह करके इन उत्पादों को बेचा जा सके। कंपनी ने इन उत्पादों को बेहतर बताने के पीछे कोई कारण भी नहीं बताया और न ही ग्राहकों को कोई सलाह दी।

इरडा ने बताया कि पॉलिसीबाजार ने ग्राहकों से पैसे लेकर उसे इंश्योरेंस करने वाली कंपनियों को समय से पहले नहीं पहुंचाया। इस वजह से कंपनी पर एक करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

संबंधित पक्ष के लेनदेन में अब कारोबार के आधार पर तय होगी सीमा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने संबंधित पक्ष के लेनदेन संबंधी मानदंडों में बदलाव करते हुए मैटेरियलिटी सीमा को सूचीबद्ध कंपनी के कारोबार से जोड़ने का प्रस्ताव दिया है। बाजार नियामक के इस प्रस्ताव से बड़ी कंपनियों को ज्यादा फायदा होने की उम्मीद है। सेबी ने कहा कि प्रस्तावित बदलाव किए जाने से शीर्ष 100 सूचीबद्ध कंपनियों के लिए शेयरधारकों की मंजूरी की जरुरत वाले संबंधित पक्ष के लेनदेन की संख्या में करीब 60 फीसदी की कमी आ सकती है। मौजूदा नियमों के तहत लेनदेन एक हजार करोड़ रुपए से अधिक या सूचीबद्ध कंपनी के कुल वार्षिक कारोबार के 10 फीसदी से ज्यादा हो तो उसे मैटेरियल माना जाता है।

बाजार नियामक ने सबके लिए समान दृष्टिकोण को बड़ी सूचीबद्ध कंपनियों के लिए बोझिल बताते हुए कुल कारोबार बढ़ने पर लेनदेन की सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। सूचीबद्ध कंपनियों को मैटेरियल संबंधित पक्ष के लेनदेन करने के लिए शेयरधारकों और ऑडिट समिति से मंजूरी लेनी होती है। नए मानदंडों में अगर वार्षिक कुल कारोबार 20 हजार करोड़ तक है तो संबंधित पक्ष के लेनदेन की सीमा 10 फीसदी होगी। अगर कारोबार 20,001 करोड़ रुपए से 40,000 करोड़ के बीच है तो यह सीमा तभी लागू होगी जब लेनदेन 2,000 करोड़ रुपए का हो और सूचीबद्ध कंपनी के वार्षिक कुल कारोबार का पांच फीसदी हो। अगर कुल कारोबार 40,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का है तो उसके लिए यह सीमा 3,000 करोड़ रुपए के साथ कुल कारोबार का 2.5 फीसदी या 5,000 करोड़ रुपए होगी। सेबी ने कहा है कि 5,000 करोड़ रुपए की सीमा अल्पांश शेयरधारकों के हितों की रक्षा के लिए है। संबंधित पक्ष के लेनदेन संबंधी मानदंड वित्तीय स्थिति को देखते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। प्रॉक्सी एडवाइजरी फर्म इनगवर्न रिसर्च के श्रीराम सुब्रमण्यन ने कहा कि यह छूट तभी व्यावहारिक होगी जब संबंधित पक्ष के लेनदेन संबंधी खुलासे ऑडिट समितियों और शेयरधारकों के समक्ष किए जाएं।

भारत का म्युचुअल फंड सेक्टर अब 74.4 लाख करोड़ एयूएम पर पहुंचा

निवेश ज्यादातर कॉर्पोरेट बॉन्ड और कॉन्स्टेंट मैच्योरिटी स्ट्रैटेजी में हुआ

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत का म्युचुअल फंड सेक्टर अब 74.4 लाख करोड़ के एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) तक पहुंच गया है, जिसमें पिछले 10 सालों में सात गुना की ग्रोथ हुई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई है। म्युचुअल फंड इंडस्ट्री में सबसे बड़ा हिस्सा अब भी इक्विटी फंड्स का है, जो कुल एयूएम का 59.94 फीसदी है। डेट फंड्स का हिस्सा 26.53फीसदी है, जबकि हाइब्रिड फंड्स 8.28फीसदी योगदान दे रहे हैं। बाकी अन्य फंड्स 5.26फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं।

इस तिमाही जून 2025 में डेट फंड्स में 2.39 लाख करोड़ का शुद्ध निवेश हुआ है, जो पिछली तिमाही में हुए आउटफ्लो के उलट है। ये निवेश ज्यादातर कॉर्पोरेट बॉन्ड और कॉन्स्टेंट मैच्योरिटी स्ट्रैटेजी में हुआ है, जो बदलती ब्याज दरों की वजह से संस्थागत निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। इस तिमाही में कुल 3.98 लाख करोड़ का निवेश हुआ, जिसमें से इक्विटी फंड्स में करीब 64फीसदी हिस्सा

ब्रॉड-बेस्ड फंड्स में गया, जबकि 31फीसदी निवेश आर्बिट्राज फंड्स में आया।

रिपोर्ट के मुताबिक पैसिव फंड्स का निवेशकों के बीच क्रेज़ बढ़ रहा है। अब ये कुल एयूएम का 17फीसदी हिस्सा बन चुके हैं। क्यू2 2025 में पैसिव फंड्स में 36,000 करोड़ का निवेश हुआ, जबकि एक्टिव स्ट्रैटेजीज में 3.62 लाख करोड़ का। इक्विटी के अंदर ब्रॉड-बेस्ड पैसिव फंड्स ने 106फीसदी का योगदान यह दर्शाता है कि निवेशक अब बड़े इंडेक्स और ब्लूचिप फंड्स पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

अब टेस्ला ने किया दिल्ली का रुख, 11 अगस्त को करेगी दूसरा शोरुम लॉन्च

कंपनी ने भारत में अपना लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वॉय किया पेश

नई दिल्ली,(ईएमएस)। एलन मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला की अब भारत पर नजर है। कंपनी ने मुंबई में अपना पहला शोरूम खोलने के बाद अब दिल्ली का रुख किया है। रिपोर्ट के मुताबिक टेस्ला 11 अगस्त को दिल्ली के एरोसिटी में अपना दूसरा शोरूम लॉन्च कर रही है। यह इलाका दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास स्थित है और हाई-एंड कमर्शियल हब के रूप में जाना जाता है।

दिल्ली में शोरूम खोलने का फैसला ऐसे समय लिया है जब टेस्ला ने हाल ही में भारत में अपना लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वॉय पेश किया है। इसके साथ ही कंपनी ने भारत के लिए एक आधिकारिक वेबसाइट भी लॉन्च की है, जहां शुरुआत में केवल मुंबई, दिल्ली और गुरुग्राम के लोग ही अपनी रुचि दर्ज कर सकते थे। इससे यह साफ़ है कि

कंपनी का शुरुआती फोकस मेट्रो शहरों पर है।

टेस्ला ने भारत में अपने सफर की शुरुआत मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित मॉल में अपने पहले शोरूम से की थी। इस शोरूम में टेस्ला के दो वेरिएंट मॉडल वाय रेयर व्हील ड्राइव आरडब्ल्यूडी और लॉन्ग रेंज आरडब्ल्यूडी को प्रदर्शित किया है, जिन्हें कंपनी ने अपने शंघाई स्थित प्लांट से भारत में मंगवाया है। कंपनी ने बताया है कि आरडब्ल्यूडी मॉडल की डिलीवरी तीसरी तिमाही के अंत तक शुरू हो जाएगी, जबकि लॉन्ग-रेंज वर्जन की डिलीवरी चौथी तिमाही में की जाएगी। इससे साफ़ है कि कंपनी भारतीय बाज़ार में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए एक ठोस प्लान के साथ आगे बढ़ रही है।

भारत में टेस्ला ने मॉडल वॉय के दो वर्जन पेश किए एक बेसिक रेयर-व्हील ड्राइव (आरडब्ल्यूडी) और दूसरा लॉन्ग-रेंज आरडब्ल्यूडी। बेसिक आरडब्ल्यूडी वर्जन की एक्स-शोरूम कीमत 59.89 लाख रखी गई है, जबकि लॉन्ग-रेंज वर्जन की कीमत 67.89 लाख है। ऑन-रोड आरडब्ल्यूडी मॉडल की कीमत 61.07 लाख तक पहुंच सकती है और लॉन्ग-रेंज वर्जन की कीमत 69.15 लाख तक जा सकती है। टेस्ला मॉडल वॉय आरडब्ल्यूडी वर्जन में ग्राहक को दो बैटरी विकल्प दिए गए हैं। 60 केडब्ल्यूएच और 75 केडब्ल्यूएच। इसमें एक सिंगल इलेक्ट्रिक मोटर लगी है जो करीब 295 हॉर्सपावर की ताकत देती है। 60 केडब्ल्यूएच बैटरी वाला वर्जन एक बार फुल चार्ज करने पर करीब 500 किलोमीटर तक चलता है। वहीं लॉन्ग-रेंज वर्जन की रेंज बढ़कर 622 किलोमीटर तक हो सकती है। यह आंकड़ा डब्ल्यूएलटीपी के मुताबिक है, जो गाड़ियों की रेंज को मापने का एक अंतरराष्ट्रीय मानक है।

अब डाकघर में बैंकिंग करने अंगूठा लगाने और ओटीपी की झंझट खत्म

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अब डाकघर जाकर बैंकिंग करने न तो अंगूठा लगाने और न ही ओटीपी की झंझट...रहेगी। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने देशभर में आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन सेवा की शुरुआत की है, जिससे अब ग्राहक केवल अपने चेहरे से ही खाता खोल सकेंगे, बैलेंस देख पाएंगे, पैसे भेज सकेंगे और बिल का भुगतान भी कर सकेंगे। यह सेवा उन लोगों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी जो अब तक अंगूठे की पहचान या ओटीपी सिस्टम से जुड़ी तकनीकी दिक्कतों से जूझते रहते थे। बुजुर्गों, दिव्यांगों, और दूरदराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए यह तकनीक बैंकिंग को आसान बना देगी। फेस ऑथेंटिकेशन सिस्टम को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मानकों पर विकसित किया गया है। यह पहल डिजिटल इंडिया अभियान को मजबूत करने के साथ-साथ एक ऐसा सिस्टम तैयार करती है जो पूरी तरह संपर्करहित और सुरक्षित है। आईपीपीबी के मुताबिक यह सेवा जल्द ही पूरे देश के 1.6 लाख डाकघरों और 3 लाख से ज्यादा पोस्टल कर्मियों के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाई जाएगी।

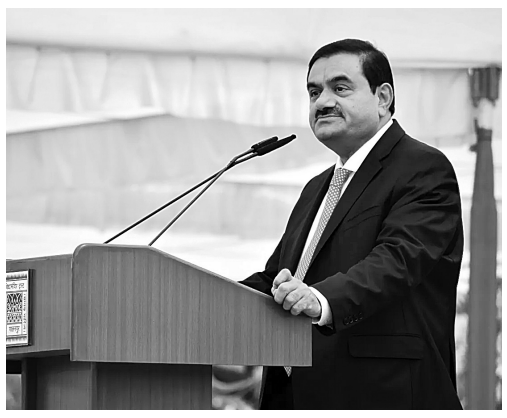

गौतम अदाणी ने छोड़ा एग्जीक्यूटिव चेयरमैन का पद, मनीष केजरीवाल बने नए डायरेक्टर

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने मंगलवार को ऐलान किया कि गौतम अदाणी ने कंपनी के कार्यकारी चेयरमैन (एग्जीक्यूटिव चेयरमैन) का पद छोड़ दिया है। यह बदलाव 5 अगस्त 2025 से लागू होगा। अब गौतम अदाणी कंपनी के नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में काम करेंगे और वे कंपनी के मैनेजरियल रोल में नहीं रहेंगे। अदाणी ग्रुप के संस्थापक और चेयरमैन गौतम अदाणी ने 33 साल के अपने अनुभव से ग्रुप को संसाधन, लॉजिस्टिक्स और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर मजबूत बनाया है।

कंपनी ने यह भी बताया कि मनीष केजरीवाल को तीन साल के लिए अतिरिक्त नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। मनीष एक प्राइवेट इक्विटी फर्म के संस्थापक और मैनेजिंग पार्टनर हैं। अदाणी पोर्ट्स ने यह जानकारी स्टॉक एक्सचेंज को दी। मंगलवार को दोपहर 3 बजे बीएसई पर अदाणी पोर्ट्स के शेयर 2.60% की गिरावट के साथ 1,352.80 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे।

Q1 में कंपनी का शानदार प्रदर्शन

अदाणी पोर्ट्स ने इस तिमाही में 21% की सालाना राजस्व बढ़ोतरी दर्ज की है, जिसमें लॉजिस्टिक्स और मरीन कारोबार में क्रमशः दोगुना और 2.9 गुना बढ़ोतरी ने बड़ी भूमिका निभाई। कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ अश्वनी गुप्ता ने कहा कि लॉजिस्टिक्स और मरीन बिजनेस में इस शानदार उछाल ने कंपनी की इस तिमाही की सफलता को मजबूती दी है। इसके अलावा, कंपनी ने ऑस्ट्रेलिया के NQXT पोर्ट को खरीदने की घोषणा की है, जो 50 मिलियन टन प्रति वर्ष की क्षमता वाला एक गहरा समुद्री टर्मिनल है।

बता दें कि अदाणी पोर्ट्स भारत में पोर्ट डेवलपमेंट और ऑपरेशन में सबसे बड़ी कंपनी है। यह भारत के कुल कार्गो बाजार में 27.8% और कंटेनर बाजार में 45.2% हिस्सेदारी रखती है। कंपनी के पास पश्चिमी तट पर 6, दक्षिणी तट पर 5 और पूर्वी तट पर 4 पोर्ट और टर्मिनल हैं, जो देश के कुल पोर्ट वॉल्यूम का 28% हिस्सा हैं। हाल ही में कंपनी ने कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल पर पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत काम शुरू किया है, जिसकी सालाना क्षमता 3.2 मिलियन TEU है।

दैनिक पंचांग

6 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

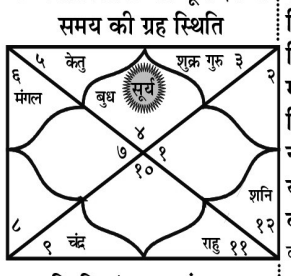

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.23 बजे से
चंद्र	धनु में	कन्या	08.35 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.46 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.01 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.17 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.22 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.08 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.41 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.12 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		वृष	23.52 बजे से
		मिथुन	01.50 बजे से
		कर्क	04.03 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 218 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि द्वादशी 14.09 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 13.00 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 07.18 बजे को समाप्त।
करण बालव 14.09 बजे तदनन्तर कौलव 02.23 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 12.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 41'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872428
जूलियन दिन 2460893.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 11
विशेष प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7369

1	2		■	3	4		■	5
■		■	6			■	7	
8		■		■	9			■
	■	10		11				■
12	13		■		■	14		15
■		■	16		17		■	
■	18			■	19	■	20	
21		■	22	23		■		■
	■	24			■	25		

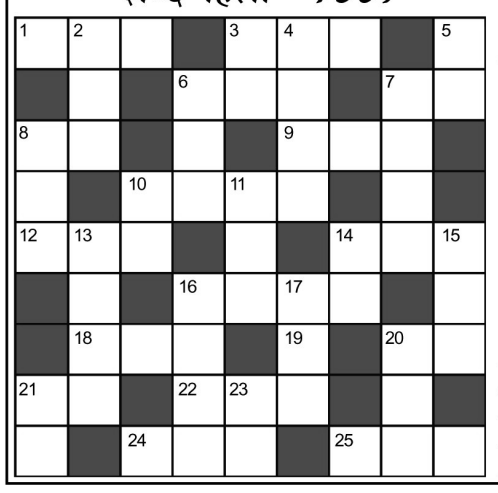

बाएँ से दाएँ
1. तन,शरीर-3
3. चकोर, चंद्रप्रेमी पक्षी-3
6. झगड़ा,द्वेष-3
7. मोटा आटा-2
8. खिंचाव,स्वर विस्तार-2
9. असली,शुद्ध-3
10. यंत्रशाला-4
12. कार्यविधि-3
14. चिंगारी-3
16. एक कंद जिसे सुखा कर सौंठ बनाई जाती है-4
18. दूल्हे की पगड़ी-3
20. सम्मान-2
21. प्राण,जीवन तत्व-2
22. कुशल,होनहार-3
24. राशिचक्र की एक राशि-3
25. प्रेमी,साजन- 3

ऊपर से नीचे
2. अवलोकन,दरस-3
3. चलने का ढंग-2
4. तलघर-4
5. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6. जलजला-3
7. रसीला,रस से भरपूर-4
8. बल,जोर,दम-3
10. चाचा,अंकल-2
11. शौहर,पति-3
13. 'दीवाने हुए पागल' की नायिका-2,2
14. वहम,संदेह-3
15. राजा,सम्राट-3
16. उपद्रवी,आतंकी-4
17. गिरवी रखी वस्तु-3
20. बैठने की जगह-3
21. शराब का प्याला-2
23. रांझे की प्रेमिका-2

शब्द पहेली - 7368 का हल

■	अ	जा	न	■	स	ली	का	■
दा	दा	■	सी	■	ह	■	या	द
मि	■	■	ब	र	सा	त	■	म
नी	र	व	■	थ	■	र	ह	न
■	■	ज	रा	■	सा	की	■	■
सु	ल	ह	■	दां	■	ब	हा	व
दा	■	■	सा	व	न	■	■	ज
मा	ता	■	ह	■	य	■	का	न
■	त	म	स	■	न	क	ल	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6910

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	8	21	32	36	■	10	18	31	■
27		7		8	■	5		9	18
22	2		5		■		3		16
18		7		4		■		7	13
■	■	■	9		7		5		33
33		5		8		2	■	■	■
11	3		■		6		3		27
11		5		■		6		5	19
18	8		4	■	6		7		26
■	17	24	6	■	35	35	13	16	■

अंकजाल 6909 का हल

■	13	13	35	19	19	■	22	26	■
30	6	8	7	5	4	■	9	2	11
32	7	5	8	7	5	■	3	8	11
■	■	■	2	7	3	4	2	6	24
19	7	9	3	■	7	2	5	2	16
29	5	7	8	9	■	2	3	8	13
31	5	6	7	3	6	4	■	■	■
10	5	5	■	6	3	4	7	8	28
13	8	5	■	8	6	4	4	5	27
■	30	32	■	26	15	20	11	13	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 5854

		3	4		6	7
7	24	2	32	3	41	
	3		5	6		
6	28		36		30	4
		5	6		1	
5	39	7	43	4	25	
4				1		3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5853 का हल

6	4	1	7	2	5	3
5	33	3	32	1	27	7
4	3	7	5	6	1	2
3	35	2	37	7	32	6
7	4	5	2	3	6	1
2	32	4	36	4	30	5
1	3	6	7	5	2	4

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 5214

55		15		60		10	=	20
	■		■		■		■	
46		17		60		15	=	18
	■		■		■		■	
2		10		25		10	=	55
	■		■		■		■	
10		5		10		5	=	15
=	■	=	■	=	■	=	■	=
8		27		15		20	=	42 / 0

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5213

5	x	11	-	55	+	35	=	35
x	■	+	■	-	■	-	■	-
25	-	22	+	50	-	30	=	23
-	■	+	■	x	■	x	■	+
50	+	10	÷	2	+	5	=	35
-	■	-	■	+	■	-	■	-
40	÷	10	x	4	+	4	=	20
=	■	=	■	=	■	=	■	=
35	-	33	+	14	+	21	=	27 / 37

शब्दजाल- 6901

म	अ	मु	श	सी	ते	ग	ब	हा	दु	र
रा	अ	ल	प्र	क्ल	ला	व	ना	ज	कां	अं
य	म	र्जु	हे	रा	दी	ना	न	व	ग	रू
इं	र	ब	न	म	वा	स	क	त	ज	प
प	दा	ह	प्या	दा	तो	हो	दे	गो	र	त
ह	स	क	प	स	स	व	व	ण	गो	व
द	र	न	न	ट्रे	रू	ह	र	गो	विं	द
क	र	रा	प	क्श	प	का	र	चो	द	ख
र	व	त	य	रा	हो	प	य	अ	सिं	अ
क	र	ल	प	र्जु	ज	ता	रे	आ	ह	द
क	ह	रि	कि	श	न	चि	त्र	ब	त	म

शब्दजाल में 'सिखो' के 10 गुरुओं के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

नानक देव, अंगद देव, अमरदास, रामदास, अर्जुनदास, हरगोविंद, हरराय, हरिकिशन, तेग बहादुर, गोविन्द सिहं

शब्दजाल - 6900 का हल

अ	ज	प	रे	दा	मि	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	आ	स्त्र	वै	द	इ	ह	मे
सिं	व	ना	पू	ग	खा	थ	दि	ग	क	सो
धु	ची	न	ते	र्व	ज	का	म	क	त	पो
घा	त	र	दा	री	लं	ग	गो	ग	व	टा
टी	अ	म	सु	य	अ	पू	न	रो	र	मि
ती	ज	सी	मे	हि	प	नु	श	म	ज	या
क	ल	ग	रि	वि	व	नी	प	ल	न	ण
ने	ब	म	य	या	चि	त्या	री	म	प	क
ज	ग	त	न	ज	ज	त्र	दा	जी	र्य	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	ज	र	वा	त	थ

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1914 सर्बिया और मोंटेनीग्रो ने जर्मनी के खिलाफ जंग का ऐलान किया।

1925 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष सुरेन्द्र नाथ बनर्जी का निधन।

1945 अमरीका ने जापान के हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया।

1986 भारत में प्रथम परखनली शिशु का जन्म हुआ।

1989 मंडल आयोग की सिफारिशों के आधार पर पिछड़े वर्गों हेतु 27 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा।

1990 सेना ने बेनजीर भूट्टो को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद से हटा दिया।

1993 मोरिहिरो होसोकावा जापान के प्रधानमंत्री चुने गए।

2001 तमिलनाडु में रामनाथ पुरम जिले के दुखाड़ी गांव के इखाड़ी दरगाह के निकट अवस्थित एक मनोरोग चिकित्सालय में लगी आग में 25 मनोरोगी मारे गए।

2002 केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सूचना के अधिकार संबंधि विधेयक को मंजूरी दी।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का रामगढ़ स्थित पैतृक गांव नेमरा में हुआ अंतिम संस्कार

» मुख्यमंत्री हेमन्त ने अपने पिता के पार्थिव शरीर को पारंपरिक रीति-रिवाज व रस्म के साथ दी मुखाग्नि

» अंतिम यात्रा में शामिल होने के लिए राज्य के अलग-अलग कोनों से हजारों की संख्या में पहुंचे थे लोग

» राज्य की जनता ने नम आंखों और व्यथित मन से दिवंगत शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर को किया नमन

रामगढ़ः पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन होने के साथ झारखंड में एक युग का अवसान हो गया। रामगढ़ जिला के गोला प्रखंड स्थित पैतृक गांव नेमरा में पूरे राजकीय सम्मान के साथ दिवंगत शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पिता के पार्थिव शरीर को पारंपरिक रीति- रिवाज तथा रस्म के साथ मुखाग्नि दी। इस दौरान हर किसी की आंखें नम थी। इससे पहले रांची के मोरहाबादी स्थित आवास से दिवंगत शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव नेमरा में अंतिम दर्शनार्थ रखा गया। यहां हजारों-हज़ार की संख्या में लोगों ने भावुक और नम आंखों से "गुरुजी" को नमन कर अंतिम विदाई दी।

"अंतिम जोहार " के लिए उमड़ा जन सैलाब

क्या आम और क्या खास, दिवंगत शिबू सोरेन के अंतिम जोहार के लिए नेमरा गांव में जन सैलाब उमड़ पड़ा था। उनके अंतिम दर्शन के लिए राज्य के अलग-अलग कोनों से लोग पधारे थे। इनमें अति विशिष्ट व्यक्ति से लेकर आम जन तक, हर कोई शामिल था। हर किसी ने झारखंड राज्य के प्रणेता, पथ प्रदर्शक औऱ मार्गदर्शक दिशोम गुरु को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान हर किसी का दिल उदास, व्यथित और आंखें नम थी।

रो पड़ा पूरा नेमरा

यूँ तो दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की जानकारी मिलने के बाद से ही उनके पैतृक गांव नेमरा में उदासी और सन्नाटा पसर चुका था। हर कोई गमगीन था। घरों में चूल्हे तक नहीं जले थे। वहीं, आज जैसे ही दिशोम गुरु का पार्थिव शरीर पैतृक आवास पहुंचा, पूरा नेमरा रो उठा। परिजन एवं सगे- संबंधी समेत राज्य के दूर दराज से आए लोगों की आंखों से आंसू छलक रहे थे। सभी ने दिशोम गुरु को नमन कर अन्तिम विदाई दी।

संक्षिप्त खबरें

एनआईटी के निदेशक डॉ गौतम सूत्रधार ने शिबू सोरेन को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी

जमशेदपुरः एनआईटी जमशेदपुर के निदेशक डॉ गौतम सूत्रधार ने शोक संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि हम एक महान नेता आदरणीय शिबू सोरेन जी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिनका निधन , 4 अगस्त 2025 को, सुबह 8:56 पर दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में हो गया। वे करीब 81 वर्ष के थे और काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे। आदरणीय शिबू सोरेन जी दिशोम गुरुजी के नाम से जनता के बीच लोकप्रिय थे। सोरेन जी ने झारखंड राज्य गठन आंदोलन में निर्णायक भूमिका निभाई और आदिवासी, दलित एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए अनवरत न्याय की लड़ाई लड़ी। वे तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री, भारत सरकार में तीन बार केंद्रीय कोयला मंत्री , लोकसभा में काफी वर्षों तक निर्वाचित सांसद और जून 2020 से राज्यसभा सदस्य रहे। चाहे वह आदिवासी अधिकारों की लड़ाई हो, झारखंड राज्य निर्माण की लड़ाई हो, या जन-जन तक न्याय और हिस्सेदारी का संदेश हो, यह उनके व्यक्तित्व और आदर्शों की लोक दृष्टि को दर्शाती है। उन्होंने हमें यह दिखाया कि जमीनी नेता कैसे जनता की शक्ति बन सकती है। उनके निधन से हम सभी को गहरा दुःख हुआ है और हम सभी की संवेदनाएं उनके परिवार और सभी चाहने वालों के साथ हैं।

जंबू अखाड़ा द्वारा आयोजित भव्य कलश यात्रा में 5000 से अधिक शिवभक्तों ने किया जलाभिषेक

जमशेदपुरः श्रावण मास की चौथी सोमवारी पर जंबू अखाड़ा समिति के मुख्य संरक्षक अमरप्रीत सिंह काले, संरक्षक बंटी सिंह, लाइसेंसी रणबीर मंडल और अध्यक्ष बृज किशोर सिंह के नेतृत्व में बाबा लिंगेश्वरनाथ मंदिर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में 5000 से अधिक महिला शिवभक्तों ने स्वर्णरेखा नदी से जल भरकर मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक किया। कलश यात्रा में सिंग बाजा, डीजे , शिव परिवार की झांकी और बाबा बर्फानी का 4 फीट का शिवलिंग आकर्षण का केंद्र रहा। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद, शीतल जल और चाय की व्यवस्था की गई। भाजपा प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले सहित कई सामाजिक व राजनीतिक हस्तियां इस धार्मिक यात्रा में शामिल हुए।

सेसिनकाई कराटे संघ अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में हजारीबाग के खिलाड़ियों का जलवा, 74 पदक जीतकर झारखंड का नाम किया रोशन

हजारीबागः खेल के क्षेत्र में हजारीबाग महत्वपूर्ण स्थान बनाता जा रहा है. क्रिकेट, फुटबॉल के बाद कराटे में खिलाड़ी अपना परचम लहरा रहे हैं. पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आयोजित सेसिनकाई कराटे संघ अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में हजारीबाग के 74 खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मेडल प्राप्त किए हैं.

राहुल, खड़गे और तेजस्वी सहित कई दिग्गजों ने दी गुरुजी को अंतिम विदाई

रांचीः गुरूजी शिबू सोरेन की अंतिम विदाई में देश के कई दिग्गज नेता शामिल हुए। अंतिम संस्कार में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे रांची एयरपोर्ट से सड़क मार्ग के जरिए नेमरा पहुंचे। इसके अलावा बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, अन्नपूर्णा देवी, टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन और सांसद पप्पू यादव, आआपा के सांसद संजय सिंह के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, आजसू अध्युक्ष सुदेश महतो, मंत्री योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य कुमार, दीपिका पांडेय सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, मिथिलेश ठाकुर, बेबी देवी, योगेंद्र साव, बेरमो विधायक अनूप सिंह, रामगढ़ विधायक ममता देवी, मथुरा महतो, राजेश कच्छप, पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो, बिरंची नारायण, अंबा प्रसाद, झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य, प्रवक्ता विनोद पांडेय, डीजीपी अनुराग गुप्ता, विनोद किस्कू, चित्रगुप्त महतो, आलम अंसारी सहित झारखंड के मंत्री-विधायक से लेकर कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

राहुल आज चाईबासा की विशेष अदालत में होंगे पेश

रांचीः कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक दिवसीय दौरे पर झारखंड आ चूके हैं. बीजेपी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी मामले में बुधावर 6 अगस्त को उनको चाईबासा की विशेष अदालत में सशरीर हाजिर होना है. **राहुल गांधी के खिलाफ चाईबासा के सीजीएम कोर्ट में मानहानि का मुकदमाः** दरअसल, 28 मार्च 2018 को कांग्रेस के एक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने बीजेपी नेता अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी. इसके खिलाफ बीजेपी नेता प्रताप कटियार ने चाईबासा के सीजीएम कोर्ट में मानहानि का मुकदमा किया था. इसकी सुनवाई करते हुए राहुल गांधी को सशरीर उपस्थित होने का आदेश दिया गया था. **जारी हुआ था राहुल गांधी के खिलाफ वारंटः** राहुल गांधी के खिलाफ वारंट भी जारी हुआ था. इस आदेश के खिलाफ राहुल गांधी ने झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी. लेकिन हाई कोर्ट ने भी उन्हें चाईबासा की विशेष अदालत में सशरीर हाजिर होने को कहा था. बता दें कि पूर्व में चाईबासा की एमपी-एमएलए कोर्ट की ओर से राहुल गांधी को 26 जून को उपस्थिति दर्ज कराने का आदेश दिया गया था. लेकिन उनके अधिवक्ता ने 26 जून की जगह 6 अगस्त को बेस होने की छूट का आग्रह किया था. इस पर हाईकोर्ट ने सहमति जताते हुए 6 अगस्त को पेश होने का निर्देश दिया था.

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बातचीत करते लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी....

गुरुजी को अंतिम जोहार करने बाइक से नेमरा पहुंचे अर्जुन मुंडा और सुदेश महतो

संवाददाता रांचीः सड़क जाम में फंसने के बाद गुरुजी के अंतिम संस्कार में शामिल होने पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो बाइक से नेमरा पहुंचे। उनके साथ आजसू के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, हसन अंसारी, मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत समेत अन्य नेता भी बाइक से पहुंचे और गुरुजी को अंतिम जोहार किया।

पहले पत्नी को डंडे से पीटा फिर गर्दन मरोड़कर कर दी हत्या, आरोपी गिरफ्तार

पलामूः जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के उलडंडा के बागी गांव पाचोपड़वा में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को पहले जमकर डंडे से पीटा और बाद में गर्दन मरोड़ कर हत्या कर दी. घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्यारोपी पति को गिरफ्तार कर लिया. दरअसल, सुनीता देवी नामक महिला ने सोमवार को शराब का सेवन किया था. शराब पीने के बाद उसकी हालत खराब हो गई. जिससे गांव की एक महिला ने सुनीता को घर तक पहुंचा दिया. जिस वक्त सुनीता घर पहुंची थी, उस वक्त उसके हाथों में शराब की बोतल थी. घर पहुंचने के बाद सुनीता देवी का पति विपन भुईयां के साथ विवाद हो गया. इसी विवाद में पति विपन भुईयां ने पहले सुनीता की जमकर पिटाई की और बाद में उसकी गर्दन मरोड़ कर हत्या कर दी. घटना की जानकारी मिलने के बाद रामगढ़ थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले में आरोपी पति विपन भुईयां को गिरफ्तार कर लिया.

कांवड़ यात्रा का अनदेखा साथी एम-सील बना श्रद्धालुओं का भरोसेमंद रक्षक

जमशेदपुरः हरिद्वार, गौमुख या सुल्तानगंज से पवित्र गंगाजल लेकर भगवान शिव को अर्पित करने की परंपरा वाली कांवड़ यात्रा में हर साल करोड़ों श्रद्धालु भाग लेते हैं। जुलाई-अगस्त के सावन माह में आयोजित इस यात्रा में श्रद्धालु पैदल सफर करते हुए गंगाजल लेकर अपने-अपने क्षेत्रों के शिव मंदिरों तक पहुंचते हैं। इस पूरे तीर्थयात्रा में जहां आस्था और भक्ति की मिसाल देखने को मिलती है, वहीं एक छोटा-सा उत्पाद चुपचाप इस यात्रा को सफल और सुरक्षित बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है एम-सील। आम तौर पर लीकेज-प्रूफ सीलेंट के रूप में उपयोग होने वाला एम-सील अब कांवड़ यात्रा का एक गुमनाम हीरो बन गया है। लाखों श्रद्धालु अपने गंगाजल के कलशों को सुरक्षित रखने के लिए एम-सील का प्रयोग करते हैं, जिससे न केवल जल सुरक्षित रहता है, बल्कि पूरी यात्रा भी बिना किसी अवरोध के पूरी होती है। यह जुगाड़ की भूमि भारत में इनोवेशन का सटीक उदाहरण है। एम-सील अब न केवल हार्डवेयर दुकानों में बल्कि स्थानीय राशन की दुकानों, सड़क किनारे के ढाबों, बस अड्डों, ट्रांसपोर्ट सेंटर्स, यहां तक कि हरिद्वार की हर की पौड़ी और बसों के अंदर भी आसानी से उपलब्ध है।

13 जिलों में सामान्य से ज्यादा वर्षा, एक बार फिर येलो अलर्ट जारी

रांचीः इस साल मानसून ने झारखंड पर जरूरत से ज्यादा मेहरबानी दिखाई है, जो राज्य की खेती-किसानी के लिहाज से सही नहीं है. खरीफ के साथ-साथ सब्जियों की खेती प्रभावित हुई. लगातार हो रही बारिश का आम जन-जीवन पर भी व्यापक असर पड़ा है. 1 जून 2025 से 4 अगस्त 2025 के बीच पांच ऐसे जिले हैं जहां सामान्य से लार्ज एक्सेस यानी बहुत ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है. साथ ही 13 जिलों में सामान्य से ज्यादा, जबकि सिर्फ पांच जिले ऐसे हैं जहां सामान्य बारिश हुई है. खास बात है कि 7 अगस्त को राज्य के 12 जिलों में भारी बारिश की संभावना के साथ मौसम केंद्र ने येलो अलर्ट जारी कर दिया है.

जमशेदपुर में मनोज तिवारी ने बांधा समा, मंत्रमुग्ध हुए लोग

जमशेदपुरः सावन माह के अंतिम सोमवारी पर हर हर महादेव सेवा संघ की ओर से भजन संध्या आयोजित हुई. इस आयोजन में बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने प्रस्तुति देकर माहौल को शिवमय बना दिया. इसके साथ ही दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित कर भजन संध्या उनके नाम समर्पित की. **भजन प्रस्तुति से बना शिवमय माहौलः** जमशेदपुर में सावन महीने की अंतिम सोमवारी पर हर-हर महादेव शिवशंकर द्वारा साकची स्थित गुरुद्वारा मैदान में, भजन संध्या का आयोजन किया गया. भजन संध्या में स्थानीय कलाकारों के अलावा भोजपुरी गायक और बीजेपी सांसद मनोज तिवारी की भजन प्रस्तुति ने माहौल को शिवमय बना दिया. **जिन्होंने जल नहीं चढ़ाया वे भजन सुनकर कमा सकते हैं पुण्यः** वहीं आयोजनकर्ता बीजेपी नेता अमरप्रीत सिंह काले ने कहा कि सावन की अंतिम सोमवारी पर आयोजित भजन संध्या गुरूजी के नाम पर समर्पित है. उन्होंने कहा कि सावन में किसी कारण जो जल चढ़ाने कहीं नहीं जा सकते, भोले बाबा की भजन संध्या में आकर शिव भजन का आंनद ले सकते हैं. **संघ रत्न से सम्मानित हुए पूर्व सांसद पीएन सिंहः** भजन संध्या में पूर्व सांसद पीएन सिंह को संघ रत्न से नवाजा गया. इसके अलवा चिकित्सा, शिक्षा, खेल, समाजसेवा और पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रबुद्ध व्यक्ति को मंच पर संघ सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया. आपको बता दें कि गायक सह सांसद मनोज तिवारी पिछले दिनों सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर पैदल देवघर जल चढ़ाने पहुंचे थे. इस दौरान पैर चोटिल होने के बावजूद वे श्रद्धालुओं के बीच भजन प्रस्तुत कर लोगों को आनंदित कर रहे हैं.

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर रखा एक मिनट का मौन

इधर, झारखंड के निर्माता और आदिवासियों की आवाज उठाने वाले दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर पूरे राज्य में शोक की लहर है. भजन संध्या की शुरुआत में गायक सह सांसद मनोज तिवारी और आयोजनकर्ता की ओर से शिबू सोरेन के निधन पर एक मिनट का मौन रखाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई. इस मौके भोजपुरी गायक सह बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कहा अलग झारखंड राज्य के लिए आंदोलन करने वाले गरीबों के मसीहा दिशोम गुरु शिबू सोरेन को झारखंड ही नहीं बल्कि पूरा देश याद करेगा.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।